राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 12
अंक : 32
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
बुधवार 17 अगस्त 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 संयुक्त रोजगार आंदोलन समिति ने राष्ट्रीय रोजगार नीति को लागू करने को लेकर नंदनगरी से निकाली तिरंगा पदयात्रा

पेज 5 बाराबंकी : खेत में गिरे बिजली के तार की चपेट में आया किसान, बचाने गए लड़के की भी मौत

पेज 7 'चीन को सैन्य उद्देश्यों के लिए हंबनटोटा का इस्तेमाल नहीं करने देंगे', भारत की चिंताओं पर बोले श्रीलंकाई राष्ट्रपति

कश्मीरी पंडितों पर टारगेटेड अटैक

आतंकियों ने शोपियां में सेब बागान में काम कर रहे दो भाइयों को गोली मारी, एक की मौत; दूसरा घायल

कश्मीरी पंडितों से घाटी छोड़ने की अपील

कश्मीरी पंडित की हत्या के बाद लोगों में गुस्सा है। कश्मीर पंडित संघर्ष समिति ने कश्मीरी पंडितों से कश्मीर छोड़ने की अपील की है। यह संगठन कश्मीर में रहने वाले गैर-प्रवासी कश्मीरी पंडितों का प्रतिनिधित्व करता है। संगठन के प्रेसिडेंट संजय टिक्कू ने कहा कि कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की रक्षा करने में न्यायपालिका और सरकार बुरी तरह विफल रही है। इस कारण KPSS सभी कश्मीरी पंडितों से कश्मीर छोड़ने की अपील कर रहा है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में कोई भी कश्मीरी पंडित सुरक्षित नहीं है।

कश्मीर। दक्षिण कश्मीर में एक बार फिर टारगेट किलिंग का मामला सामने आया है। शोपियां में मंगलवार को आतंकियों ने दो भाइयों पर फायरिंग कर दी। इसमें एक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल है। घायल को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सुरक्षाबलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और हमलावरों की तलाश शुरू कर दी गई है।

जानकारी के अनुसार छोटेपोरा इलाके में दोनों भाई सेब के बागान में काम कर रहे थे। इस दौरान वहां कुछ आतंकी आए और फायरिंग शुरू कर दी। गोली लगने से एक भाई की मौत हो गई।

उसकी पहचान सुनील कुमार भट्ट के रूप में हुई है। वह चार बेटियों के पिता थे। वहीं, उनका भाई पीतांबर नाथ पंडित उर्फ पिंटू कुमार गंभीर रूप से घायल है, उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

कश्मीर : आईटीबीपी की बस खाई में गिरी : 7 जवानों की मौत

बस में 41 जवान सवार थे; सभी अमरनाथ यात्रा से ड्यूटी करके लौट रहे थे

हादसे में इन जवानों की मौत

मरने वाले आईटीबीपी जवानों के नाम हेड कॉन्स्टेबल दुला सिंह (तरन तारन, पंजाब), कॉन्स्टेबल अभिराज (लखीसराय, बिहार), कॉन्स्टेबल अमित के (एटा, यूपी), कॉन्स्टेबल डी राज शेखर (कडपा, आंध्र प्रदेश), कॉन्स्टेबल सुभाष सी बैरवाल (सीकर राजस्थान), कॉन्स्टेबल दिनेश बोहरा (पिथौरागढ़, उत्तराखंड) और कॉन्स्टेबल संदीप कुमार जम्मू के रूप में हुई है।

पहलगाम। कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार सुबह 11.10 बजे भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल की एक बस 100 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में 7 जवानों की मौत हो गई। बस में आईटीबीपी के 39 और जम्मू कश्मीर पुलिस के 2 जवान सवार थे। हादसे का कारण बस का ब्रेक फेल होना बताया जा रहा है। सभी जवान अमरनाथ यात्रा से ड्यूटी कर लौट रहे थे। जवान अमरनाथ यात्रा के स्टार्टिंग पॉइंट चंदनवाड़ी से पहलगाम आ रहे थे। बीच में ही ड्राइवर ने नियंत्रण खो दिया और बस खाई में जा गिरी। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि घायल कर्मियों को अस्पताल पहुंचाने के लिए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया गया है।

अनंतनाग के डिप्टी कमिश्नर डॉ. पीयूष सिंगला ने दैनिक भास्कर को बताया कि जीएमसी अनंतनाग, जिला अस्पताल अनंतनाग और एसडीएच सीर में घायल जवानों का इलाज किया जा रहा है। हादसे की खबर मिलते ही 19 एम्बुलेंस को घटनास्थल पर भेजा गया था।

आईटीबीपी के डीजी एसएल थाओसेन ने बताया कि हादसे में सात जवानों की जान चली गई है। गंभीर रूप से घायल आठ जवानों को इलाज के लिए श्रीनगर ले जाया गया है। बाकी का इलाज अनंतनाग के एक अस्पताल में चल रहा है। वहीं जम्मू-कश्मीर के डीआईजी रनबीर सिंह के मुताबिक गंभीर घायल जवानों को श्रीनगर के 92 बेस हॉस्पिटल में लाया गया है। बाकी जवानों की हालत स्थिर है।

बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तर प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामले बढ़े

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में बिहार, महाराष्ट्र, पंजाब और उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी के सक्रिय मामले बढ़े है और इस दौरान इस बीमारी से 28 लोगों की मौत हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि सुबह सात बजे तक 208.31 करोड़ टीके दिये जा चुके हैं। मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में कोविड संक्रमण के आठ हजार 813 नये मरीज सामने आयें हैं। इनके साथ ही देश में कोरोना रोगियों की संख्या एक लाख 11 हजार 252 हो गयी है। यह सक्रिय मामलों का 0.25 प्रतिशत है। दैनिक संक्रमण दर 4.15 प्रतिशत हो गयी है।

मंत्रालय ने बताया कि इसी अवधि में 15 हजार 040 लोग कोविड से मुक्त हुए हैं। अभी तक कुल चार करोड़ 36 लाख 38 हजार 844 रोगी कोविड से उबर चुके हैं। स्वस्थ होने की दर 98.56 प्रतिशत है। देश में पिछले 24 घंटे में दो लाख 12 हज़ार 129 कोविड परीक्षण किए गये हैं। देश में कुल 88.4 करोड़ से अधिक कोविड परीक्षण किए हैं।

इस दौरान पंजाब में सक्रिय मामले 187 बढ़कर 14645 हो गये है। राज्य में इस बीमारी से 747101 लोग ठीक हो चुके है। तथा छह और मरीजों की मौत होंने से इस बीमारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 17859 हो गये है।

महाराष्ट्र में 46 सक्रिय मामले बढ़कर 12148 हो गये। यहां इस बीमारी से अब तक 7913209 लोग ठीक हो चुके है। यहां मृतकों की संख्या 148172 लोगों की इस बीमारी से मौत हो चुकी है।

कर्नाटक में 447 सक्रिय मामले घटकर 10475 हो गये है। तथा 1653 मरीजों के कोविड मुक्त होने से इस बीमारी से ठीक होने वालों की संख्या बढ़कर 3981825 हो गई है। मतृकों का आंकड़ा 40189 पर स्थिर है।

गुजरात में 2000 करोड़ की एमडी ड्रग्स बरामद

वडोदरा की फैक्ट्री से 200 किलो ड्रग जब्त, मुंबई पुलिस ने अंकलेश्वर से 516 किलो ड्रग पकड़ी

एजेंसी

वडोदरा। समुद्री रास्ते से गुजरात में ड्रग्स की सप्लाई के मामले आए दिन सामने आते रहते हैं, लेकिन अब राज्य में दो अलग-अलग जगहों से 713 किलो स्ड्ड ड्रग बरामद की गई है। बरामद ड्रग की कीमत 2000 करोड़ रुपए आंकी गई है। गुजरात झ्र्स ने वडोदरा से, जबकि मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने भरूच के अंकलेश्वर से ड्रग्स के भारी जखीरे की बरामदगी की है।

वडोदरा की फैक्ट्री में तैयार हो रही थी एमडी ड्रग

वडोदरा में जिस फैक्ट्री से प्रतिबंधित एमडी ड्रग्स पकड़ी गई है, वहीं इसे अवैध रूप से बनाया जा रहा था। ATS ने मोक्षी गांव में इस फैक्ट्री से बरामद 200 किलो ड्रग्स की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 1000 करोड़ रुपए के करीब बताई है। ATS के DIG दीपेन भद्रन ने बताया कि जब्त की गई ड्रग्स करीब 6 महीने पहले तैयार की गई थी।

इस बात की पूरी संभावना है कि एक बार में ही काफी मात्रा में ड्रग्स तैयार की गई हो, जिसे देश के अलग-अलग हिस्सों में सप्लाई कर दिया गया हो।

मुंबई पुलिस ने भरूच से बरामद की 513 किलो ड्रग

इधर मुंबई पुलिस की एंटी नारकोटिक्स सेल ने गुजरात के ही भरूच जिले में अंकलेश्वर से 513 किलो एमडी ड्रग बरामद की है। नारकोटिक्स सेल की वर्ली ब्रांच ने इस मामले में एक महिला समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बरामद की गई ड्रग की कीमत 1 हजार 26 करोड़ बताई है। पुलिस के मुताबिक, पकड़े गए सभी लोग एक गिरोह का हिस्सा हैं। इनसे पूछताछ कर ड्रग की सप्लाई चेन के बारे में पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

वडोदरा में केमिकल की आड़ में बन रही थी ड्रग

गुजरात ATS के DIG दीपेन भद्रन ने बताया- गुप्त सूचना मिली थी कि वडोदरा की सावली तहसील के पास ड्रग्स का बड़ा जत्था है। ATS ने सोमवार को मोक्षी गांव की इस फैक्ट्री में छापा मारा। वहां ड्रग्स का जखीरा तो मिला ही, यह भी पता चला कि केमिकल बनाने की आड़ में एमडी ड्रग तैयार की जा रही थी। इस मामले में कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। जांच के बाद ही पूरी जानकारी सामने आ पाएगी।

मुंबई और गोवा में हो रही थी ड्रग्स की सप्लाई

दीपेन भद्रन ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि ड्रग्स की सप्लाई गोवा और मुंबई की जा रही थी। ATS को शक है कि यहां से देश के दूसरे हिस्सों में भी ड्रग्स भेजी गई है। इस रैकेट में शामिल लोगों के बारे में भी पता लगाया जा रहा है।

मां ने अपने 3 बच्चों को चाय में दिया जहर : तीनों मासूमों की मौत

एजेंसी

गाजीपुर। गाजीपुर में एक मां ने अपने 3 बच्चों को जहर दे दिया। तीनों बच्चों की मौत हो गई। पुलिस महिला को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के पीछे पति-पत्नी में विवाद बताया जा रहा है।

पति और देवर के साथ हुई थी नोकझोंक

मामला सुहवल थाना क्षेत्र के ढढनी भानमल राय गांव का है। आरोपी महिला सुनीता देवी रेवतीपुर थाना साईत बांध की रहने वाली है। उसके चार बच्चे हैं। वह अपने बच्चों के साथ रक्षाबंधन के दिन मायके ढढनी भानमल राय गांव आई थी।

परिजनों ने बताया, सोमवार को महिला का मोबाइल पर पति और देवर के साथ विवाद हो गया। इससे महिला नाराज हो गई और उसने अपने दो बेटों हिमांशु (11), प्रियांशु (8) और बेटी सुप्रिया (7) को दिन के 4 बजे चाय में मिलाकर जहर दे दिया।

उन्होंने बताया, बच्चों की हालत बिगड़ने लगी तो महिला ने इस बात की जानकारी दी। घर के लोग बच्चों को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे। यहां इलाज के दौरान पीयूष की मौत हो गई। डॉक्टरों ने हिमांशु और सुप्रिया की हालत नाजुक देख वाराणसी के ट्रामा सेंटर के लिए रेफर कर दिया।

घर वालों ने बताया कि वाराणसी पहुंचते ही हिमांशु ने भी दम तोड़ दिया। सोमवार देर रात इलाज के दौरान सुप्रिया की भी मौत हो गई। घटना की जानकारी गांव के लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं आरोपी मां को हिरासत में ले लिया है।

संयुक्त राष्ट्र में सदस्यों के विश्वास का संकट पैदा हो गया है : राजनाथ

नयी दिल्ली। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की पुरजोर वकालत करते हुए कहा है कि विश्व संस्था की कमजोर पड़ चुकी व्यवस्था और इसके निरंतर कम होते प्रभाव के कारण सदस्य देशों के इसमें विश्वास का संकट पैदा हो गया है।

श्री सिंह ने अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा पर मास्को सम्मेलन के पूर्ण सत्र को वीडियो कांफ्रेन्स से संबोधित करते हुए मंगलवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र ने दुनिया को विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति के लिए एक वैश्विक मंच दिया था लेकिन अब इस व्यवस्था में स्पष्ट रूप से सदस्य देशों का विश्वास गड़बड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि दुनिया के सामने आतंकवाद , कट्टरपंथ, जलवायु परिवर्तन, बढते खतरों और गैर सरकारी तत्वों की विध्वंसकारी भूमिका जैसे मुद्दे हैं और संयुक्त राष्ट्र ने इनका आंशिक समाधान भी किया है लेकिन हमारा सामूहिक प्रयास कम पड़ा है और इन मुद्दों का प्रभावशाली तथा स्थायी समाधान नहीं हो सका है और कुछ हद तक इसका कारण बहुपक्षीय व्यवस्था की निर्बलता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह चिंताजनक स्थिति विश्व व्यवस्था में संगठनात्मक कमी का उदाहरण है।

कारपोरेट कर छूट से हुआ दो लाख करोड़ का घाटा : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि मोदी सरकार ने ग्रामीणों को रोजगार देने वाली मनरेगा योजना को नज़रअंदाज करके उद्योगपतियों को कर में भारी छूट दी लेकिन इससे निवेश बढ़ने की बजाय दो साल में सरकार को 1.84 लाख करोड़ रुपए की चपत लगी है। कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी सरकार ने 20 सितंबर 2019 को कॉर्पोरेट घरानों को कर में भारी छूट देने की घोषणा की थी।

अमृतसर में इंस्पेक्टर की गाड़ी के नीचे लगाया बम

बाइक पर आए 2 युवकों ने किया फिट, टायर के पास डेटोनेटर दिखने से चला पता

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर शहर में मंगलवार को बम मिलने के बाद सनसनी फैल गई। यह बम पंजाब पुलिस के सब-इंस्पेक्टर के घर के बाहर खड़ी उसकी गाड़ी के नीचे लगा मिला। सुबह कार धोने आए युवकों ने गाड़ी के टायर के पास तार देखकर सब-इंस्पेक्टर को इसकी सूचना दी। इस घटनाक्रम की एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी। मामला अमृतसर की सबसे पॉश कॉलोनी कहलाने वाले रणजीत एवेन्यू सी-ब्लॉक का है। यहां पंजाब पुलिस के CIA स्टाफ में तैनात सब-इंस्पेक्टर दिलबाग सिंह के घर के बाहर बम मिला। दिलबाग सिंह की गाड़ियां धोने के लिए रोज दो युवक आते हैं।

मंगलवार सुबह भी मंगा और उसका साथी दिलबाग सिंह के घर के बाहर खड़ी उनकी गाड़ियां साफ कर रहे थे। इसी दौरान दोनों ने गाड़ी के पिछले पहिए के नीचे डिब्बेनुमा चीज पड़ी देखकर इसकी जानकारी दिलबाग सिंह को दी। दिलबाग सिंह जब गाड़ी के पास पहुंचे तो वहां डेटोनेटर लगा देखकर हैरान रह गए। उन्होंने तुरंत इसकी सूचना विभागीय अधिकारियों को दी।

आरडीएक्स युक्त बम की आशंका

दिलबाग सिंह की सूचना के बाद आनन-फानन में पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद पूरी सावधानी के साथ कार के नीचे से निकालकर बम को जांच के लिए भेज दिया गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि RDX के साथ डेटोनेटर लगाकर यह बम तैयार किया गया था। पुलिस को एरिया में लगे CCTV कैमरों की फुटेज मिली है जिसमें दो युवक गाड़ी के पास खड़े नजर आ रहे हैं।

हादसा

उदयपुर से छुट्टी मनाकर लौट रहे थे, गुरुग्राम में कार पर पलटा मक्का से भरा ट्रक

नोएडा के चार आईटी इंजीनियरों की सड़क हादसे में मौत

गाजियाबाद/नोएडा। गुरुग्राम में सोमवार देर रात हुए सड़क हादसे में नोएडा की ढ्ढञ्ज कंपनी के चार इंजीनियरों की मौत हो गई। सभी 6 दोस्त उदयपुर घूमने गए थे। सोमवार देर लौटते समय रास्ते में डिवाइडर से टकराकर ट्रक इनोवा कार के ऊपर पलट गया। हादसे में 4 दोस्तों की मौत हो गई।

यह हादसा सोमवार रात करीब पौने 2 बजे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर गुरुग्राम में बिलासपुर थाना क्षेत्र स्थित सिंधरावली कट के नजदीक हुआ। ट्रक में मक्का (कॉर्न) की बोरियां भरी हुई थीं। यह ट्रक पहले डिवाइडर से टकराया और फिर बराबर में चल रही इनोवा के ऊपर पलट गया। इस हादसे में इनोवा सवार तीन युवक और एक युवती की मौत हो गई।

सूचना पर बिलासपुर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को सीधा कराकर कार को बाहर निकलवाया। तब तक चार की मौत हो चुकी थी।

दो घायलों का इलाज जारी, ट्रक ड्राइवर फरार

मृतकों की पहचान दीपक, आदर्श कुमार, मुस्कान और कुमारा पुजीत के रूप में हुई। सभी की उम्र 22 से 25 साल के बीच है। जबकि प्रियंका और जसनौर सिंह घायल हुए हैं। सभी नोएडा के सेक्टर-135 स्थित ढ्ढञ्ज कंपनी एडॉबी में बतौर इंजीनियर तैनात थे। 15 अगस्त को छुट्टी होने की वजह से चारों घूमने के लिए राजस्थान के उदयपुर गए थे और 15 अगस्त की देर रात इनोवा से लौट रहे थे।

गुरुग्राम पुलिस ने चारों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं घायल दोनों युवक-युवतियों का इलाज गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में चल रहा है। डॉक्टरों ने इन दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई है। वहीं बिलासपुर पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर फरार हो गया, उसकी तलाश जारी है।

श्रीकांत त्यागी की जमानत खारिज : सूरजपुर कोर्ट से श्रीकांत के 6 गुर्गों को मिली जमानत

ग्रेटर नोएडा/नोएडा। ओमेक्स ग्रैंड सोसाइटी में महिला से गाली-गलौज और अभद्रता करने वाले श्रीकांत त्यागी की जमानत अर्जी खारिज कर दी गई है। अब जमानत पर सुनवाई अगली तारीख को की जाएगी।

वहीं, श्रीकांत त्यागी के छह गुर्गों को जिला न्यायालय से जमानत मिल गई है। 9 अगस्त को पुलिस ने प्रिंस त्यागी, नितिन त्यागी, लोकेंद्र त्यागी, राहुल त्यागी, रवि पंडित और चर्चिल राणा को जेल भेजा था। इन्हें श्रीकांत के समर्थन में हंगामा करने का आरोप है।

5 अगस्त को वीडियो हुआ था वायरल

5 अगस्त को नोएडा के ग्रैंड ओमेक्स हाउसिंग सोसाइटी में श्रीकांत त्यागी ने एक महिला से अभद्रता की थी। इसका वीडियो वायरल हुआ था। पुलिस ने केस दर्ज किया। इसके बाद पुलिस ने श्रीकांत की 3 गाड़ियां सीज कर दिया गया था।

इसके बाद श्रीकांत के साथी ग्रैंड ओमेक्स सोसाइटी में घुस थे। रेजिडेंट्स से मारपीट का आरोप लगा। छह आरोपी पकड़े थे। सुरक्षा में लापरवाही पर एसएचओ समेत 6 पुलिसकर्मी सस्पेंड कर दिया गया था।

नोएडा पुलिस ने मेरठ से श्रीकांत को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद सूरजपुर कोर्ट ने श्रीकांत त्यागी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के महासचिव त्रिलोक त्यागी ने मंगलवार को नोएडा मीडिया क्लब में प्रेसवार्ता कर नोएडा पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने नोएडा पुलिस पर श्रीकांत त्यागी की पत्नी और परिवार की अन्य महिलाओं को पूछताछ के बहाने प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए दोषी पुलिसकर्मियों को सस्पेंड करने की मांग की है।

त्रिलोक त्यागी ने आरोप लगाया है कि नोएडा की एक सोसाइटी में महिला के साथ अभद्रता करने के आरोपी श्रीकांत त्यागी की पत्नी अनु त्यागी और अन्य महिलाओं को पूछताछ के बहाने घंटों थाने में बैठाकर प्रताड़ित किया गया।

शार्ट न्यूज

ओडिशा पुलिस की एसटीएफ ने जब्त किए पिस्तौल और गोलाबारूद, एक गिरफ्तार

भुवनेश्वर। ओडिशा पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर उसके पांच से देशी पिस्तौल, छह गोलाबारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। एसटीएफ सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ सूत्रों ने आज यहां बताया कि ढेंकनाल सदर थाना क्षेत्र के छतिया थाना क्षेत्र के अपराधी रोहित नाइक द्वारा अवैध हथियार रखने की खुफिया सूचना के आधार पर एसटीएफ के अधिकारियों की एक टीम ने सोमवार को छटिया-तिब्बलपुर में ढेंकनाल पुलिस की मदद से उसे रोक लिया और उसके पास से अवैध हथियार और गोलाबारुद बरामद किया तथा आपत्तिजनक दस्तावेज भी बरामद किए गए। पुलिस ने अवैध हथियार रखने पर उसे दस्तावेज दिखाने को कहा जिस पर आरोपी कोई वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया और उसे हिरासत में लिया गया तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए ढेंकनाल सदर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है। आरोपी के खिलाफ आपराधिक दंड संहित और सशसस्त्र अधिनिम के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। गौरतलब है कि एसटीएफ ने अपने अभियान में 2020 से अब तक अवैध हथियारों और गोला-बारूद के खिलाफ 73 पिस्तौल और 152 कारतूस जब्त किए हैं।

चंद्रशेखर राव छात्रों के साथ सामूहिक राष्ट्रगान में हुए शामिल

हैदराबाद। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मंगलवार को यहां एबिड्स जीपीओ सर्कल स्थित पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की प्रतिमा के निकट आयोजित सामूहिक राष्ट्रगान कार्यक्रम में भाग लिया। श्री राव और प्रतिभागियों ने एक स्वर में राष्ट्रगान का पाठ किया। राष्ट्रगान के कार्यक्रम में शिक्षण संस्थानों के छात्र-छात्राएं शामिल हुए। राज्य सरकार द्वारा संचालित किए जा रहे दो सप्ताह के राष्ट्रगान का पाठ 'स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवम कार्यक्रमों' का हिस्सा है। इससे पहले सरकार ने राज्य भर के नागरिकों से अपील की थी कि वे ठीक 11.30 बजे जहां कहीं भी खड़े हों और राष्ट्रगान गाएं। राज्य भर में सुबह 11.30 बजे सामूहिक गायन का आयोजन किया गया जहां लोगों ने राष्ट्रगान गाया। शहर के कई प्रमुख चौराहों पर भारी भीड़ जमा हो गई और सुबह 11.30 बजे एक साथ राष्ट्रगान गाया गया। दस मिनट तक राष्ट्रगान के सामूहिक गायन से वाहनों का आवागमन ठप हो गया और ट्रैफिक सिग्नल लाल कर दिये गये। इससे कई जगह ट्रैफिक जाम की सूचना मिली। शहर के ट्रैफिक चौराहों पर लोग पूरे सम्मान के साथ राष्ट्रगान के लिए खड़े देखे गए इसे लाउड स्पीकरों के माध्यम से बजाया गया था। हैदराबाद मेट्रो ट्रेनों को साढ़े 11 बजे एक मिनट के लिए रोक दिया गया और ट्रेनों और मेट्रो स्टेशनों पर राष्ट्रगान बजाया गया। ट्रेनों में राष्ट्रगान के लिए यात्री खड़े हो गए।

किन्नौर कैलाश यात्रा आधिकारिक तौर पर बंद

रिकांगपिओ। हिमाचल में एक से 15 अगस्त तक जारी किन्नौर कैलाश यात्रा गत दिवस आधिकारिक तौर पर बंद कर दी गई है। यह जानकारी मंगलवार को यहां उपायुक्त एवं जिला दण्डाधिकारी किन्नौर आबिद हुसैन सादिक ने दी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष लगभग 2956 लोगों ने किन्नौर कैलाश यात्रा पूर्ण की। उन्होंने बताया जिला प्रशासन द्वारा पहली मर्तबा किन्नौर कैलाश यात्रा जाने के लिए ऑनलाईन पंजीकरण किया गया। जिसमें ऑनलाईन पंजीकरण के माध्यम से कुल 900 श्रृद्धालुओं, तथा 1751 श्रृद्धालुओं ने ऑफलाईन माध्यम से रजीस्ट्रेशन करवाया। इसके अलावा 1182 श्रृद्धालुओं का किन्नौर कैलाश समिति द्वारा तांगलिग स्थित बेस कैम्प में मौके पर ही रजीस्ट्रेशन किया गया जिससे यात्रा के लिए कुल 3833 यात्रियों ने पंजीकरण करवाया तथा 2956 लोगों ने किन्नौर कैलाश यात्रा को पूर्ण किया। यात्रा के लिए जाने वाले यात्रियों की चिक्तिसा जांच तांगलिंग स्थित बेस कैम्प में की गई तथा चिकित्सा जांच के उपरान्त ही श्रृद्धालुओं को किन्नौर कैलाश यात्रा के लिए भेजा गया। इसके उपरांत गणेश पार्क पहुंच कर भी यात्रियों की पुन: चिकित्सा जांच की गई। उन्होंने बताया कि आपातकालीन स्थिति में दवाईयां व ऑक्सीजन के सिलैण्डर रखे गए थे ताकि आपात स्थिति में श्रृद्धालुओं को उपलब्ध करवाई जा सके।

आम आदमी पार्टी लोगों से किये वादों पर खरी नहीं उतरी : मजीठिया

नवांशहर। अकाली दल (बादल) के वरिष्ठ नेता व पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रमजीत सिंह मजीठिया ने मंगलवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार ने चुनाव के समय जो दावे लोगों के साथ किए थे, वह उन पर खरी नहीं उतर रही है। श्री मजीठिया ने मंगलवार को अमृतसर जाते समय खटकड़कलां पहुंचकर शहीद-ए-आजम भगत सिंह व उनके परिजनों को नमन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पंजाब की पूर्व कांग्रेस सरकार ने उन पर झूठा पर्चा दर्ज कर जेल पहुंचाया। इसके लिए बार-बार डीजीपी तथा प्रशासनिक अधिकारी बदले गए। श्री मजीठिया ने कहा कि एसआईटी में उनके एक रिश्तेदार को इंचार्ज लगाया, जिसने खुन्नस के चलते उन्हें टारगेट पर रखते हुए उन पर मामला दर्ज किया। उन्होंने कहा कि पंजाब के पूर्व सीएम चरणजीत सिंह चन्नी दोनों स्थानों से चुनाव हार गए। इसके अलावा कांग्रेस के प्रधान भी अपनी सीट से हारे हैं। कांग्रेस ने खुन्नस और बदलाखोरी की नीति चलाई जिसके चलते पंजाब के लोगों का दिल आहत हुआ और पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनी। श्री मजीठिया ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने जो दावे चुनाव से पहले लोगों के साथ किए थे, वह उन पर खरी नहीं उतर रही है।

मासूम बच्ची की अपहरण के बाद दुष्कर्म कर हत्या का आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़। हरियाणा पुलिस ने पानीपत जिले में 15 अगस्त को हुई छह साल की मासूम बच्ची के अपहरण के बाद दुष्कर्म कर हत्या के अपराध में संलिप्त आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के प्रवक्ता ने मंगलवार को यहां बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए पानीपत के पुलिस अधीक्षक शशांक कुमार सावन ने तुरंत अपराध स्थल का दौरा किया और वारदात को सुलझाने के लिए पुलिस की पांच टीमों का गठन किया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस टीमों ने इसका संज्ञान लेते हुए आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद फुटेज को खंगाला, जिसमें आरोपी लड़की को ले जाते हुए दिखाई दिया। फुटेज के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे पानीपत के सेक्टर 25 स्थित जिमखाना क्लब के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान पीरी चमोली (उत्तराखंड) के मूल निवासी ईश्वर के रूप में हुई है, जो वर्तमान में कृष्णा गार्डन में किराएदार के रूप में रह रहा था। पुलिस मामले को फास्ट ट्रैक कोर्ट में लेकर जाएगी और चिन्हित अपराध की सूची में शामिल कर आरोपी को फांसी की सजा दिलवाने के लिए माननीय न्यायालय से गुजारिश की जाएगी।

चंबल नदी में बढते पानी को देखते हुये प्रभावित गावों में अलर्ट जारी

भरतपुर। राजस्थान के सवाईमाधोपुर में मध्यप्रदेश की सीमा पर बहने वाली चंबल नदी में लगातार पानी की आवक से क्षेत्र के करीब 12 गांवों के जलमग्न होने के खतरे को देखते हुए प्रशासन की ओर से खंडार क्षेत्र में चंबल नदीं के पास के गांवों के लिए अलर्ट जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार खण्डार में चंबल के आसपास के गांवों में पानी भरने का संकट गहरा गया है। जिसके चलते प्रशासन की ओर से क्षेत्र के करीब 12 गांवों के जलमग्न होने का खतरा गहरा गया है। इन गांवों के लिए प्रशासन को अलर्ट जारी किया गया। मध्यप्रदेश, चित्तौड़गढ़ और हाड़ौती क्षेत्र में हुई तेज बारिश के बाद चंबल में पानी की आवक बढ़ गई जिसकी वजह से कोटा बैराज के आठ से ज्यादा गेट खोल दिए गए हैं। बैराज के गेट खोलने के बाद से ही चंबल में पानी की आवक लगातार बढ़ रही है। चंबल नदीं में फिलहाल पानी 21 मीटर से ऊपर चल रहा है। 24 मीटर से ऊपर जाने पर बाढ़ का खतरा होगा। चंबल में पानी को आवक को देखते हुए प्रशासन की ओर से खंडार क्षेत्र के चंबल नदीं के पास के गांवों के अलर्ट जारी किया गया है।

50 नए ऑपरेशन थिएटर और 3000 से अधिक बेड

दिल्ली एम्स ने रीडिवेलपमेंट का मास्टर प्लान केंद्र को सौंपा : रणदीप गुलेरिया

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को रीडिवेलपमेंट की तैयारी शुरू हो गई है। 75वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर एम्स के निदेशक डॉ रणदीप गुलेरिया ने कहा कि एम्स को फिर से विकसित करने के लिए एक मास्टर प्लान सरकार को सौंप दिया गया है।

एम्स की फेकल्टी और प्रशासनिक कर्मचारियों और डॉक्टरों को संबोधित करते हुए डॉ. गुलेरिया ने कहा कि एम्स मास्टर प्लान प्रोजेक्ट जिसका उद्देश्य रोगी देखभाल, शिक्षण अनुसंधान और प्रशासन, आउट पेशेंट सेवाओं और आवासीय सुविधाओं को समेकित करके समग्र रूप से हमारे बुनियादी ढांचे को फिर से विकसित करना है, सरकार को सौंप दिया गया है।

इस प्रोजेक्ट के तहत परिसर के वर्तमान संस्थान में 50 नए ऑपरेशन थिएटर और 3000 से अधिक रोगी देखभाल बेड होंगे, जिसमें 300 इमरजेंसी बेड भी शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के परिणामस्वरूप एम्स नई दिल्ली को विश्व स्तरीय चिकित्सा विश्वविद्यालय में बदल दिया जाएगा, जिसमें पचास नए ऑपरेशन थिएटर और 300 आपातकालीन बेड्स सहित 3000 से अधिक रोगी देखभाल बिस्तर होंगे।

नई प्रोजेक्ट के माध्यम से रिसर्च लैब्स, एनिमल फैसिलिटीज, क्लीनिकल ट्रायल फैसिलिटीज, 4000 हॉस्टल यूनिट्स और 14000 पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे।

डॉ. गुलेरिया ने आगे कहा कि हमने इस प्रोजेक्ट का अपना शुरुआती काम पूरा कर लिया है और सरकार को विस्तृत रिपोर्ट सौंप दी है और हाल ही में सरकार द्वारा प्रोजेक्ट को रीडिवेलपमेंट प्रोजेक्ट के रूप में अधिसूचित किया गया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण द्वारा मस्जिद मोठ, अंसारी नगर पश्चिम, अंसारी नगर पूर्व, ट्रॉमा सेंटर के पांच अलग-अलग भूखंडों को भी चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय की एक नई कैटेगरी के तहत एकीकृत किया गया है, जो इस परिसर को और अधिक लचीलापन देगा।

डॉ. गुलेरिया ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि स्वतंत्रता के 76वें वर्ष पर एम्स समग्र परिवर्तन के एक नए युग में प्रवेश करेगा, जहां न केवल हमारा भौतिक बुनियादी ढांचा बल्कि हमारी डिजिटल रीढ़ और संपत्ति भी दुनिया में सर्वश्रेष्ठ से मेल खाने के लिए बनाई जाएगी।

इससे पहले, केंद्र सरकार ने एक चिंतन शिविर आयोजित करने का फैसला किया, जो मुख्य रूप से देशभर में एम्स के कामकाज में सुधार पर ध्यान केंद्रित करेगा।

बोम्मई ने मंत्री की 'निष्क्रिय सरकार' वाली टिप्पणी को नहीं दी तवज्जो

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने मंगलवार को अपने कानून और संसदीय कार्य मंत्री जे सी मधुस्वामी की 'निष्क्रिय सरकार' वाली टिप्पणी को कमतर आंकते हुए कहा कि इसे एक अलग संदर्भ में व्यक्त प्रतिक्रिया है।

श्री बोम्मई ने यहां संवाददाताओं से कहा,उन्होंने (श्री मधुस्वामी ने) एक अलग संदर्भ में यह बात कही थी। मैंने उनसे बात की थी। इसलिए, किसी को भी इसे गलत तरीके से लेने की कोई आवश्यकता नहीं है। उन्होंने विशेष रूप से सहकारिता से संबंधित मुद्दों के संबंध में यह बात की थी। बाकी सब ठीक है और कोई समस्या नहीं है।

श्री बोम्मई सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक ऑडियो क्लिप के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें श्री मधुस्वामी चन्नापटना के एक सामाजिक कार्यकर्ता भास्कर के साथ बातचीत कर रहे हैं। ऑडियो में श्री मधुस्वामी को भास्कर से कहते सुना गया.. हम यहां सरकार नहीं चला रहे हैं, हम सिर्फ प्रबंधन कर रहे हैं, अगले 7-8 महीनों के लिए खींच रहे हैं।

मंत्री ने यह टिप्पणी एक सहकारी बैंक के खिलाफ भास्कर की शिकायतों के जवाब में की। उन्हें सहकारिता मंत्री एस टी सोमशेखर की कथित निष्क्रियता पर कथित रूप से असहायता व्यक्त करते हुए भी सुना जा सकता है।

श्री मधुस्वामी को यह भी कहते हुए सुना जा सकता है,मैं इन मुद्दों को जानता हूं।

गंगा में खनन के मामले में हाईकोर्ट ने एनएमसीजी से मांगा जवाब

नैनीताल। उत्तराखंड की तीर्थनगरी हरिद्वार में गंगा नदी के एक हिस्से में हो रहे खनन के मामले में मुख्य न्यायाधीश विपिन सांघी की अगुवाई वाली पीठ ने मंगलवार को सुनवाई करते हुए राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) से तीन सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। इस मामले की अगली सुनवाई 14 सितंबर को होगी। इस मामले को कनखल हरिद्वार की संस्था मातृसदन की ओर से जनहित याचिका के माध्यम से चुनौती दी गयी है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि रायवाला से भोपुर तक गंगा नदी में नियमों को ताक पर रखकर खनन कार्य करवाया जा रहा है। इससे गंगा के अस्तित्व को खतरा उत्पन्न हो गया है। वन विकास निगम की ओर से खनन को अंजाम दिया जा रहा है।

याचिकाकर्ता की ओर से यह भी उल्लेख किया गया कि एनएमसीजी की ओर से गंगा में खनन को प्रतिबंधित किया गया है। वन विकास निगम की ओर से आधुनिक मशीनों से खनन करवाया जा रहा है। हालांकि सरकार की ओर से इसका प्रतिवाद करते हुए कहा गया कि गंगा नदी में खनन प्रतिबंधित नहीं है।

तीन तलाक की तरह नहीं है तलाक-ए-हसन, महिलाओं के पास 'खुला' का विकल्प : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि मुस्लिमों में तलाक-ए-हसन के जरिये तलाक देने की प्रथा तीन तलाक की तरह नहीं है और महिलाओं के पास भी खुला का विकल्प है।

तीन तलाक की तरह तलाक-ए-हसन भी तलाक देने का एक तरीका है, लेकिन इसमें तीन महीने में तीन बार एक निश्चित अंतराल के बाद तलाक बोलकर रिश्ता खत्म किया जाता है। इस्लाम में पुरुष तलाक ले सकता है,

जबकि कोई महिला खुला के जरिए अपने पति से अलग हो सकती है।

जस्टिस एस.के. कौल और जस्टिस एम.एम. सुंदरेश की बेंच ने कहा कि अगर पति और पत्नी एक साथ नहीं रह सकते तो रिश्ता तोड़ने के इरादे में बदलाव न होने के आधार पर संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत तलाक दिया जा सकता है।

बेंच तलाक-ए-हसन और एकतरफा न्यायेत्तर तलाक के सभी अन्य रूपों को अवैध तथा असंवैधानिक घोषित करने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में दावा किया गया है कि तलाक के ये तरीके मनमाने, असंगत और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हैं।

बेंच ने कहा कि यह उस तरीके से तीन तलाक नहीं है। विवाह एक तरह का करार होने के कारण आपके पास खुला का विकल्प भी है। अगर दो लोग एक साथ नहीं रह सकते, तो हम भी शादी तोड़ने का इरादा न बदलने के आधार पर तलाक की अनुमति देते हैं। अगर मेहर (दूल्हे द्वारा दुल्हन को नकद या अन्य रूप में दिया जाने वाला उपहार) दिया जाता है तो क्या आप आपसी सहमति से तलाक के लिए तैयार हैं?

ओडिशा : नवीन ने महानदी नदी में बाढ़ की संभावना के मद्देनजर दस जिला कलेक्टरों को किया अलर्ट

एजेंसी

भुवनेश्वर। ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने मंगलवार को दस जिलों के कलेक्टरों को सतर्क रहने और बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए हर संभव कदम उठाने को कहा है।

श्री पटनायक ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि महानदी के जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से दस जिलों में बाढ़ आ सकती है। उन्होंने अधिकारियों को बाढ़ संभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को निकालने और उन्हें पर्याप्त राहत और बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने का निर्देश दिया।

संबंधित विभागों को स्थिति से निपटने के लिए जिलों को तुरंत हर तरह की मदद मुहैया कराने को कहा गया है। उन्होंने सभी प्रकार की आपदाओं में सरकार के लिए हर जान कीमती बताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए ताकि बाढ़ में किसी भी जनहानि को रोका जा सके। अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि एक भी व्यक्ति की जान न जाए और बड़े पैमाने पर लोगों की समस्याओं का समाधान करने को कहा है।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव और विशेष राहत आयुक्त को भी निर्देश दिया है कि बाढ़ की स्थिति की नियमित समीक्षा करें।

बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करते हुए उन्होंने लोगों के राहत और बचाव कार्यों में संवेदनशील क्षेत्रों में राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), ओडिशा आपदा मोचन बल (ओडीआरएएफ) और अग्निशमन सेवा इकाइयों की तैनाती पर जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, पंचायती राज और पेयजल विभाग के अधिकारियों को लोगों को निर्बाध सेवाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

ऊर्जा और निर्माण विभाग को बाढ़ के दौरान बाधित होने की स्थिति में बिजली और सड़क संचार को बहाल करने के लिए अग्रिम व्यवस्था करने के लिए कहा गया है।

दुष्यंत चौटाला ने शहीद निशांत मलिक के घर जाकर किया दुख व्यक्त

हिसार। हरियाणा के उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने मंगलवार को हिसार जिला के हांसी स्थिति शहीद निशांत मलिक के घर जाकर दुख व्यक्त किया। इससे पूर्व श्री चौटाला ने शहीद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने शहीद के परिजनों को ढांढस बंधवाते हुए कहा कि शहीद निशांत मलिक का जाना समूचे राष्ट्र के लिए अपूरणीय क्षति है। बेशक वे हमारे बीच नहीं रहे हो लेकिन देशवासियों के दिलों में हमेशा रहेंगे। शहीद निशांत मलिक ने देश की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी है। उनकी इस कुर्बानी को काफी नहीं भुलाया जा सकता।

ईश्वरप्पा ने मस्लिम समुदाय के युवाओं को दी चेतावनी

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता के एस ईश्वरप्पा ने स्वतंत्रता दिवस पर दो समुदायों के बीच संघर्ष के बाद शिवमोगा में बढ़ते तनाव के बीच मंगलवार को मुसलमानों के गुंडागर्दी करने पर उनके खिलाफ चेतावनी दी।

श्री ईश्वरप्पा ने यहां संवाददाताओं से कहा,हमारी सरकार शांति बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। मैं यह नहीं कहता कि सभी हिंदू और मुसलमान शांति भंग करने में शामिल हैं। हिंदू समाज मजबूत है, कमजोर नहीं है। अगर हिंदू समाज जागता है, तो मुस्लिम गुंडे उनके सामने नहीं टिकेंगे, लेकिन हिंदू समाज कानून को अपने हाथ में नहीं लेना चाहता है। इसलिए उन्होंने कार्रवाई करने के लिए इसे सरकार पर छोड़ दिया है।

भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद यह टिप्पणी की और शिवमोगा में कल की हिंसा के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

शिवमोगा में कल वीर सावरकर के फ्लेक्स को तोड़ने के आरोप में एक व्यक्ति को सलाखों के पीछे डाला गया है।

उन्होंने कहा कि पुलिस ने एक अन्य व्यक्ति के पैर में उस समय गोली मारी, जब उसने एक पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला करने की कोशिश की। ईश्वरप्पा ने कहा,यह पुलिस द्वारा दिखाया गया एक नमूना है।

बंद पड़े मकान में शव मिलने से मचा हड़कंप

जींद। हरियाणा के जींद जिले के गांव करसिंधु में बंद पड़े मकान में व्यक्ति का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक ने काले रंग का लोअर पहना हुआ है। सिर में चोट का निशान भी दिखाई दे रहा है। शव लगभग तीन दिन पुराना दिखाई दे रहा है। मृतक के पास से ऐसा कुछ भी बरामद नहीं हुआ जिससे मृतक की शिनाख्त संभव हो सके। घटना की सूचना पाकर सदर थाना सफीदों पुलिस मौके पर पहुंच गई और फोरेंसिक एक्सपर्ट टीम की सहायता से साक्ष्यों को जुटाया। पोस्टमार्टम के बाद ही खुलासा हो पाएगा कि आखिर व्यक्ति की मौत कैसे हुई। बिंद्र के बंद पड़े मकान के बाहर पिछले तीन दिनों से बुलेट बाइक भी खड़ा हुआ है। पुलिस ने जब बाइक की जांच की तो वह बिंद्र का पाया गया है। बिंद्र पिछले काफी समय से करनाल में रह रहा है और उसका मकान भी बंद पडा हुआ है। गली में पिछले तीन दिनों से खड़े बाइक से मामले के कनेक्शन जोड़ कर पुलिस देख रही है। बिंद्र के मकान के जिस कमरे में शव पडा हुआ था उस कमरे की बाहर की कुंडी लगी हुई है। सदर थाना सफीदों के कार्यवाहक प्रभारी राजेश ने बताया कि फोरेंसिक टीम से साक्ष्यों को जुटाया गया है। शव की फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए सामान्य अस्पताल के शवगृह में रखवाया गया है। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

पार्टी दलबदलु की बजाय कर्मठ कार्यकर्ता को तवज्जो देगी : चौटाला

सिरसा। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के प्रधान महासचिव व ऐलनाबाद के विधायक अभय सिंह चौटाला ने कहा कि आदमपुर उप चुनाव में टिकट बंटवारे के समय पार्टी दलबदलु की बजाय पार्टी के कर्मठ कार्यकर्ताओं को तवज्जो देगी। श्री चौटाला ने कहा इनेलो भाजपा की तर्ज पर नही चलती जो एक रोज पहले दूसरे दल से नेता को पार्टी प्रवेश करा अगले दिन अपने कार्यकर्ताओं के हक रौंदकर टिकट थमा देती है। उन्होंने भाजपा को एक सियासी दल की बजाय लुटेरों का गिरोह करार दिया। अभय चौटाला मंगलवार को सिरसा हलका के कंगनपुर, बाजेकां, फूलकां, कंवरपुरा,

कुसुंबी, जोधकां, कुक्कड़थाना, मोचीवाली, डिंग सहित करीब 20 गांवों में जनसंपर्क अभियान के दौरान ग्रामीणों को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान वे मीडिया से भी रूबरू हुए।

श्री चौटाला ने कहा कि पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवीलाल की नीतियां वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में भी प्रासंगिक हैं क्योंकि देश की विभिन्न सरकारों ने उनकी योजनाओं को अपने यहां लागू किया है। उन्होंने कहा कि चौधरी देवीलाल ने बुजुर्गों का सम्मान रखते हुए 100 रुपए प्रतिमाह पेंशन जारी की थी मगर वर्तमान सरकार ने बुजुर्गों की परिवार पहचान पत्र में दी गई आय को आधार बनाकर उनकी पेंशन काटी है जो निंदनीय है। इनेलो नेता ने कहा कि सिरसा जिले में बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति भी घातक है और इसमें ग्रामीणों को भी सामाजिक भागेदारी निभाते हुए इसे रोकने का काम करना चाहिए। अभय चौटाला ने कहा कि यह अति दुर्भाग्यपूर्ण है कि नशा माफिया को सरकारी संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि वे जिले के ग्रामीण आंचल में गए हैं जहां उन्होंने पाया कि विकास के नाम पर एक नई ईंट भी नहीं लगी। ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे हैं। जहां एक ओर स्कूलों की इमारतें जर्जर हो चुकी हैं वहीं प्राथमिक चिकित्सा केंद्रों में मरीजों का दवा देने वाले चिकित्सक नहीं हैं। सडकें पूरी तरह से टूटी हैं और लोगों को पर्याप्त परिवहन सुविधाएं भी नहीं मिल पा रही। उन्होंने कहा की गाँवो में हुई ज्यादा बरसात के कारण नष्ट हुई फसलों की विशेष गिरदावरी भी नहीं करवाई जा रही जिस से किसानो की आर्थिक कमर पूरी तरह टूट चुकी है।

हवस में अंधे मौसा ने की आठ माह की बच्ची की हत्या

जालंधर। पंजाब के आदमपुर में हवस में अंधे एक व्यक्ति ने शनिवार को अपनी साली की आठ माह की बेटी का कत्ल कर दिया।

आदमपुर सब डिवीजन के पुलिस उपाधीक्षक सरबजीत राय ने मंगलवार को बताया कि गांव पढियाना में शनिवार को एक जीजा ने साली से जबरदस्ती करने की कोशिश का विरोध करने पर उसकी आठ महीने की बच्ची का गला घोंट मौत के घाट उतार दिया। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए 24 घंटों के भीतर आरोपित रामानंद निवासी पढियाना आदमपुर को गिरफ्तार कर लिया है।

श्री राय ने बताया कि रविवार सुबह सूचना मिली थी कि शनिवार रात करीब 12 बजे गांव पढियाना में आठ महीने की बच्ची का कत्ल हुआ है। इसके बाद पीड़िता बच्ची की लाश लेकर कपूरथला चली गई। सूचना मिलते ही थाना आदमपुर प्रभारी इंस्पेक्टर राजीव कुमार व पुलिस बल पीड़िता सरिता देवी का बयान दर्ज करने के लिए कपूरथला पहुंचे। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका पति गोलू चौधरी काम के सिलसिले में चंडीगढ़ गया था। बीते वीरवार को वह अपनी विवाहित बहन से मिलने आदमपुर के गांव पढियाना आई थी। यहां पर शनिवार रात करीब 9 बजे वह अपनी बच्ची के साथ अलग कमरे सो गई और उसकी बहन पति के साथ अलग कमरे में सोए हुए थे। उसी रात करीब 10 बजे उसका जीजा रामानंद उसके कमरे में आकर जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर रामानंद गुस्से से बाहर चला गया। रात 12 बजे अचानक उसकी आंख खुली तो देखा उसकी बच्ची संगीता अपने जगह पर नहीं थी। बच्ची को खोजते वह बहन के कमरे में गई तो जीजा भी वहां पर नहीं था।

सरिता देवी ने बताया कि थोड़ी देर बाद रामानंद परेशान और डरा हुआ अंदर आया। सख्ती से पूछने पर पता चला कि उसने बच्ची की हत्या कर शव झाड़ियों में फेंक दिया है।

किसानों की जमीन लूटने की पूरे देश में हो रही साजिश : टिकैत

हिसार। किसान नेता राकेश टिकैत ने सरकार पर आरोप लगाया है कि किसानों की जबरदस्ती जमीन लूटने की पूरे देश में साजिश हो रही है।

किसान नेता राकेश टिकैत मंगलवार को राजौरी में शहीद हुए निशांत मलिक के हिसार जिला के हांसी स्थित आवास पर उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे थे। श्री टिकैत ने निशांत के परिवारजनों को निशांत के निधन पर उन्हें ढांढस बंधाया।

उन्होंने कहा कि निशांत ने देश के लिए अपनी जान को कुर्बान किया हैं हमें उस पर गर्व हैं। बाद में राकेश टिकैत ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरकार पर बड़ा हमला बोला और कहा कि सरकार बिजली को भी अपने पूंजिपति मित्रों के हाथों में बेचने पर तुली हुई हैं जिसे हम किसी भी कीमत पर सहन नहीं करेंगे। देशभर में किसानों की जमीन लूटने की साजिश चल रही है। उन्होंने कहा कि इसके लिए देशभर में बड़ा आंदोलन चलाया जाएगा। टिकैत ने आरोप लगाया कि किसानों की जमीन लूट कर बड़े-बड़े उद्योग लगाने का काम किया जा रहा है और इस तरह एकतरफा उद्योगपतियों को बढ़ावा दिया जा रहा है जबकि दूसरी तरफ किसानों को मजदूर बना दिया जा रहा है। उन्होंने कहा,वर्तमान में किसानों की हालत काफी खराब हो गई है। किसानों की फसलों की कीमत देने के लिए सरकार तैयार नहीं है परंतु किसानों की जमीन औने-पौने दाम पर रात के अंधेरे में भी खरीदी-बेची जा रही है।

उन्होंने ऐलान किया कि इस किसान विरोधी नीति के खिलाफ देशभर के किसान एक साथ समस्त देश भर में वैचारिक आंदोलन चलाएंगे जो किसान आंदोलन से भी बड़ा होगा। सरकार की मंशा को सफल नहीं होने देंगे इसके लिए चाहे हमें कुछ भी क्यों ना करना पड़े। हांसी क्षेत्र में बरसाती पानी के कारण किसानों की हजारों एकड़ खेत में खड़ी फसल नष्ट हो गई हैं मगर सरकार ने अभी तक पानी निकासी का कोई प्रबंध नहीं किया और न ही नष्ट हुई फसलों की गिरदावरी करवाई गई।

हिमाचल में 19 बांधों में जलस्तर बढ़ने से गेट खोले, अलर्ट जारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून की सक्रियता के चलते राज्य के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं जिसके चलते राज्य के अधिकतर बांधों से पानी गेट खोल दिए गए हैं।

राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने सुदेश मोक्टा ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया प्रदेश में छोटे-बड़े 21 बांध हैं तथा इनमें से 19 बांधों में जलस्तर बढ़ा हुआ है। ऐसे में इन बांधों के गेट खोलकर पानी छोड़ा गया है। जिसके चलते लोगों से नदी नालों से दूर रहने की सलाह दी गई है।

पंडोह बांध से सबसे ज्यादा 23335 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है, जबकि लारजी बांध से पांच क्यूसेक पानी की निकासी की गई है। भाखड़ा बांध से 19131 क्यूसेक, चमेरा-1 बांध से 11535 क्यूसेक, कड़छम से 13101 क्यूसेक, चमेरा-2 से 5902 क्यूसेक, चमेरा-3 से 6509 क्यूसेक, पौंग बांध से 6828 क्यूसेक, कौल बांध से 1800, नाथपा से 1068, बजोली होली से 1624, कुप्पा बेरज से 1094, बुधिल से 110, मलाणा-1 से 23, मलाणा-2 से 25, अलैन बैरेज से 32, नियोगल बैरेज से 1800, जाटोन बैरेज से 221 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। राज्य में वर्षा जनित हादसों में सोमवार को सात लोगों की जान गई है। इसके अलावा भूस्खलन से 100 सड़कें, 66 ट्रांसफार्मर और 14 पेयजल परियोजनाएं ठप रहीं। वहीं 10 घर और छह पशुशालाएँ भी बह हैं।

गत दिवस चम्बा जिला में 51, कुल्लू में 31, मंडी में आठ, सोलन में छह, लाहौल-स्पीति में तीन और कांगड़ा में एक सड़क बंद रही। कुल्लू में 35, मंडी में 30 और चम्बा में एक ट्रांसफार्मर बाधित रहे। चम्बा में 14 पेयजल परियोजनाएं पूरी तरह बंद हैं। मौसम विभाग ने आगामी 19 अगस्त तक प्रदेश में मौसम के खराब रहने की संभावना जताई है। इस दौरान भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया गया है।

शार्ट न्यूज

एनएचपीसी ने मनाया 76वां स्वतंत्रता दिवस

फरीदाबाद। भारत की अग्रणी जलविद्युत कंपनी एनएचपीसी लिमिटेड ने 15 अगस्त, 2022 को देशभक्ति के जोश और उत्साह के साथ भारत का 76वां स्वतंत्रता दिवस मनाया। समारोह की शुरुआत एनएचपीसी कार्यालय परिसर, फ़रीदाबाद में एनएचपीसी के सीएमडी, श्री ए.के. सिंह द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण व राष्ट्रगान से हुई। इस अवसर पर श्री वाई.के. चौबे, निदेशक (तकनीकी), श्री आर.पी. गोयल, निदेशक (वित्त), श्री बिश्वजीत बासु, निदेशक (परियोजनाएं), श्री ए.के. श्रीवास्तव, मुख्य सतर्कता अधिकारी के साथ एनएचपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित थे। इस अवसर पर, श्री ए.के. सिंह, सीएमडी, एनएचपीसी ने पूरे एनएचपीसी परिवार को बधाई देते हुए एनएचपीसी के सभी कार्मिकों की कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भारत के माननीय प्रधान मंत्री के संबोधन जिसमें माननीय प्रधान मंत्री ने भ्रष्टाचार की समस्या पर जोर दिया है, का उल्लेख करते हुए, सीएमडी, एनएचपीसी ने सभी कार्मिकों को अपने दैनिक कार्यकलापों में भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने का आह्वान किया। सीएमडी, एनएचपीसी ने स्वच्छ और हरित ऊर्जा उत्पन्न करने में जलविद्युत के महत्व और जलविद्युत से स्थानीय क्षेत्रों के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास, जिसकी शुरुआत जलविद्युत परियोजनाओं के निर्माण से होती है, के बारे में भी उल्लेख किया। इस अवसर पर श्री ए.के. सिंह, सीएमडी, एनएचपीसी ने पैरामेडिकल स्टाफ, सुरक्षा कार्मिक और हाउसकीपिंग स्टाफ के एनएचपीसी कर्मियों / संविदा कर्मचरियों को कार्यनिष्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रशंसा प्रमाण पत्र भी प्रदान किया।

पुलिस ने किया तिरंगा को सैल्यूट, देश सेवा की ली शपथ

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नॉंगल चौधरी। आजादी के 75वें अमृत महोत्सव के अन्तर्गत मनाए गए हर घर तिरंगा अभियान के तहत पुलिस का भी अहम भूमिका रही है। पुलिस थाना प्रभारी रामनाथ द्वारा हर शिक्षण संस्थान सरकारी स्कूल व सामाजिक संगठनों के सौजन्य से निकाली गईं तिरंगा जागरूकता रैली में पहुंचकर उन सभी तिरंगा जागरूकता रैलियों में शामिल होना व देश व राष्ट्रीय हित में लोगों को तिरंगा के मान सम्मान के प्रति जागरूक करना और साथ ही हर घर तिरंगा फहराने की अपील के साथ-साथ उन्होंने सभी सरकारी स्कूलों में छात्र-छात्राओं को प्रतिज्ञा दिलवाई। भारत के माननीय् प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार व राज्य सरकार जिला प्रशासन द्वारा दिए गए दिशानिर्देशानुसार पुलिस ने भी अपना दायित्व निभाया। 76वां स्वतंत्रता दिवस उपलक्ष्य पुलिस स्टेशन स्टॉफ़ द्वारा थाना भवन की छत पर तिरंगा फहराया गया। इस विशेष दिवस पर पुलिसकर्मियों द्वारा देश व समाज में शांति, सेवा, न्याय की प्रतिज्ञा ली साथ तिरंगे को सलामी दी। इस अवसर पर पीएसआई राजेश कुमार, एमएचसी विकास कुमार, एचएचजी बलवंत सिंह, अभय सिंह, प्रदीप कुमार, राजेन्द्र सिंह, शोरभ, नितेश कुमार सहित पुलिस स्टॉफ़ उपस्थित रहे।

सूर्या हाइट सोसाइटी चिपियाना बुजुर्ग ग्रेटर नोएडा में किया गया अमृत महोत्सव का आयोजन

गौतमबुद्धनगर। स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में 76 वें वर्षगांठ का अमृत महोत्सव आयोजन सूर्या हाइट सोसाइटी चिपियाना बुजुर्ग ग्रेटर नोएडा वेस्ट गौतम बुद्ध नगर में किया गया है जिसमें सोसाइटी के पदाधिकारी अध्यक्ष श्री देवदत्त चौधरी, वाइस प्रेसिडेंट शशिकांत, एवं कार्यकारिणी सदस्य शिडी मिश्रा, एच एन राय, सुधीर चौधरी, दिनेश त्यागी एवं मीडिया प्रभारी सतीश राय तथा सोसायटी के कुछ सम्मानित व्यक्तियों ने इस आयोजन को कराने में अपनी अहम भूमिका निभाया है आज हमारा देश 75 वा वर्षगांठ मना रहा है तथा इस कार्यक्रम के दौरान सोसाइटी के बच्चों ने देश के नाम रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए देश को नमन किए जय हिंद जय भारत।

तिरंगा ध्वजारोहण और वीर लोकाशाह सम्मान 2022 अलंकरण समारोह संपन्न

नई दिल्ली। श्री आल इंडिया श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन कांफ्रेंस ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा ध्वजारोहण और वीर लोकाशाह सम्मान- 2022 अलंकरण समारोह का आयोजन किया। गोल मार्केट स्थित जैन भवन में हुए इस समारोह में जैन कांफ्रेंस के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंदमल छल्लाणी जैन, राष्ट्रीय कार्यकारी महामंत्री राजीव जैन तथा समाजसेवी एवं उद्योगपति सुनील खेतपालिया जैन विशेष रूप से मौजूद रहे। समारोह में ध्वजारोहण के पश्चात विशिष्ट महानुभावों को वीर लोकाशाह सम्मान- 2022 से नवाजा गया। इस अवसर पर वक्ताओं का कहना था कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, अखंडता और भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। स्वाधीनता के 75वें वर्ष को घर-घर तिरंगा लहराएं। आजादी देशवासियों को बड़े ही लंबे संघर्ष के बाद मिली हैख् इसे बचाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। स्वतंत्रता सेनानियों ने प्राणों की आहुति देकर देश को आजाद कराया है। उनके सपनों के भारत का निर्माण करना अब हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।

देशभर में मुफ़्त शिक्षा के लिए युद्ध स्तर काम करना होगा : केजरीवाल

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को कहा कि देशभर में अच्छी और मुफ़्त शिक्षा व स्वास्थ्य सुविधाएं देने के कार्य में अब हमें युद्धस्तर पर काम करना चाहिए, तभी भारत दुनिया का नंबर वन देश बनेगा। केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में आज कहा कि मेरी जिंदगी का एक ही सपना है। मैं अपने जीते-जी भारत को दुनिया का नंबर वन देश देखना चाहता हूं। भारत को दुनिया का सबसे शक्तिशाली और सर्वश्रेष्ठ देश देखना चाहता हूं। हम सब लोग चाहते हैं कि भारत एक अमीर देशों में गिना जाए। भारत अमीर कैसे बनेगा? भारत अमीर तब बनेगा, जब हर भारतवासी अमीर बनेगा। ऐसा तो नहीं हो सकता है कि भारत अमीर देश बन गया और भारत के लोग गरीब रह गए। फिर तो भारत अमीर देश नहीं हो सकता है और ऐसा भी नहीं हो सकता है कि सारे भारतवासी अमीर हो जाएं और भारत गरीब देशों में गिना जाए। यह भी नहीं हो सकता है।

संयुक्त रोजगार आंदोलन समिति ने राष्ट्रीय रोजगार नीति को लागू करने को लेकर नंदनगरी से निकाली तिरंगा पदयात्रा

दिल्ली के कैबिनेट मंत्री एवं देश की बात फाउंडेशन के संस्थापक गोपाल राय ने इस तिरंगा पदयात्रा का नेतृत्व किया

प्रफुल्ल राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री एवं देश की बात फाउंडेशन के संस्थापक गोपाल राय ने राष्ट्रीय रोजगार नीति को लागू करने को लेकर आज संयुक्त रोजगार आंदोलन समिति द्वारा आयोजित तिरंगा पदयात्रा का नेतृत्व किया। यह तिरंगा पदयात्रा नंद नगरी से लेकर जंतर मंतर तक जानी थी लेकिन पुलिस द्वारा इसे गोकलपुरी के पास ही रोक दिया गया। श्री गोपाल राय ने कहा कि देश में पहली बार इस तरह की घटना सामने आई जहा तिरंगा यात्रा को पुलिस द्वारा रोका गया जबकि यह तिरंगा यात्रा रोजगार के मुद्दे को लेकर थी। इस तिरंगा पदयात्रा के दौरान देशभर से 200 से ज़्यादा संगठनो के 2000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर श्री गोपाल राय ने कहा कि रोजगार के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती है। तिरंगा पदयात्रा के दौरान दिल्ली के कैबिनेट मंत्री एवं देश की बात फाउंडेशन के संस्थापक गोपाल राय ने बताया की देशभर से लोग इस रोज़गार आंदोलन में केवल एक ही तमन्ना लेकर शामिल होने के लिए आए है की आज़ादी के 75 साल बाद भी अगर लोग बेरोज़गारी से जूझ रहे है, तो केंद्र में बैठी सरकार को राष्ट्रीय रोजगार नीति बनाने पर तुरंत ही विचार करने की ज़रूरत है। आज देश में बढ़ती बेरोज़गारी दर को देखते हुए देश के तमाम क्षेत्र के बुद्धिजीवीयों के साथ मिलकर हमने 'राष्ट्रीय रोजगार नीति' का ड्राफ्ट तैयार किया है। इस ड्राफ्ट को हम केंद्र सरकार के साथ साझा करना चाहते है ताकि इसे संसद में कानूनी रूप से पास किया जा सके। जिससे की जो काम पिछले 75 सालो में न हो सका वह कम से कम अब तो सभी सरकारें मिलकर कर सके। आज आलम यह है कि देश को आज़ादी मिले 75 साल हो गए लेकिन अबतक किसी भी सरकार ने राष्ट्रीय रोजगार नीति का मुद्दा ना तो उठाया है और ना ही इस नीति पर कोई चर्चा की है।

रोजगार आंदोलन की 10 प्रमुख माँग-

- केंद्र व राज्य सरकार के सभी खाली पदों की तय समय सीमा में भर्ती की जाए।
- देश के सभी बेरोजगारों को बेरोजगारी भत्ता दिया जाए।
- पूरे देश में आज की महंगाई के हिसाब से न्यूनतम मज़दूरी में बढ़ोत्तरी की जाए।
- देश से ठेकेदारी पर भर्ती व्यवस्था समाप्त करके उसके स्थान पर वैकल्पिक व्यवस्था लागू की जाए।
- पूरे देश में सामान काम के लिए सामान वेतन लागू किया जाए।
- ग्रामीण क्षेत्रो में लागू मनरेगा योजना की तरह शहरी क्षेत्रो में भी सरकारी रोजगार योजना लागू की जाए।
- कृषि उपज पर रूस्क्कगारंटी कानून बनाया जाए।
- पूरे देश में प्राकृतिक संसाधनों एवं कृषि उपजों के अनुरूप स्थानीय स्तर पर मिनी टेक्नोलॉजी द्वारा लघु उद्योग स्थापित किये जाए।
- पूरे देश में ब्लॉक स्तर पर मिनी मार्केट का निर्माण किया जाए।
- मिनी मार्केट को स्टेट, नेशनल व इंटरनेशनल मार्केट से जोड़ा जाए।

आचार्य लोकेशजी एवं आचार्य पुलक सागरजी के सान्निध्य में सर्वधर्म महा-सम्मेलन

हिन्दू, मुस्लिम, जैन, सिक्ख, बौद्ध धर्मगुरुओं ने एक मंच से किया सम्बोधन

आनंद राय/गौरवशाली भारत

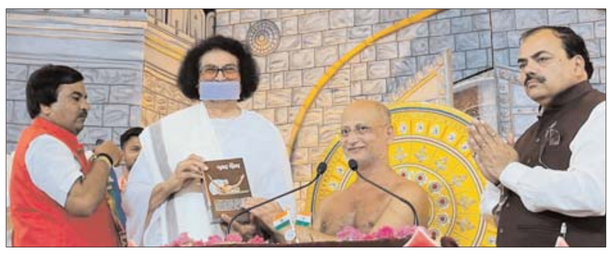

नई दिल्ली / औरंगाबाद। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष में औरंगाबाद में पहली बार श्री खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत पाशर्वनाथ मंदिर एवं भारत गौरव आचार्य श्री पुलक सागर जी वर्षा योग समिति 2022 द्वारा सर्वधर्म महा सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन में भारत गौरव आचार्य श्री पुलक सागर जी, विश्व शांतिदूत जैन आचार्य डॉ लोकेशजी, हिंदू धर्म से भारतीय सर्वधर्म संसद के संयोजक गोस्वामी सुशीलजी महाराज, मुस्लिम धर्म से चीफ़ इमाम उमेर अहमद इलियासी जी, सिख धर्म से बंगला साहब गुरुद्वारा का चेयरमेन श्री परमजीत सिंह चण्ढोकजी ने मुख्य रूप से संबोधित किया। औरंगाबाद में पहली बार आयोजित हो रहे सर्वधर्म महा सम्मेलन में सर्वधर्म संतों को सुनने के लिए हजारों लोग उमड़ पड़े। विश्व शांतिदूत जैन आचार्य डॉ लोकेशजी ने कहा कि देश में एकता, सौहार्द, समरसता, समन्वय के लिए इस प्रकार के सर्वधर्म सम्मेलन बहुत ज़रूरी है, देश में प्रेम, अमन, शांति और आपसी भाईचारा से ही आज़ादी का अमृत महोत्सव सफल होगा। उन्होने औरंगाबाद में आचार्य पुलक सागरजी द्वारा सर्वधर्म महा सम्मेलन के आयोजन के लिए उनकी सराहना करते हुए कहा कि इससे देश की अन्य प्रान्तों को भी प्रेरणा मिलेगी। आचार्य लोकेशजी ने कहा कि भगवान महावीर का अनेकांत दर्शन सभी को आपस में जोड़ने का काम करता है।
भारत गौरव आचार्य श्री पुलक सागर जी ने कहा कि देश को सबल बनाने के लिए सांप्रदायिक सद्भाव और सौहार्द बनाए रखने की जरूरत है। हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि प्रेम से प्रेम और घृणा से घृणा उत्पन्न होती है। हमारा पथ प्रेम और अहिसा का होना चाहिए। घृणा व हिसा सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है। संतों व महात्माओं और धर्म गुरुओं का भी यही संदेश रहा है कि किसी भी छोटे-बड़े का फर्क नहीं है। उन्होने भारतीय संस्कृति और जैन धर्म को विश्व व्यापी फैलाने के लिए आचार्य डॉ लोकेशजी की सराहना की।
हिंदू धर्म से भारतीय सर्वधर्म संसद के संयोजक गोस्वामी सुशीलजी महाराज ने कहा कि आज के इस युग में समाज में चल रही बुराइयों से बचने के लिए हमें हर जाति व धर्म के लोगों के साथ मिलकर रहना चाहिए, तभी देश तरक्की की ओर अग्रसर हो सकता है।
मुस्लिम संप्रदाय से चीफ़ इमाम उमेर अहमद इलियासी जी ने कहा कि किसी भी धार्मिक ग्रंथ में नफरत, हिंसा, घृणा का पाठ नहीं पढ़ाया जाता है, यह सभी मानव मस्तिष्क एवं संकीर्ण मानसिकता की उपज है जिसे हमे जड़ से उखाड़ना होगा एवं आपसी भाईचारे व प्रेम को प्राथमिकता देनी होगी, तभी आज़ादी का अमृत महोत्सव कार्यक्रम सफल हो सकेगा।
सिक्ख संप्रदाय से बंगला साहब गुरुद्वारा का चेयरमेन श्री परमजीत सिंह चण्ढोकजी ने कहा कि भारत देश में होने के नाते आज हमें धर्म की वास्तविकता को समझने की आवश्यकता है, धर्म हमें जोड़ना सिखाता है तोड़ना नहीं। जहां धर्म है वहाँ हिंसा व नफरत हो ही नहीं सकता। आज़ादी के 75वें वर्ष में हम सभी को आपसी एकता और सौहार्द की मजबूती के लिए कार्य करते रहना होगा
इस अवसर पर, खंडेलवाल दिगंबर जैन पंचायत पाशर्वनाथ मंदिर एवं भारत गौरव आचार्य श्री पुलक सागर जी वर्षा योग समिति की ओर से संस्थान के अध्यक्ष ने सभी सर्वधर्म संतों का सवागत किया गया तथा कहा की इस प्रकार के सम्मेलन देश हर कोने मे होने चाहिए इससे हमारे देश का माहौल बेहतर होगा, उसी से हमारा देश आगे बढ़ेगा।

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में तिरंगा ध्वजारोहण समारोह

ग़ाज़ियाबाद। प्राथमिक स्वस्थ्य केंद्र (यू पी एच सी) साधना एन्क्लेव, खोड़ा ग़ाज़ियाबाद ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत सोमवार को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर तिरंगा ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया।
जिसमे सभी कर्मचारीगण उपस्थित थे। विशेष रूप से डॉ सोम, राजीव कुमार, उमेश सिंह (पार्षद), वंदना राय, आकांक्षा राय, शशिकला श्रीवास्तव, रूपा, संजू (ए एन एम), रंजू, सुधा, (आशा) इत्यादि। मौजूद रहे। समारोह में ध्वजारोहण के पश्चात सभी ने मिठाई बाट कर खुशियां व्यक्त की।
इस अवसर पर वक्ताओं का कहना था कि राष्ट्रीय ध्वज देश की एकता, अखंडता और भारतीय संस्कृति का प्रतीक है। स्वाधीनता के 75वें वर्ष को घर-घर तिरंगा लहराएं। आजादी देशवासियों को बड़े ही लंबे संघर्ष के बाद मिली थी इसे बचाए रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। स्वतंत्रता सेनानियों ने प्राणों की आहुति देकर देश को आजाद कराया है। उनके सपनों के भारत का निर्माण करना अब हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है।

विदेशों पर आत्मनिर्भरता करनी होगी कम: प्रो. जेपी सैनी

76वें स्वतंत्रता दिवस पर डीटीयू में कुलपति ने फहराया तिरंगा

नई दिल्ली। 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीटीयू) के प्रांगण में कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर तिरंगे को सलामी दी। ध्वजारोहण के पश्चात कुलपति ने डीटीयू के बीआर अंबेडकर आडिटोरियम में उपस्थित शिक्षक एवं गैर शिक्षक स्टाफ तथा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज हमने आजादी के 75 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस दौरान देश ने बहुत कुछ पाया है, लेकिन अभी सामाजिक और आर्थिक आजादी बाकी है। हमें विज्ञान व तकनीक के सहारे विदेशों पर निर्भरता को कम करके देश की आत्मनिर्भरता को बढ़ाना है। कुलपति ने कहा कि अभी सामाजिक और आर्थिक स्तर पर बहुत कुछ करना बाकी है। देश में अभी भी छुआछूत, जात-पात और जाति-धर्म जैसी बुराइयां बाकी हैं। हमें इस भेदभाव को मिटाना होगा। हमें सामाजिक और आर्थिक आजादी तभी मिल सकती है जब हम सामाजिक उत्थान करेंगे। उन्होने कहा कि इसके लिए हमारे उच्च शिक्षण संस्थान इंजीनियर और वैज्ञानिक के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान कर सकते हैं। हाल ही में हुए राष्ट्रमंडल खेलों में भारतियों द्वारा पदक जीत कर स्वदेश लौटने के बाद उन भारतीय खिलाड़ियों को भी जातियों और क्षेत्रों में बांटने पर चिंता जाहीर करते हुए उन्होने कहा कि ये देश के लिए अच्छा नहीं है। प्रो. सैनी ने कहा कि शिक्षकों को भी ऐसा माहौल तैयार करना होगा कि हमारी अगली पीढ़ियां इस तरह की मानसिकता से बाहर आएं। हमें एक भारतीय बनना होगा तभी देश सही मायनों में सामाजिक और आर्थिक तरक्की कर सकता है। कुलपति ने कहा कि स्वतंत्रता को बनाए रखने की जिम्मेवारी केवल सैनिकों की ही नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का ये कर्तव्य है कि वह इस कार्य में अपना पूर्ण योगदान दे। उन्होने आर्थिक आधार की चर्चा करते हुए कहा कि आज भी हम कई उत्पादों के लिए पूर्ण रूप से चीन जैसे देशों पर निर्भर हैं। हमें भारत सरकार के मेक इन इंडिया के नारे को पूरी तरह से आगे बढ़ाने के लिए हमारे तकनीकी संस्थानों में तैयार हो रही आज की युवा पीढ़ी को आगे बढ़कर काम करना पड़ेगा। इसके लिए उन्होने डीटीयू की सराहना करते हुए कहा कि यह देश और प्रदेश का अच्छा संस्थान है जहां से निकले हुए विद्यार्थी दुनिया में भारत का परचम लहरा रहे हैं। हमें डीटीयू के माध्यम से उस दिशा काम करना है कि कैसे प्रौद्योगिकी के द्वारा स्टार्टअप, इनोवेशन व इंक्यूबेशन आदि के माध्यम से मेक इन इंडिया प्रोग्राम को आगे बढ़ा सकते हैं। केवल बॉर्डर पर सेवा करने से ही आजादी सुरक्षित नहीं होगी, बल्कि इसके लिए हमें आर्थिक रूप से भी संपन्न होना पड़ेगा।

गवर्नमेंट ब्वॉय स्कूल में ज्योति मंगला ने फहराया तिरंगा

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

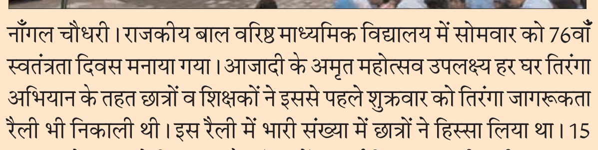

नाँगल चौधरी। राजकीय बाल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को 76वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। आजादी के अमृत महोत्सव उपलक्ष्य हर घर तिरंगा अभियान के तहत छात्रों व शिक्षकों ने इससे पहले शुक्रवार को तिरंगा जागरूकता रैली भी निकाली थी। इस रैली में भारी संख्या में छात्रों ने हिस्सा लिया था। 15 अगस्त सोमवार को विद्यालय के प्रांगण में प्राचार्य विकास जयदीप की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वरूप पहुंची उच्च शिक्षित बालिका ज्योति मंगला और विशिष्ट अतिथि स्वरूप एसएमसी प्रधान देशराज सैनी और बबली मंगला स्वतंत्रता समारोह में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में प्राचार्य विकास जयदीप द्वारा निर्देशानुसार बालिका ज्योति मंगला ने ध्वजारोहण किया साथ ही उन्होंने प्रधानाचार्य का आभार जताते बच्चों को संबोधित किया। स्वतंत्रता दिवस उपलक्ष्य विद्यालय में आयोजित इस समारोह में महान स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करते हुए बच्चों व शिक्षकों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। इस दौरान कई विद्यार्थियों को भी पारितोषिक प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एसएमसी प्रधान देशराज सैनी समेत बबली मंगला, एनसीसी ऑफिसर बृजेश कुमार, गणित प्रवक्ता प्रेम सिंह, अर्थशास्त्र प्रवक्ता बस्तीराम, राजनीतिक विज्ञान प्रवक्ता जसवंत, हिंदी प्रवक्ता महिपाल, इतिहास प्रवक्ता राजेश कुमार शर्मा, रसायन विज्ञान प्रवक्ता सुशील कुमार सैनी, ईएसएचएम सरिता देवी, गणित प्रवक्ता मिंटू देवी, केमिस्ट्री प्रवक्ता अनीता खींची, विज्ञान अध्यापक देवेंद्र, अंग्रेजी प्रवक्ता राकेश कुमार, करण सिंह. कॉमर्स प्रवक्ता. सुरेंद्र गुप्ता, सामाजिक विज्ञान अध्यापक शिव हरि ओम, पीटीआई पंकज राठी, प्राइमरी मास्टर त्रिभुवन, जेबीटी नरेश, बेगराज, रामकिशन, भूपेंद्र, संदीप, लिपिक पदम, राजेन्द्र, अनुप आदि स्कूल स्टॉफ़ उपस्थित रहे।

दो महिलाओं की हत्या

नयी दिल्ली। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सुभाष पार्क इलाके में दो महिलाओं को घर पर मृत पाया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतका की पहचान विमला देवी (70) और उनकी बहू डोली राय (45) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि घटना को अंजाम उस वक्त दिया गया, जब मृतका राय के दोनों पुत्र दो-तीन दिन के लिए ऋषिकेश और मसूरी घूमने गए हुए थे।

विद्यालय के प्रांगण में फहराया तिरंगा

कई कन्याओं की प्रतिभा को मिला सम्मान

कपिल शर्मा/गौरवशाली भारत

नाँगल चौधरी। राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को 76वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। आजादी के अमृत महोत्सव उपलक्ष्य हर घर तिरंगा अभियान के तहत छात्राओं ने इससे पहले बुधवार को तिरंगा जागरूकता रैली भी निकाली थी। इस रैली में करीब 340 छात्राओं ने हिस्सा लिया था। 15 अगस्त सोमवार को विद्यालय के प्रांगण में प्राचार्य विक्रम सिंह रोहिल्ला की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि स्वरूप पहुंची नगरपालिका चेयरपर्सन प्रिया सैनी और उनके प्रतिनिधि रमेश चंद सैनी व विशिष्ट अतिथि स्वरूप मीडियाकर्मी उपस्थित हुए। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के इस विशेष अवसर पर प्रधानाचार्य के सुपौत्र सहित उनकी पुत्रवधू एवं भतीजी भी स्वतंत्रता दिवस समारोह में शामिल हुए।

आजादी के 75 वर्ष पूर्ण होने पर अमृत महोत्सव के अन्तर्गत मनाए गए 76वें स्वतंत्रता दिवस पर विद्यालय में प्रधानाचार्य समेत मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में विद्यालय की पूर्व विद्यार्थी एवं उच्च शिक्षित बालिका लक्ष्मी चौहान द्वारा विद्यालय के प्रांगण में राष्ट्रीय गीत सहित राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

इस कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ-साथ नृत्य संगीत गायन कला एवं भाषण प्रस्तुत किया गया। इसमें हरियाणा बोर्ड की मेधावी छात्राओं को भी सम्मानित किया गया। जिसमें दसवीं की छात्रा सुधा प्रथम स्थान पर रही और वहीं द्वितीय श्रेणी में छात्रा भूमिका रही। कक्षा बारहवीं संकाय विज्ञान की छात्रा दिव्या राजपूत प्रथम स्थान पर रही और वहीं द्वितीय स्थान हासिल करने वाली छात्रा करिश्मा रही, संकाय कला की छात्रा कुमारी नीरज पहले स्थान पर तो वहीं छात्रा नचिता और सपना दूसरा स्थान हासिल किया। कक्षा बारहवीं संकाय वाणिज्य की छात्रा मनीषा प्रथम स्थान हासिल किया। इसमें दस छात्राओं को गत वर्ष गीता जयंती, कानूनी साक्षरता व विभिन्न विषयों पर आधारित प्रतियोगिता के तहत जिला स्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रतिभाओं सहित कुल अठारह छात्राओं को पारितोषिक प्रदान किया गया। साथ ही इस कार्यक्रम में मीडियाकर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

विद्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस उपलक्ष्य इस कार्यक्रम में नगरपालिका चेयरपर्सन प्रिया सैनी द्वारा छात्राओं की सराहनीय प्रस्तुति के लिए ग्यारह सौ रुपये राशि पारितोषिक स्वरूप दिया गया साथ ही पूजा मेडिकल द्वारा भी इक्कीस सौ रुपये राशि पारितोषिक स्वरूप कन्याओं की कला प्रस्तुति हेतु प्रदान किया गया। 76वें स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में कई कक्षाओं की कन्याओं ने देशभक्ति संगीत - गायन कला हुनर का प्रदर्शन करते हुए मुख्य अतिथियों सहित विशिष्ट अतिथियों को प्रभावित किया। इसमें छात्रा रागिनी, राखी समेत अन्य बालिकाओं ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के अवसर पर पीजीटी फाइन आर्ट राजकुमार, प्राध्यापक राधेश्याम, यशपाल सिंह, डीपीई रमेश सोनी, अशोक कुमार, ईएसएचएम सुरेंद्र सिंह, प्राध्यापक मुख्तियार सिंह, करतार सिंह, देवेन्द्र वर्मा, कृष्ण कुमार, रविन्द्र चौधरी, गणित अध्यापक सूरेश कुमार, प्रीतम, लिपिक जसवंत, पीजीटी इंग्लिश शारदा यादव, पीजीटी इंग्लिश अनूप, पीजीटी हिन्दी निवेदिता, अध्यापिका सरिता यादव, सुनिता, शीला यादव, सुषमा, शालिनी प्रधान, दया शर्मा, मनीषा, दिव्या, पीसीए गरिमा चौधरी, योगिता, मोनिका, मंजू, एनएसएस इंचार्ज सीमा यादव सहित सर्व विद्यालय स्टॉफ़ उपस्थित रहे।

रमेश बिधूड़ी ने प्रेस वार्ता कर केजरीवाल के हिन्दू विरोधी चरित्र को किया उजागर

विवेक राय/गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। सांसद श्री रमेश बिधूड़ी ने प्रेस वार्ता कर दिल्ली के मुख्य मंत्री केजरीवाल के हिन्दू विरोधी चरित्र को तथ्यों के आधार पर दशार्ते हुए कहा कि मुख्यमंत्री केजरीवाल जी का देशभक्ति का असली चरित्र क्या है? पूरे देश में सभी लोगों ने घर-घर तिरंगा लगाया है लेकिन उन्होंने अपने सोशियल मीडिया अकाउंट्स पर राष्ट्रीय ध्वज को लगाने से परहेज किया, और करोड़ो रूपये बरबाद करके देश बनाना है, देश मजबूत करना है, की नोटंकी की, यह वह व्यक्ति हैं जिन्होंने कहा था अपने जीवन में कभी चुनाव नहीं लड़ूँगा और अन्ना हजारे जी का प्रयोग करके चुनाव तो लड़े परन्तु मेरा कद और कैंसे बढ़ेगा उसे बढ़ाने के लिए वह बनारस तक जा पहुँचे, लेकिन बनारस में उनकी दुगर्ति होने के बाद वह वापस लौटे तो कहा कि मुझसे गलती हो गई, मुझे दिल्ली छोड़कर नहीं जाना चाहिए था, मैं भविष्य में ऐसी गलती फिर नहीं करूँगा, दिल्ली छोड़कर नहीं जाऊगां, इनका चरित्र वहीं से यह दशार्ता है कि यह सत्ता की भूख के लिए किसी भी स्तर तक जा सकते हैं। इनका आगे चरित्र देखिए यह कहते है कि अगर नेहरू जी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया की जगह राम मन्दिर तो देश का विकास कैंसे होता, यहाँ यह मन्दिर विरोधी बने। उसके बाद बसें भर-भर कर लोगों को रेवड़िया बांटी गई कि मैं आपको फ्री में भगवान राम के दशर्न करवाऊंगा और दिल्ली में भी भगवान राम का मन्दिर इन्होंने दिवाली पर बनवाया था। बिधूड़ी ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में राम मन्दिर भी बना और देश के अन्दर 7 एम्स थे और पिछले 8 साल में 15 एम्स बने, देश में 9 कि0मी0 सड़के बना करती थी, अब 39 कि0मी0 सड़कें बन रही हैं, देश में कोविड जैसी महामारी में 200 करोड़ लोगों को मुफ्त वैक्सीन लगवाई गई। बिधूड़ी ने बताया कि उनके द्वारा एक टिवीट जारी किया गया जिसमें स्वास्तिक चिन्ह् के पीछे झाड़ू लेकर भागने का चित्र दशार्या गया है, जो कि एक प्रकार से हिन्दू समाज का अपमान किया गया है, यह सिफर् बहुसंख्यक समाज का वोट प्राप्त करने के लिए था व सत्ता में बने रहने के लिए था। स्वास्तिक चिन्ह हिन्दूओं की आस्था का प्रतीक है हम कोई भी घर, गाड़ी, आदि वस्तुएँ खरीदते हैं तो पूजा-पाठ करते हैं और स्वास्तिक बनाया जाता है, जो कि चार वेदों से बना है। बिधूड़ी ने आगे बताया कि इसी प्रकार उनके द्वारा हनुमान जी का मजाक उड़ाया गया, जे.एन.यू. मामले के वक्त हनुमान जी की पूँछ में आग लगाने का कार्टून बनाया गया उसे अपने टिवीट पर डाला गया और हनुमान जी को उपद्रवी-दंगाई घोषित किया गया।

संपादकीय

सिर्फ तिरंगा फहराना काफी नहीं, अंग्रेजी भाषा और संस्कृति की गुलामी भी छोड़नी होगी

असली तिरंगा-पूजा तो तब होगी जबकि हम इस रंग-बिरंगे भारत को सारी दुनिया के सामने फहराकर कह सकें कि भारत जैसा देश दुनिया में कोई और नहीं? भारत के बारे में यह सोच कोई हवाई सपना भर नहीं है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है।

आजादी के 75वें साल को मनाने के लिए हर घर में तिरंगा फहर रहा है, यह तो बहुत अच्छी बात है। भारत सरकार का यह अभियान इसलिए भी सफल हो गया है कि इसे सभी दलों का समर्थन मिल गया है। यहां तक की कांग्रेस का भी! हालांकि कांग्रेस पार्टी के तिरंगे और भारत के तिरंगे में बड़ा बारीक फर्क है, जिसे लोग प्राय: अनदेखा ही कर देते हैं। कांग्रेस के तिरंगे के बीच में चरखा है और राष्ट्रीय तिरंगे के बीच में चक्र है। अशोक का धर्म-चक्र ! अब तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी तिरंगा फहरा रहा है। इस तिरंगे का सूत्रपात सबसे पहले मदाम भीकायजी कामा और वीर सावरकर ने किया था। लेकिन असली सवाल यह है कि आजादी का जश्न सिर्फ तिरंगा फहराने से पूरा हो जाएगा क्या ? यह तो वैसा ही हुआ, जैसा कि हमारे मंदिरों में होता है। देवताओं की मूर्ति पर भक्त लोग माला चढ़ाते हैं, भजन गाते हैं और फिर रोजमर्रा की जिंदगी जस की तस गुजारने लगते हैं। जो नेता झूठे वादों पर जिंदा हैं, जो अफसर रिश्वतजीवी हैं और जो व्यापारी मिलावटखोर हैं, उनके आचरण में जरा भी परिवर्तन नहीं आता है। जिसे विद्वान लोग मूर्तिपूजा या प्रतीक पूजा या जड़-पूजा कहते हैं, मुझे डर है कि वही हाल इस तिरंगा-पूजा का भी हो रहा है।

असली तिरंगा-पूजा तो तब होगी जबकि हम इस रंग-बिरंगे भारत को सारी दुनिया के सामने फहराकर कह सकें कि भारत जैसा देश दुनिया में कोई और नहीं ? भारत के बारे में यह सोच कोई हवाई सपना भर नहीं है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। भारत के साथ-साथ और बाद में भी दर्जनों देश आजाद हुए लेकिन लोकतंत्र कहां-कहां कायम रहा ? भारत का जो मूल संविधान बना था, वह आज भी चल रहा है। लेकिन हमारे लगभग सभी पड़ौसी देशों के संविधान एक बार नहीं, कई बार बदल चुके हैं। आजादी के बाद भारत को कई देशों के सामने झोली फैलानी पड़ती थी लेकिन वैसा करना तो अब दूर रहा लेकिन ज़रा नजर डालें तो मालूम पड़ेगा कि आज भारत कई अन्य देशों की झोलियां भर रहा है।

भारत के नागरिक इस समय दुनिया भर के लगभग दर्जन भर देशों में उनके शीर्षस्थ पदों पर विराजमान हैं। ये लोग जिस देश में भी जाकर बसे हैं, उस देश के सबसे समृद्ध सुशिक्षित और संस्कारित वर्ग के लोगों के रूप में जाने जाते हैं। भारत का यह मयूर-नृत्य है। मोरपंखों की सुंदरता अत्यंत मनमोहक है लेकिन उसके पांवों का हाल क्या है ? आज भी करोड़ों लोग गरीबी-रेखा के आस-पास अपनी जिंदगी ढो रहे हैं। देश के करोड़ों लोगों को आज भी शिक्षा और चिकित्सा की समुचित सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। आज आजादी के 75 वर्ष तो हम मना रहे हैं लेकिन अंग्रेजी भाषा और संस्कृति की गुलामी ज्यों की त्यों जारी है। उससे मुक्त होने के लिए सिर्फ तिरंगा फहराना काफी नहीं है।

पर्यावरण के प्रति सजगता और अर्थ तंत्र को मजबूत करने की कवायत

वर्तमान में वृहद चिंतन की आवश्यकता है कि पर्यावरण संतुलन से आर्थिक, सामाजिक विकास की अवधारणा है कैसे जन्म लेंगी ? उसमें गहन चिंतन विभिन्न मानव प्रजातियों के आर्थिक तथा पर्यावरण संतुलन को लेकर भी हैद्य इस विषय पर एक खुली बहस की आवश्यकता है। खुली बहस इसलिए भी कि मनुष्य के जीवन के लिए जितना आवश्यक पर्यावरण संतुलन है उतना ही आवश्यक उसका आर्थिक विकास भी हैद्य अब ग्लोबल वार्मिंग के बढ़ते खतरे को देखकर पर्यावरण संतुलन को आर्थिक विकास के साथ जोड़ा जाना अत्यंत महत्वपूर्ण एवं मानवीय जीवन की सुरक्षा के लिए आवश्यक हैद्य बढ़ते असमान आर्थिक विकास तथा उपभोक्तावादी प्रकृति ने जहां सामाजिक विभेद की दरार को चौड़ा कर दिया है वही विश्व स्तर पर विस्तारवाद तथा उपनिवेशवाद को बढ़ावा भी मिला है। राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भेदभाव के इस बड़े स्तर को आर्थिक विकास तथा पर्यावरण संतुलन को प्राथमिकता देना नदी के दो अलग किनारों को जोड़ने जैसा ही हैद्य विकास की दौड़ में जहां मनुष्य जीवन के इस व्यस्तता में थककर वापस प्रकृति की ओर उन्मुख होना चाहता है। शहरी मनुष्य प्रकृति की शीतलता, हरियाली और खुली स्वच्छंद हवा में सांस लेने के लिए उत्सुक है और कल्पना करता है कि गांव में जीवन कितना सुमधुर और स्वच्छंद आनंदमई है, इसकी दूसरी तरफ ग्रामीण जंगली इलाकों के रहने वाले लोग कल्पना करते हैं कि शहर में कितनी सुविधाएं हैं जो जीवन जीने को एकदम सरल एवं आसान बनाती है। यह द्विपक्षीय लालसा शहर में रहने वाले और ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों के बीच बराबर की है, हमें इनके आपसी संतुलन को बनाए रखना और आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी बढ़ते सोपान के साथ बढ़ावा देना हैद्य यूरोपीय देशों में कई देशों ने इसके उदाहरण प्रस्तुत किये हैं, जहां आर्थिक विकास के साथ पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। इसके लिए हमें उपभोक्तावादी संस्कृति को नियंत्रित कर नागरिकों को पर्यावरण के संतुलन के प्रति जागरूक करना होगा। टेक्नोलॉजी के स्तर पर पर्यावरण अनुकूल साधनों का ऊर्जा स्त्रोत ग्रीन तकनीक, हरित भवन, कार्बन न्यूट्रल वाहनों की तरफ उनके नियंत्रण पर हमें ध्यान देने की आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी तरफ आदिवासियों पर ग्रामीण क्षेत्र के निवासियों को आधुनिक विज्ञान से देसी ज्ञान के साथ शिक्षित भी करने की आवश्यकता होगी। पर्यावरण किसी भी परियोजना को स्थापित करने के पूर्व पर्यावरण आकलन करने की आवश्यकता है ही इसके साथ ही समाज में पड़ने वाले प्रभाव को देखने के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन को भी मूर्त रूप देना होगाद्य इस संतुलन को बनाने हेतु भविष्य की नीति बनाने की आवश्यकता होगी साथ ही हमको यह भी समझना होगा कि पर्वतों को मिटाने से नदियों को बांधने व जंगलों को काटने से विकास संभव नहीं है। पर्यावरण संतुलन और विकास को केवल आर्थिक विकास की श्रेणी में न रखकर समग्र रूप से सामाजिक, पर्यावरणीय संस्कृति के नैतिक रूप से समझने की आवश्यकता होगीद्य इस पर्यावरण तथा आर्थिक संतुलन को बनाए रखने के लिए हमें सर्वहारा वर्ग के हर व्यक्ति के लिए जीत सुनिश्चित करनी होगी जिसमें किसी को नुकसान ना हो एवं आम व्यक्ति पीछे ना रह जाए। यह अवधारणा यदि किसी भी समाज देश में व्याप्त होगी तभी आर्थिक विकास का पर्यावरण के साथ संतुलन स्थापित हो सकता है। इस संदर्भ में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी कहा है प्रकृति हमारी जरूरतों को पूरा करने के लिए है व्यक्ति की लालच को पूरा करने के लिए नहीं निर्दोष, निर्मल प्रकृति के दोहन के साथ ही मनुष्य के समाज ने अत्यधिक शोषण किया है। प्रकृति के विनाश के साथ आर्थिक विकास लंबे समय तक नहीं चल सकता है।

जातिवाद का मटका कब फूटकर बिखरेगा ?

इस देश में दो मराठी महापुरुष आये। दोनों ने देश पर इतना उपकार किया कि ये देश उनका उपकार नहीं भुला सकता। एक ने धर्म कि रक्षा कि छत्रपति शिवाजी महाराज और उनका धर्म था इन्सानियत। दूसरे ने देश को रास्ता बताया भारतीय संविधान लिखकर। हम इन दोनों से कब सीखेंगे ? 75 साल पहले हमें अंग्रेजी हुकूमत से आजादी तो मिली लेकिन 75 साल बाद भी जातिवाद से नहीं मिली आजादी। जब तक भारतीय समाज और राज्य को संचालित करने वाले केंद्रों-संस्थाओं पर से वर्ण-जाति की विचारधारा के लोगों का कब्जा खत्म नहीं होता है, तब इंद्र मेघवाल अपमानित होते रहेंगे और मारे जाते रहेंगे, बस वजहें अलग-अलग होंगी।

प्रियंका 'सौरभ'

भारतीय लोकतंत्र का मूल्य संविधान में निहित है और संविधान छुआछूत तथा अस्पृश्यता का निषेध करता है। फिर स्कूल के घड़े में रखा पानी पीने पर दलित बच्चों की क्रूरता से पिटाई क्यों ? मासूम बच्चे को अभी पता भी नहीं था कि जाति क्या है और वह जातिगत छुआछूत प्रताड़ना का शिकार हो गया। आखिर हम और समाज मटके से कब आजाद होंगे ? राजस्थान में तीसरी कक्षा के विद्यार्थी नौ वर्षीय इंद्र मेघवाल की हत्या हमारे उन सब गर्वों पर कलंक है जिनका बखान हम धर्म, संस्कृति और आध्यात्मिकता के नाम पर करते हैं। ऊँच- नीच को भगवान की देन बता-बता कर, सामाजिक नियंत्रण और डर फैलाना एक प्राचीनतम मनोवैज्ञानिक-सामाजिक हथियार है। भारत की गुलामी के इतिहास में झांके तो हम पाएंगे कि धर्म का समर्थन प्राप्त जातिवादी मानसिकता भारत की गुलामी और हार का सबसे बड़ा कारण है। अगर किसी भी समाज को गुलाम बनाने की सामुदायिक-सांस्कृतिक लत है तो स्वतंत्रता का ढोंग क्यों हो ? सरस्वती मंदिर में अस्पृश्यता की बीमार परम्परा के प्रहार से घायल इंद्र मेघवाल की मौत क्या दिखाती है ?

ऐसे संवेनदशील मामलों में सिर्फ शिक्षक के विरुद्ध कार्यवाही पर्याप्त नहीं है इसके लिए शिक्षण संस्थान भी जिम्मेदार बनते है जो ऐसे जातिवादी इलाकों में स्कूल में मटका रखने की अनुमति देते हैं इसलिए ऐसे शिक्षण संस्थाओं को इनका तोड़ ढूंढना होगा। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 17 के तहत अस्पृश्यता का अंत किया गया है और इसका किसी भी रूप में पालन करना अपराध घोषित किया गया है। इसलिए राज्य सरकार की जिम्मेदारी है कि उसके क्षेत्र में किसी प्रकार का छुआछूत प्रैक्टिस में ना रहे। इस देश में दो मराठी महापुरुष आये। दोनों ने देश पर इतना उपकार किया कि ये देश उनका उपकार नहीं भुला सकता। एक ने धर्म की रक्षा की छत्रपति शिवाजी महाराज और उनका धर्म था इन्सानियत। दूसरे ने देश को रास्ता बताया भारतीय संविधान लिखकर। हम इन दोनों से कब सीखेंगे ? 75 साल पहले हमें अंग्रेजी हुकूमत से आजादी तो मिली लेकिन 75 साल बाद भी जातिवाद से नहीं।

पहले अस्पृश्पृयता बहुत ज्यादा थी, जो आज के दौर मे कही -कहीं दिखाई देती है। ऊंच-नीच, छुआछुत के कारण पहले ऊँची जाति के लोग (खासकर ब्राह्मण,बनिये) नीची जाति के लोगों के पास से निकलते हुये निश्चित दूरी बनाकर निकलते थे और किसी चीज के लेन-देन के वक़्त हाथों मे एक निश्चित फासला रखते थे। मगर ऐसी बातें सुनकर हँसी तब आती है जब कोई नीची जाति का आदमी बनिये की दुकान से कुछ खरीदने जाता तो बनिया उसके हाथ से पैसे लेते वक़्त कोई फासला नहीं रखता लेकिन उसके बदले समान देते वक़्त फासला बना लेता। तो फिर अछूत कौन हुआ ? सोचिये। अब वक़्त ने करवट बदली है, बिजली पानी मे कुछ सरकारी दखलंदाज़ी होने से अब पानी खींचना नहीं पड़ता। गाँव में नीची जाति के लोग आज बे- धडक अंदर आ जाते हैं और पास रखी कुर्सी या स्टूल पे धडल्ले से बैठ जाते हैं। हाथ मिलाना, साथ चलना तो आम हो गया। कुए की जगह अब पानी की टंकियाँ बनी है जिसमे नल लगे हैं मगर अब उन नलों का जाति के हिसाब से बंटवारा नहीं किया गया। ये सामाजिक बदलाव की पहल वक़्त ने की है, न की किसी जाति विशेष ने।

देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, वहीं दूसरी तरफ पानी के मटके को छूने पर मासूम को इतना पीटा गया कि जान ही चली गयी। 15 अगस्त 1947 को भारत को ब्रिटिश शासन से स्वतंत्रता मिली थी। ब्रिटिश साम्राज्यवाद के विपरीत, लोग सभी प्रकार के भेदभाव से मुक्त सम्मानजनक जीवन जीने की आशा रखते थे। हालाँकि अब उत्पीड़कों ने केवल अपना रूप बदल लिया है। कौन नहीं जानता कि आज भी स्कूलों में मिड डे मील को दलित बच्चे छू लेते हैं तो लोग कहते हैं हमारे बच्चों को दीन हीन कर दिया। हम आये दिन कहीं न कहीं ये पढ़ते है कि मिड-डे मील के बचे हुए खाने को स्कूल के पड़ोस में रहने वालों ने सिर्फ इसलिए नहीं लिया क्योंकि खाना देने दलित बच्चे गये थे। प्रगतिशील राज्यों में से एक होने और सामाजिक न्याय का दावा करने वाले तमिलनाडु अस्पृश्यता उन्मूलन मोर्चा के सर्वे में खुलासा हुआ है कि 386 पंचायतों में से 22 में दलित ग्राम प्रधानों को बैठने तक के लिए कुर्सी नसीब नहीं होती। ऐसे में बिना भेदभाव खत्म हुए किसी भी आजादी का कोई मतलब नहीं है।

इंद्र कि मौत के इस जघन्य कृत्य के लिए हम सब शर्मिंदा है। 75 साल हो गए पर देश के कुछ ऐसे नीच बुद्धि वाले लोग है जो अपने आप को भगवान समझते हैं और देश के आज़ाद होने के बाद भी ऐसी नीच मानसिकता रखते हैं। जब तक ऐसे लोग रहेंगे देश कभी आज़ाद नही रहेगा। मासूम बच्चे ने सोचा कि जब आजादी के अमृत महोत्सव का ढोल पूरे देश में जोर शोर से पीटा जा रहा है तो शायद मैं भी आजाद हूँ। उसे क्या पता था की ये आजादी उसके लिए नही। वह अबोध बालक हजारों प्रश्न देश के सामने छोडकर आज चला गया। समाज और देश के असली दुश्मन तो इस तरह की मानसिकता वाले लोग हैं जो एक शिक्षक जैसे आदर्श व्यक्तित्व के रूप में स्कूल का संचालन कर रहे हैं। ऐसे में सरकार को निजी स्कूलों के लिए भी कुछ चारित्रिक मापदंड अनिवार्य करना चाहिए।

जब तक भारतीय समाज और राज्य को संचालित करने वाले केंद्रों-संस्थाओं पर से वर्ण-जाति की विचारधारा के लोगों का कब्जा खत्म नहीं होता है, तब इंद्र मेघवाल अपमानित होते रहेंगे और मारे जाते रहेंगे, बस वजहें अलग-अलग होंगी।

वर्ण-जाति व्यवस्था के खिलाफ संघर्ष करने वाली बहुजन वैचारिकी और बहुजन नायकों को भारतीय समाज के केंद्र में स्थापित किए बिना डॉ. आंबेडकर से लेकर इंद्र मेघवाल तक को पानी का घड़ा छूने के लिए दंडित करने की परंपरा को खत्म नहीं किया जा सकता है। यह प्रतिकार सिर्फ इंद्र मेघवाल की हत्या तक सीमित नहीं होना चाहिए। हजारों सालों की ऊंच-नीच की भेदभाव भरी व्यवस्था के खिलाफ होना चाहिए।

क्या नीतीश कुमार स्वयं को प्रधानमंत्री पद पर देखना चाह रहे हैं ?

डॉ.विक्रम चौरसिया

हमने फिर से देखा की इस बार फिर से बिहार की सियासत में अचानक से भूचाल आ गया! सत्ता के तो पूरा का पूरा समीकरण ही बदल गया। बिहार का मुख्यमंत्री जी तो वही है हमारे नीतीश कुमार जी ही लेकिन एनडीए के नहीं , अब वे राजद और कांग्रेस के महागठबंधन का हिस्सा हैं। ऐसे ही भूचाल हमे अभी हाल ही में महाराष्ट्र में भी देखने को मिला था ,अब खैर यह किस्सा भी कोई नया नहीं है, देखे तो वही सावन का महीना, वही मुख्यमंत्री और वही सियासी हालात। बात है 2017 की, जब नीतीश कुमार महागठबंधन का हिस्सा थे और वह मुख्यमंत्री थे। तेजस्वी उपमुख्यमंत्री थे तब तेजस्वी पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप से नीतीश कुमार ने इस्तीफा दे दिए थे, जिससे मंत्रिमंडल स्वत: भंग हो गया था, 2 साल के भीतर ही महागठबंधन की सरकार गिर गई थी। बाद में उन्होंने भाजपा का समर्थन लिया और इनकी सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया, वही इस बार फिर से बिहार में उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेते ही राजद के चुनावी वादे को पूरा करने की कोशिश में तेजस्वी यादव जुट गए हैं, उन्होंने शपथ लेते ही बेरोजगार युवाओं के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए कहे कि अगले एक महीने के अंदर प्रदेश में बंपर सरकारी नौकरियां निकलेंगी,यह तो वक्त के कोंख में है की कितना सच्चाई है या युवाओं के साथ हमेशा की तरह छल कपट ही होगा जैसे प्रधानमंत्री जी बोले थे की दो करोड़ नौकरियां हर वर्ष दिया जायेगा ,खैर ये समय बताएगा ,पर फिर से इस समय राज्य में एक बार 2022 में भी वैसे ही हालात हो गया , हालांकि इस बार जदयू को भाजपा द्वारा नुकसान पहुंचाए जाने का मुद्दा सामने आया है, जिसके कारण ही बीजेपी ने रोष प्रदर्शन भी किया ,अब आठवीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश और दूसरी बार उप मुख्यमंत्री बने तेजस्वी को इस बार ज्यादा चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि राजद के साथ कानून एवं व्यवस्था को लेकर कैसे सवाल उठते रहे हैं ? इससे उनसे व बिहार के जनता से बेहतर कोई और अवगत नहीं हो सकता।

नीतीश सरकार ने भले ही अच्छी सरकार व्यवस्था का वादा करते आए हो लेकिन यह भी सच है कि राज्य विकास के पैमाने पर पिछड़ता जा रहा है,चलिए बात करते हैं इस आया राम गया राम वाले सच्चाई के बारे में ताजा संदर्भ में देखें तो बिहार में एनडीए सरकार का गिरना खासतौर पर बीजेपी नेतृत्व के लिए खतरा है, बीजेपी नेतृत्व पर पहले से आरोप लगा है कि वह गठबंधन के सहयोगी दलों में समुचित सम्मान नहीं देती। यहां सरकार की स्थिरता एक विशेष मुद्दा है। गठबंधन में पार्टियों के आंतरिक संबंध मजबूत होने चाहिए जिससे आया राम गया राम जैसी स्थिति की संभावना कम की जा सके। चुनाव आयोग ने सुझाव दिया है कि दलबदल मामलों में एक निर्णय प्राधिकारी होना चाहिए। एक मत के अनुसार कानून में राजनीतिक दलों को आरटीआई के तहत लाना चाहिए।बिहार की स्थिति देखकर कई सवाल मन में उठते हैं ? क्या इसी प्रकार दल बदली से विकास संभव है ? क्या तेजस्वी यादव ने 10 लाख नौकरियां देने का जो वादा किया है वह पूरा होगा ? क्या नीतीश कुमार स्वयं को प्रधानमंत्री पद पर देखना चाह रहे हैं ? बिहार की राजनीति अभी भविष्य में न जाने कितने रंग दिखाएगी, मुद्दा ये है कि यह राजनीतिक अस्थिरता बिहार के लोगों के लिए ज्यादा नुकसानदायक न हो और बिहार की जो स्थिति है वह विकास के पैमाने पर खरी उतरे और आने वाली सरकार या यह महागठबंधन बिहार के विकास में सहयोगी बने।

आओ अब संवैधानिक मौलिक कर्तव्यों को निभाएं

स्वर्णिम काल के अगले 25 वर्ष हमें मौलिक अधिकारों पर दावों के साथ मौलिक कर्तव्यों को गंभीरता से निभाना समय की मांग- एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वर्ष 1947 में भारत आजाद हुआ और हमने 15 अगस्त 2022 को आजादी के 75 वें अमृत जयंती महोत्सव को मनाते हुए 76 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जिसमें भारत के यशस्वी पीएम ने लाल किले से 83 मिनट के अपने संबोधन में अनेक बातों का उल्लेख किया और अब अगले 25 वर्षों की स्वर्ण महोत्सव जिसमें वर्ष 2047 में आजादी को 100 वर्ष पूर्ण होंगे उसमें संकल्प और सामर्थ्य को बल देना होगा और इन 25 वर्षों की रूपरेखा का जिक्र किया जो काबिले तारीफ है। हम नागरिकों को अब चाहिए के इसके एक कदम आगे बढ़कर हमें अपने संविधान में प्राप्त मौलिक अधिकारों के साथ-साथ सरदार स्वर्ण सिंह समिति की सिफारिशों पर केंद्र सरकार ने 42 वें संविधान संशोधन अधिनियम 1976 को लागू किया था जिसमें संविधान के भाग 4 के अंतर्गत अनुच्छेद 51 डालकर मौलिक कर्तव्यों को जोड़ा गया था। साथियों उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आपातकाल (1975 -1977) के दौरान ही मूल कर्तव्यों की आवश्यकता पर समिति ने रिपोर्ट दी थी जिसमें 10 कर्तव्य फिर 86 वें संविधान संशोधन अधिनियम 2002 में 11 वें कर्तव्य को जोड़ा गया था इसलिए हमें भारत को अब फिर सोने की चिड़िया बनाने के लिए अपने मौलिक अधिकारों को जिस मजबूती से संवैधानिक तरीके से प्राप्त करने की तर्ज पर अब हमें अपने मौलिक कर्तव्यों को भी निभाने का प्रण, संकल्प करना होगा क्योंकि दशकों से हम देखतें आ रहे हैं कि आपने मौलिक अधिकारों के लिए हम हाईकोर्ट सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा व्यक्तिगत या पीआईएल के हसते खटखटाते हैं।

साथियों परंतु हम कर्तव्यों के प्रति उतने सजग नहीं रहतें हालांकि यहां कर्तव्यों को गैर न्यायोचित रूप से जोड़ा गया है और अपनी गैर-न्यायोचित छवि के कारण मौलिक कर्तव्यों को ना निभाने पर कोई अर्थदंड या सजा काप्रावधान नहीं है। परंतु अब समय आ गया है कि हम चार कदम आगे बढ़कर स्वत: संज्ञान लेकर मौलिक कर्तव्यों की अस्पष्टता के कारण जो आलोचना हो रही है उसको ना केवल हम संकल्प लेकर अपनाएं बल्कि इसके संवैधानिक ढांचे में शामिल करने की ओर कदम बढ़ाने होंगे याने हम अब अपने मौलिक कर्तव्यों को अनिवार्यता से निभाने का संकल्प करना होगा जिस पर आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम मौलिक कर्तव्यों की करें तो, भारत में 11 मौलिक कर्तव्यों की सूचीसंविधान का अनुच्छेद प्रावधान इस तरह है।51 (1)संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों और संस्थानों, राष्ट्रीय ध्वज और राष्ट्रगान का सम्मान करना। (2) उन महान आदर्शों को संजोना और उनका पालन करना, जिन्होंने हमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम प्रेरित किया।(3) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।(4) देश की रक्षा करना और जरूरत पड़ने या कहे जाने पर राष्ट्रीय सेवाएं प्रदान करना। (5) भारत के सभी लोगों के बीच धार्मिक, भाषाई और क्षेत्रीय या अनुभागीयविविधताओं से परे सद्भाव और समानभाईचारे की भावना को बढ़ावा देना; महिलाओं के सम्मान के लिए अपमानजनक प्रथाओं का त्याग करना। (6) हमारी मिली-जुली संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देना और उसका संरक्षण करना। (7) वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवों सहित प्राकृतिक पर्यावरण को महत्व देना, उसकी रक्षा करना और उसमें सुधार करना और जीवित प्राणियों के प्रति दयाभाव रखना। (8) वैज्ञानिक सोच, मानवतावाद और जांच और सुधार की भावना का विकास करना। (9) सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना और हिंसा से दूर रहना। (10)व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता की दिशा में प्रयास करना ताकि राष्ट्र निरंतर प्रयास और उपलब्धि के उच्च स्तर तक पहुंचे।(11) माता-पिता या अभिभावक का अपने बच्चे को शिक्षा के अवसर प्रदान करने का कर्तव्य, छह से चौदह वर्ष की आयु के बीच (86वें संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा जोड़ा गया) के मामलों में।

साथियों बात अगर हम कर्तव्यों की अवधारणा की करें तो एक निजी इलेक्ट्रॉनिक साइट के अनुसार, कर्तव्य की अवधारणा ध्यातव्य है कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है जहाँ प्राचीन काल से लोकतंत्र की गौरवशाली परंपरा मौजूद थी। प्रख्यात इतिहासकार के. पी. जायसवाल के अनुसार प्राचीन भारत में गणतंत्र की अवधारणा रोमन या ग्रीक गणतंत्र प्रणाली से भी पुरानी है।इतिहासकारों का ऐसा मानना है कि इसी प्राचीन अवधारणा में भारतीय लोकतंत्र के मौजूदा स्वरूप की कहानी छिपी हुई है।प्राचीन काल से ही भारत में कर्तव्यों के निर्वहन की परंपरा रही है और और व्यक्ति के कर्तव्यों पर ज़ोर दिया जाता रहा है।भगवद्गीता और रामायण भी लोगों को अपने कर्तव्यों का पालन करने के लिये प्रेरित करती है, जैसाकि गीता में भगवान श्री कृष्ण ने कहा है कि व्यक्ति को फल की अपेक्षा के बिना अपने कर्तव्यों का निर्वहन करनाचाहिये। गांधी जी का विचार था कि हमारे अधिकारों का सही स्त्रोत हमारे कर्तव्य होते हैं और यदि हम अपने कर्तव्यों का सही ढंग से निर्वाह करेंगे तो हमें अधिकार मांगने की आवश्यकता नहीं होगी। साथियों बात अगर हम मौलिक कर्तव्यों के विशेषताओं की करें तो,(1) मौलिक अधिकार सभी लोगों के लिए होता है, चाहे नागरिक हो या विदेशी परंतु मौलिक कर्तव्य सिर्फ नागरिकों के लिए होता है।(2) यह गैर न्यायोचित है अर्थात संविधान में इसके लिए न्यायालय द्वारा क्रियान्वयन की व्यवस्था नहीं की गई है। (3) यह भारतीय परंपराओं, धर्म, कला एवं पद्धतियों से संबंधित है।

चल पहल कर!

किसी के भरोसे क्यों रहना,
सब करें उसके बाद क्यों करना,
भेड़ चाल क्यों जरूरी है चलना,
चल तू ही पहल कर,
किसी बात से तुझे नहीं डरना।।

किसी की राह, क्यों तकना,
बीतने के बाद क्यों समझना,
किसी के बाद में क्यों बनना,
चल तू ही पहल कर,
अनुभव से क्यों है डरना।।

किसी के लिए क्यों ठहरना,
आलोचनाओं से क्यों बिखरना,
हर कदम पर जरूरी नहीं संभलना,
चल तू ही पहल कर,
जोखिम उठाने से ज्यादा क्या डरना।।

क्यों अपने लक्ष्य से भटकना,
क्यों किसी की राहा करते हुए अटकना,
क्यों सटीक निर्णय करने से उलझना, चल तू ही पहल कर,
खुद पर भरोसा तुझे हे रखना।।

क्यों बात बात पर एहसान जताना,
अस्थाई है सब, क्यों दिल लगाना,
पूरा हो ना हो तेरा हर सपना,
चल तू ही पहल कर,
तेरी योग्यता को तुझे ही परखना।।

शार्ट न्यूज

शाहजहांपुर में नकली काली मिर्च के कारखाने का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले के मदनापुर थाने की पुलिस ने नकली काली मिर्च बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ करते हुए मंगलवार को चार लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नगर) संजय कुमार ने बताया कि पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बरुवा पट्टी गांव में काली मिर्च बनाने के कारखाने का भंडाफोड़ किया और आठ क्विंटल काली मिर्च, 25 क्विंटल हरी मटर तथा रसायन आदि को कब्जे में ले लिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने मौके से चार लोगों को भी गिरफ्तार किया है। कुमार ने कारखाने के मालिक आनन्द गुप्ता से की गई पूछताछ के हवाले से बताया कि वह बेंगलुरु में नकली काली मिर्च बनाने के एक कारखाने में काम करता था और वहीं से उसने यह काम सीखा था। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि कारखाने के मालिक आनन्द गुप्ता के अलावा अनिल कुमार, सोनपाल तथा हरीनाथ को मौके से गिरफ्तार किया गया और आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

5 किलो कारतूस के छर्रे के साथ 3 लड़के गिरफ्तार, भेजे गए बाल सुधार गृह

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मेमोरा स्थित भारतीय वायु सेना स्टेशन की चांदमारी से दगे हुए कारतूस के करीब पांच किग्रा पीतल के छर्रे चोरी करने वाले दो आरोपितों को बंथरा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं तीन किशोरों को संरक्षण में लेकर बाल सुधार गृह भेज दिया है। इंस्पेक्टर बंथरा सुखवीर सिंह भदौरिया के मुताबिक बंथरा के मेमोरा गांव निवासी कृष्ण कुमार व आदित्य को गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही तीन किशोरों को बाल सुधार गृह भेजा गया है। आरोपितों के कब्जे से फायर किए गए कारतूस के पीतल के करीब पांच किलो छर्रे बरामद हुए हैं।

फतेहपुर में कंपनी के दफ्तर से 18 लाख लूटे

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश में फतेहपुर के शहर कोतवाली क्षेत्र में हथियारबंद लुटेरों ने ई-कॉमर्स कम्पनी फ्लिपकार्ट के दफ्तर में धावा बोलकर 18 लाख 81 हजार रूपये लूट लिये। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह ने मंगलवार को बताया कि सोमवार देर रात बाइक सवार छह बदमाशों ने सिविल लाइंस स्थित ई कामर्स कंपनी के दफ्तर पर उस समय धावा बोला जब कर्मचारी दिन भर का एकत्र किया हुआ कैश गिन रहे थे। लुटेरों ने कर्मचारियों को तमंचे का भय दिखा कर सारा पैसा थैले में भर लिया और फरार हो गये।उन्होने बताया कि कंपनी के दफ्तर में लगे आठ सीसीटीवी कैमरों में डकैती का वारदात कैद हो गयी है। लुटेरो की पहचान और उनकी धरपकड़ के लिये पुलिस की छह टीमें गठित की गयी है और जल्द ही लुटरों को गिरफ्तार कर लिया जायेगा।

रामपुर में ट्रेन पर गिरा ट्रक,दिल्ली लखनऊ रेलमार्ग बाधित

रामपुर। दिल्ली लखनऊ रेलमार्ग पर स्थित रामपुर रेलवे स्टेशन के निकट मंगलवार को एक ट्रक के पुल से ट्रेन के ऊपर गिरने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद दिल्ली लखनऊ रेलमार्ग भोर चार बजे से सुबह नौ बजे तक आशिंक तौर पर बाधित रहा। पुलिस सूत्रों ने बताया कि सिविल लाइंस क्षेत्र में जीरो पॉइंट से पहले ओवर ब्रिज से सुबह तीन बजे दूध ले जा रहा एक ट्रक चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन के इंजन पर गिर गया। इस हादसे में ट्रक और इंजन क्षतिग्रस्त हो गए। इस दौरान ट्रक में सवार दो क्लीनर गंभीर रूप से घायल हो गए। ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, हालांकि ट्रेन की सवारियों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। घटना होने से ट्रैक भोर चार बजे से लेकर सुबह नौ बजे तक बाधित रहा। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों ने ट्रेनो को प्रीकॉशंस लेकर गुजारा। उन्होने बताया कि रात्रि करीब तीन बजकर 50 मिनट पर मदर डेयरी दूध के पैकेटो को लेकर गजरौला से रामपुर की तरफ आ रहा ट्रक कोसी के पुल के पास ओवर ब्रिज पर बेकाबू होकर रेलवे ट्रैक पर गिर गया। उसी वक्त मुरादाबाद से लखनऊ की ओर जा रही चंडीगढ़ एक्सप्रेस ट्रेन संख्या 12231 के इंजन से टकरा गया। टक्कर लगने से डाउन लाइन के ऊपर से गुजर रही विद्युत लाइन क्षतिग्रस्त हो गई।

फिरोजाबाद : एक ट्रक रिफाइंड तेल चोरी से बेचने की फिराक में चार गिरफ्तार

फिरोजाबाद। गुजरात में अडानी ग्रुप के रिफाइंड तेल कारखाने से पंजाब के लुधियाना भेजे जा रहे एक ट्रक रिफाइंड तेल को उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में चोरी से बेचने की कोशिश करते समय पुलिस ने ट्रक चालक सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि फिरोजाबाद जिले के थाना मक्खनपुर में कंपनी की ओर से दी गयी सूचना के आधार पर ट्रक को लगभग 40 लाख रुपये की कीमत वाले तेल सहित एक ढाबे से बरामद कर लिया गया। फिरोजाबाद में शिकोहाबाद के पुलिस क्षेत्राधिकारी कमलेश कुमार ने बताया कि अडानी ग्रुप की कंपनी विलमार हजीरा के गुजरात में सूरत स्थित कारखाने से एक ट्रक रिफाइंड तेल लेकर लुधियाना के लिए निकला था। समय से गंतव्य पर नहीं पहुंचने के बाद कंपनी ने जीपीएस के आधार पर फिरोजाबाद पुलिस को सूचित किया कि उक्त ट्रक शिकोहाबाद क्षेत्र में मौजूद हो सकता है। पुलिस और एसओजी टीम ने इसकी तलाश कर सोमवार को थाना मक्खनपुर क्षेत्र में एक ढाबे पर ट्रक को माल सहित बरामद कर लिया।

दारूल उलूम देवबंद में मौलाना अरशद मदनी ने फहराया तिरंगा

देवबंद (सहारनपुर)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में देवबंद स्थित इस्लामिक शिक्षा के प्रमुख केन्द्र दारूल उलूम में सोमवार को 76वां जश्न ए आजादी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित स्वतंत्रता दिवस सामारोह में संस्था के प्रमुख मोहतमिम मुफ्ती अब्दुल कासिम और सदर मुदररिस मौलाना अरशद मदनी ने राष्ट्रीय झंडा फहराया। प्रख्यात स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी शेखुल हिंद मौलाना हुसैन अहमद मदनी के बेटे एवं जमीयत उलमा ए हिंद के अध्यक्ष मौलान अरशद मदनी ने कहा कि मुस्लिम इस्लामिक विद्वानों ने आजादी की जंग में बेमिसाल भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि इस्लामिक विद्वानों की कुर्बानियां इतिहास में दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1803 के आसपास देश के सबसे ज्यादा सम्मानित इस्लामिक विद्वान एवं मदरसा संचालक शाह वली उल्लाह देहलवी के बेटे शाह अब्दुल अजीज देहलवी ने हिंदुस्तान को दारूल हरब यानि युद्ध की भूमि घोषित करते हुए अंग्रेजो के खिलाफ जेहाद का फतवा जारी कर दिया था। इससे सभी मुस्लिमों और हिन्दुओं का अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध करना फर्ज हो गया था। मदनी ने याद दिलाया कि अंग्रेजों ने शाह अजीज पर जबरदस्त जुलम ढाए और उनका मदरसा भी तहस नहस कर दिया लेकिन वह अपने रास्ते से डिगे नहीं।

देवरिया : जिलाधिकारी ने मूक बधिर बच्चों के संग बांटी स्वतंत्रता दिवस की खुशियां

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक मूक बधिर विद्यालय में जाकर मूक-बधिर बच्चों के बीच स्वतंत्रता दिवस की खुशियां बांटी। जिलाधिकारी सिंह ने सोमवार को सुबह करीब 11 बजे शहर के राघव नगर में स्थित स्वर्गीय रामाज्ञा मूक बधिर विद्यालय में जाकर मूक-बधिर बच्चों संग स्वतंत्रता दिवस मना कर बच्चों के चेहरों पर खुशियां बिखेर दीं। सिंह ने बताया कि यह मूक-बधिर विद्यालय यहां वर्षों से खुला है। जिसकी शिक्षा विभाग से मान्यता भी है। उन्होंने बताया कि उनको पता चला कि उक्त विद्यालय धन के अभाव के कारण कोरोना काल से ही बंद चल रहा था। उन्होंने बताया कि यह विद्यालय अब निजी प्रयासों से चलता रहा है। विद्यालय बंद होने की जानकारी के बाद उनके प्रयास तथा जन सहयोग से इस विद्यालय को एक बार फिर से शुरू कराने की प्रक्रिया शुरु हुयी है। विद्यालय बंद हो जाने से मूक-बधिर बच्चे शिक्षा से कटते जा रहे थे। फिलहाल यह स्कूल क्राउड फंडिंग द्वारा पुन: संचालित हो पाया है। अब जनपद के मूक-बधिर बच्चों को शिक्षा का अवसर प्राप्त होने लगा है।

यूपी में इको टूरिज्म बोर्ड बनाएगी योगी सरकार

कुकरैल शिफ्ट होगा लखनऊ जू, शुरू होगी नाइट सफारी

एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें यूपी इको टूरिज्म बोर्ड के गठन, लखनऊ चिड़ियाघर को कुकरैल शिफ्ट करने और नाइट सफारी शुरू करने का प्रस्ताव भी शामिल हैं। नाइट सफारी कुकरैल वन क्षेत्र में बनेगी। वहां 2027 हेक्टेअर का जंगल है। 150 एकड़ में प्राणि उद्यान बनेगा। 350 एकड़ में नाइट सफारी बनेगी।

कैबिनेट की बैठक में कंसल्टेंट की नियुक्ति का भी निर्णय लिया गया। तय हुआ कि 6 पद सृजित किए जाएंगे। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में परामर्श समिति और अपर मुख्य सचिव वन की अध्यक्षता में कार्य संचालन समिति बनेगी।

10 विभागों के समन्वय से प्रदेश में इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के गठन का निर्णय लिया गया है। यूपी इको टूरिज्म बोर्ड में पर्यटन, वन, सिंचाई, उद्यान, जल, कृषि, ग्रामीण, आयुष, नगर विकास, परिवहन सहित 10 विभाग शामिल होंगे। इसके अध्यक्ष प्रदेश के मुख्यमंत्री होंगे जबकि संबंधित विभागों के मंत्री इसके सदस्य होंगे। मुख्य सचिव इसके सचिव होंगे। आईआरसीटीसी और पांच विशेषज्ञ भी इसके सदस्य होंगे।

इसके अलावा अलीगढ़ में फूड क्राफ्ट इंस्टीट्यूट को अपग्रेड कर होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट बनाए जाने का निर्णय भी बैठक में लिया गया। 17 नए पाठ्यक्रम शुरू होंगे। बैठक में रामपुर में अग्निशमन केंद्र बनाने के लिए जमीन देने को भी मंजूरी दी गई। इसके अलावा बैठक में निर्णय लिया गया कि राज्य विद्युत निगम उत्पादन लिमिटेड, जवाहर विद्युत निगम उत्पादन लिमिटेड और जल विद्युत निगम लिमिटेड का विलय किया जाएगा। प्रतापगढ़ में मान्धाता नगर पंचायत के गठन का निर्णय भी बैठक में लिया गया। जौनपुर की नगर पालिका मुंगरा बादशाहपुर का विस्तार किया गया है। प्रदेश में अब कुल 752 नगर निकाय हो गए हैं।

जिसमें 536 नगर पंचायत, 199 नगर पालिका और 17 नगर निगम हैं। इसके साथ ही औद्योगिक विकास विभाग की डिफेंस और एयरोनॉटिकल पॉलिसी में बदलाव किया गया है। बुंदेलखंड में 15 प्रतिशत या 15 करोड़ अन्य क्षेत्रों में 10 प्रतिशत या 10 करोड़, एमएसएमई में 5 से 7.5 प्रतिशत या 5 से 7.5 प्रतिशत करोड़ तक की सब्सिडी दी जाती थी। अब गैर बुंदेलखंड में 7 प्रतिशत या अधिकतम 500 करोड़ और बुंदेलखंड में 10 प्रतिशत या 500 करोड़ तक की सब्सिडी मिल सकेगी।

तुलसियानी बिल्डर का संचालक लखनऊ में गिरफ्तार

लोगों से हड़पे है करोड़ों रुपए

एजेंसी

लखनऊ। तुलसियानी ग्रुप के निदेशक अजय तुलसियानी को लखनऊ की डीसीपी पूर्वी प्राची सिंह की क्राइम टीम ने मंगलवार को महानगर से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी रियल एस्टेट कम्पनी चलाता है। निवेशकों को फ्लैट देने का झांसा देते हुए आरोपी ने करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी की है। उसके खिलाफ विभूतिखंड कोतवाली में दर्जनों मुकदमे दर्ज हैं। डीसीपी पूर्वी प्राची सिंह के मुताबिक अजय तुलसियानी के विरुद्ध कानपुर निवासी जिस संचालक मनीष धवन ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोपी ने सुशांत गोल्फ सिटी शहीद पथ के पास प्लासियो इम्पीरियल के नाम से अपार्टमेंट बनाए जाने का दावा किया था। अजय और उसके साथियों की लुभावनी स्कीम में फंस कर मनीष ने वर्ष 2014 में करीब 37 लाख रुपये जमा किए थे। जिसके बाद उन्हें फ्लैट नहीं दिया गया। पूछताछ करने पर धमकी दी जाती थी। इसी तरह आरोपी अजय तुलसियानी ने गोल्फ व्यू प्रोजेक्ट शुरू कर वाराणसी निवासी लल्ला राम मौर्या से पांच करोड़ रुपये हड़पे हैं। डीसीपी के मुताबिक अजय तुलसियानी से पूछताछ की जा रही है।

श्रीकांत की पत्नी को प्रताड़ित करने वाले पुलिसकर्मी हों निलंबित : रालोद

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के महासचिव त्रिलोक त्यागी ने नोएडा में महिला के साथ अभद्रता करने के आरोपी श्रीकांत त्यागी की पत्नी और अन्य महिलाओं को पूछताछ के बहाने प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुये दोषी पुलिसकर्मियों को निलंबित किये जाने की मांग की है।

श्री त्यागी ने मंगलवार को यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता श्रीकांत त्यागी ने एक महिला के साथ अभद्रता की है जिसके लिये कानून अपना काम कर रहा है और इस पर उनकी पार्टी को कोई ऐतराज नहीं है मगर श्रीकांत की पत्नी और मामी को पूछताछ के बहाने बेवजह रात भर थाने पर बैठाना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाता है।

उन्होने कहा कि श्रीकांत त्यागी प्रकरण को पुलिस ने जानबूझ कर उछाला। एक महिला के साथ अभद्रता करने के आरोपी की गिरफ्तारी के लिये 25 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया जैसे वह कोई आतंकवादी हो वहीं गिरफ्तारी पर इनाम बांटा गया जबकि सच्चाई यह है कि श्रीकांत ने आत्मसमर्पण किया था। उन्होने कहा कि श्रीकांत जैसे हजारों लोग भाजपा में अभी भी है जो पार्टी का झंडा और हूटर लगाकर जनता के बीच रौब झाड़ते हैं।

वाराणसी: वॉटर पार्क में मासूम की डूबने से मौत

इसके पहले भी लग चुकी है आग

सारनाथ। सोनातालाब स्थित वाराणसी फन सिटी के वाटर पार्क में लगभग चार वर्ष पूर्व भी आग लग चुकी है। उस समय भी लाखों का नुकसान हुआ था। हालांकि कोई भी व्यक्ति हताहत नहीं हुआ था। वाटर पार्क के तीसरे तल्ले पर स्थित भूत बंगले में आग लग गई थी। वाटर पार्क में आग बुझाने का कोई उपकरण न होने की वजह से पूरा भूत बंगला जल गया था।

वाटर पार्क में नहीं जीवन रक्षक ट्रेनर

फन सिटी के वाटर पार्क में जीवन रक्षक ट्रेनर नहीं हैं। न ही उसमें जीवन रक्षक जैकेट ही है। आसपास के अनट्रेंड लोगों को भर्ती करके मैनेजमेंट वाटर पार्क का संचालन करता है। इसके साथ ही नहाने वाले पानी का प्रॉपर रिसाइकिल भी नहीं होता है। वाटर स्लाइडर पर भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। अक्सर वाटर पार्क में नहाने वाले स्लाइडर पर फिसलते समय घायल हो जाते हैं। वेव पोल में जब लहरें उठती हैं, उस समय पोल कोई भी जीवन रक्षक उपकरण व ट्रेनर नहीं होते हैं। इसकी वजह से आये दिन लोग घायल हो जाते हैं। यश जब पानी में डूब रहा था उस समय भी कोई जीवन रक्षक उपकरण व ट्रेनर मौजूद नहीं था।

सारनाथ (वाराणसी)। वाराणसी में सारनाथ के सोनातालाब में स्थित फन सिटी वाटर पार्क में डूबने से आठ साल के बच्चे की मौत हो गई।

नहाने के दौरान बच्चा जब डूबने लगा तो चिल्लाने लगा लेकिन समय पर मदद नहीं मिल सकी और उसकी जान चली गई। वॉटर पार्क में अव्यवस्थाओं को लेकर लोगों ने नाराजगी जताई और कार्रवाई की मांग करते हुए थाने पर हंगामा किया।

सरैया (जैतपुरा) निवासी 8 साल का यश सोनकर (8) 15 अगस्त की छुट्टी के दिन दोस्तों के साथ वाटर पार्क में आया था।

इसी दौरान स्लाइड्स, वेव पोल व फाउंटेन पर नहाने के लिए गया। इसी दौरान वह डूबने लगा। वह बचाने के लिए चिल्लाया। उसके दोस्त भी चिल्लाने लगे लेकिन भीड़ अधिक होने से किसी का ध्यान नहीं गया। जब तक लोगों ने यश को बाहर निकाला उसकी हालत बिगड़ चुकी थी।

दोस्तों ने यश के परिजनों को सूचना देने के साथ ही पंचक्रोशी स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रोत बिलखते परिजनों ने यश का अंतिम संस्कार किया और अव्यवस्थाओं को लेकर सारनाथ थाने पर हंगामा काटा।

हापुड़ कचहरी गेट पर ताबड़तोड़ फायरिंग

हरियाणा से पेशी पर लाए गए कैदी की हत्या, सिपाही भी घायल

हापुड़। यूपी के हापुड़ में कचहरी के गेट के पास ताबड़तोड़ फायरिंग कर एक कैदी की हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि मारे गए कैदी को हरियाणा से पेशी पर लाया गया था। फायरिंग की घटना में हरियाणा पुलिस का एक सिपाही भी घायल है। मिली जानकारी के अनुसार मारा गया कैदी लाखन हरियाणा के अन्नागपुर का रहने वाला था।

वह वर्ष 2019 में धौलाना क्षेत्र में हुई हत्या के आरोप में जेल में बंद था। मंगलवार को उसे पेशी पर हापुड़ कोर्ट लाया गया था लेकिन कोर्ट के गेट के पास ही बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना में लाखन के साथ ड्यूटी पर आया हरियाणा पुलिस का सिपाही घायल हो गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फायरिंग की ये घटना तब हुई जब कैदी को पुलिस वैन से उतारा जा रहा था। ताबड़तोड़ फायरिंग के बाद बदमाश मौके से फरार हो गए। घटनास्थल पर गोली लगने से तड़प रहे कैदी को लेकर पुलिसकर्मी आनन-फानन में अस्पताल पहुंचे जहां थोड़ी देर बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उधर, गोली लगने से घायल सिपाही का इलाज चल रहा है। कचहरी जैसे सुरक्षित क्षेत्र में इस तरह ताबड़तोड़ फायरिंग की घटना से सनसनी फैल गई है। मौके पर जिले के सभी बड़े पुलिस अफसर पहुंचे हैं। फिलहाल पुलिस अधिकारी इस बारे में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। पुलिस सूत्रों का कहना है कि यह गैंगवार का मामला हो सकता है।

पुलिस फायरिंग कर फरार हुए बदमाशों को पकड़ने की कोशिश कर रही है। मारे गए कैदी के बारे में पूरी जानकारी कर हमलावरों का पता लगाया जा रहा है।

रायबरेली : जंगल में मिला शव, पुलिस जांच में जुटी

रायबरेली। उत्तर प्रदेश के रायबरेली में लालगंज इलाके के जंगल में मंगलवार को एक शव क्षत विक्षत स्थिति में मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज सुबह एक व्यक्ति ने पुलिस को सूचित किया कि लालगंज इलाके के मलपुरा गांव से करीब 500 मीटर दूर झाड़ी के पास एक शव पड़ा है। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने झाडियों से शव को निकाला। पुलिस के अनुसार मृतक के पास से सल्फास की एक खाली शीशी भी बरामद की गयी। मृतक की पहचान रोहित सिंह के रूप में की गयी।

मोदी के नेतृत्व में देश बनेगा विकसित राष्ट्र : कौशल किशोर

लखनऊ। केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य राज्यमंत्री कौशल किशोर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सर्वांगीण विकास के पथ पर अग्रसर है और जल्द ही विकसित राष्ट्र बन जायेगा।

रामाधीन सिंह इंटर कॉलेज में 'आजादी का अमृत महोत्सव' विषय पर तीन दिवसीय प्रदर्शनी के शुभारंभ करते हुये श्री किशोर ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान छह लाख से अधिक लोगों ने देश की आजादी के लिए अपनी कुर्बानी दी और लाखों लोग बेघर हुए थे। बच्चे और छात्र तथा युवा इतिहास से सीखे और इससे सबक लें । आजादी के संग्राम के तमाम गुमनाम(अनसंग हीरो) हैं जिन्होंने अपना आज़ादी के संग्राम में योगदान दिया लेकिन उन्हें भुला दिया गया और आज केंद्र सरकार उन शहीदों को उन्हें उनका स्थान दिलाने का अभियान चला रही है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया का जो कार्यक्रम चलाया है उससे देश मजबूत बनेगा। उन्होने छात्रों और युवाओं तथा लोगों से मादक पदार्थो और नशे की लत से दूर रहने का आह्वान किया।

आगरा : पहले गर्भवती पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला, फिर पति ने भी कर ली खुदकुशी

आगरा। आगरा जिले में मलपुरा के गांव खलौआ में युवक ने सात माह की गर्भवती पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला। हत्या के बाद पति ने भी खुदकुशी कर ली। घरवालों ने आनन-फानन में घर के पीछे दोनों के शवों का अंतिम संस्कार कर दिया। सोमवार की सुबह सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों शव जल चुके थे। मौके पर राख और हड्डियां मिलीं। पुलिस ने हत्या और साक्ष्य नष्ट करने की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया है। गांव अटूस (सिकंदरा) निवासी हरिबाबू ने साढ़े तीन साल पहले अपनी बेटी प्रीति (25) की शादी खलौआ निवासी कृष्णवीर उर्फ कृष्णा के साथ की थी। कृष्णवीर पत्थर घिसाई का काम करता था। डेढ़ साल की एक बेटी है। प्रीति गर्भवती थी। सोमवार की सुबह दस बजे मायके वालों ने पुलिस को सूचना दी कि ससुरालीजनों ने प्रीति और कृष्णवीर की हत्या करके शव फूंक दिए हैं। सूचना पर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम को बुलाया गया। मौके पर ससुरालीजन नहीं मिले। पूरा परिवार फरार था। प्रारंभिक छानबीन में पुलिस को पता चला कि कृष्णवीर का अपनी पत्नी से झगड़ा हुआ था। उसने पत्नी को पीट-पीटकर मार डाला। उसके बाद खुद फांसी लगा ली। घरवालों ने पुलिस से बचने के लिए दोनों के शव जला दिए। प्रीति के मायके वालों को भी सूचित नहीं किया।

बदायूं में सड़क हादसे में दो मरे

बदायूँ। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के मुजरिया क्षेत्र में तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से बाइक सवार उसे लोगों की मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि बिल्सी थाना क्षेत्र के गांव बर्नी ढकपूरा पुरा निवासी चंद्रपाल शाक्य (50) अपने गांव के अवनीश यादव (30) के साथ सोमवार शाम किसी काम से गए थे जहां से देर रात लौटते समय क्षेत्र के गांव लहरा के पास बोलेरो पिकअप ने दोनो को रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई । थानाध्यक्ष मुजरिया राम अवतार सिंह ने बताया कि देर रात हादसे की सूचना मिली थी। मौके पर पुलिस फोर्स गया था।

बाराबंकी : खेत में गिरे बिजली के तार की चपेट में आया किसान, बचाने गए लड़के की भी मौत

बाराबंकी। बाराबंकी में 11 हजार वोल्टेज के गिरे तार से फैले करंट मे चपेट में आकर किसान और बचाने गए लड़के की मौत हो गई। घटना से गांव मे कोहराम मचा गया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल था। ग्रामीणों मे बिजली विभाग की लापरवाही को लेकर आक्रोश व्याप्त है।

थाना रामनगर के ददौरा निवासी देश राज गुप्ता (52) पुत्र शिवबालक अपने घर से सुबह करीब सात बजे गांव के दक्षिण खेत गए थे। खेत के उपर से 11 हजार वोल्टेज तार निकले थे जिसके ऊपर यूपेलिप्टस का रात में पेड़ गिर गया था जो खेत मे जानवरों से बचाव के लिए लगे कंटीले तार से टच कर रहा था। जिससे कंटीले तार मे करंट उतर आया था। इसी दौरान देशराज ने खेत में घुसे जानवर को भगाने के लिए जैसे ही कटीले तार को हाथ लगाया वह करंट के कारण चिपक गया।

इसी दौरान पडोस के गांव का 15 वर्षीय बालक लवकुश पुत्र गुल्ले वहां से गुजारा।

उसने देखा कि एक व्यक्ति तार के पास पड़ा है। लवकुश उसे कंटीले तार से निकालने गया और वह भी करंट की चपेट में आकर चिपक गया। दोनो की मौके पर ही मौत हो गई। गांव के अन्य लोगों ने जब यह देखा तो वह भी दौड़े मगर तभी 11 हजार के ऊपर गिरे पेड़ व उसके कंटीले तार मे टच होने की जानकारी हो गई और फिर उधर कोई नहीं गया।

बिजली बिभाग के जेई, एई, अधिशाशी अभियंता, लाइन मैन आदि के फोन मिलाने शुरू हुए। बड़ी देर तक किसी का फोन नहीं उठा। कुछ लोग रामनगर पावर हाउस गए तब बिजली कटी। एक साथ दो मौतों से परिजनों के अलावा मौके पर मौजूद ग्रामीण भी रो उठे। घटना स्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। सीओ व कोतवाल भी पहुंच गए थे। बिजली विभाग का कोई अफसर घंटों नहीं पंहुचा था।।

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने किया ध्वजारोहण

कहा इकोनामिक जोन बनेगा पूर्वी उत्तर प्रदेश

आजमगढ़। स्वतंत्रता दिवस पर योगी सरकार के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने कलेक्ट्रेट के सामने स्थित मेहता पार्क में ध्वजारोहण किया। राष्ट्रगान के बाद उन्होंने जिले के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लालचंद त्रिपाठी को सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री ने देश की एकता और अखंडता को कायम रखने के लिए युवाओं से आगे आने का अह्वान किया। मंत्री ने कहा कि देश तेजी से तरक्की कर रहा है। पूर्वी उत्तर प्रदेश इकोनामिक जोन बनने जा रहा है। यहां बड़ी संख्या में लोग निवेश कर रहे हैं। कारण कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से पूर्वांचल की तरक्की का मार्ग प्रशस्त हुआ है। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के बगल में औद्योगिक कारिडोर विकसित किया जाएगा। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

इस दौरान छात्र छात्राओं और संगठनों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। मंत्री ने बच्चों के प्रतिभा की सराहना की और कहा कि इन्हें और प्रोत्साहित करने की जरूरत है। यह हमारे देश के भविष्य हैं। मंत्री ने कहा कि जिले में महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। यह उच्च शिक्षा के क्षेत्र में नई इबारत लिखेगा। विश्वविद्यालय में विषय के अलावा रोजगारपरक शिक्षा भी दी जाएगी, जिससे यहां से शिक्षा ग्रहण करने के बाद युवाओं को नौकरी के लिए परेशान न होना पड़े।

कार्यक्रम के दौरान ऊर्जा मंत्री ने 1171 परियोजनाओं का लोकार्पण किया। इसमें 372 अमृत सरोवर, 211 पंचायत भवन, 121 सामुदायिक शौचालय, 12 अंत्येष्टि स्थल, 110 ओपेन जिम, 44 गोशाला, 13 संकुल स्तरीय संघ के कार्यालय और 228 ग्राम पंचायत कार्यालय शामिल हैं। इस मौके पर सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ, कमिश्नर मनीष चौहान, डीआइजी अखिलेश कुमार, जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, एसपी अनुराग आर्य, सीडीओ आनंद कुमार शुक्ला आदि मौजूद थे।

नौ अरब रुपये से बदलेगी अयोध्या की सड़कों की सूरत

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार धार्मिक नगरी अयोध्या में करीब नौ अरब रुपये की लागत से रामजन्मभूमि तक सुगम पहुंच के लिये सड़कों को चौड़ी, सुंदर और सुविधायुक्त बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। इसके लिए पहली किश्त के रूप में 107 करोड़ रुपये शासन की ओर से जारी भी कर दिये गये हैं। साथ ही कार्यदायी संस्था लोक निर्माण विभाग को तय समय में कार्य पूरा करने के निर्देश भी दिये गये हैं। आधिकारिक सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि धर्मार्थ कार्य विभाग द्वारा अयोध्या में श्रीराम मंदिर तक पहुंचने के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है। इसके तहत तीन मार्गों के निर्माण, चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की व्यवस्था के लिये शासन द्वारा 899.90 करोड़ रुपये स्वीकृत की गयी है। इसमें प्रथम किश्त के रूप में 107 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी गयी है। अपर मुख्य सचिव धर्मार्थ कार्य अवनीश कुमार अवस्थी ने बताया कि सहादतगंज-नया घाट मार्ग के किलोमीटर 11 से सुग्रीव किला होते हुए श्रीराम जन्मभूमि तक कुल लंबाई 0.566 किमी के लिये 4 लेन मार्ग के निर्माण की योजना है। इसके लिये कुल 39.43 करोड़ रुपये की धनराशि मंजूर की गयी है, जिसमें से 3 करोड़ 90 लाख 88 हजार रुपये जारी किये गये हैं। उन्होने बताया कि इसके अलावा फैजाबाद-अयोध्या मुख्य मार्ग से हनुमान गढ़ी होते हुए जन्मभूमि तक के मार्ग निर्माण और भूमि, भवन के क्रय व पुनर्वास के लिए धनराशि उपलब्ध करायी गयी है। इसके लिये 62.78 करोड़ रुपये की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है, जिसमें से 3 करोड़ 10 लाख 83 हजार रुपये जारी कर दिया गया है। अपर मुख्य सचिव धर्मार्थ कार्य ने बताया कि सहादतगंज से नया घाट मार्ग के मेन स्पाइन रोड, जिसकी लंबाई तकरीबन 12.940 किलोमीटर है।

शार्ट न्यूज

इंग्का समूह करेगा 3500 करोड़ का निवेश

गुरूग्राम। आइकिया रिटेल और इंग्का इंवेस्टमेंट्स का संचालन करने वाली कंपनी इंग्का समूह ने दिल्ली एनसीआर के गुरूग्राम में 17 लाख वर्ग फुट में अत्याधुनिक इंग्का सेंटर्स के निर्माण पर 3500 करोड़ रुपये अर्थात 40 करोड़ पाउंड का निवेश करेगी। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आज इसके निर्माण के लिये आधारशिला रखा। इस मौके पर भारत में स्वीडन के राजदूत क्लास मोलिन भी मौजूद थे। यह सेंटर्स गुरूग्राम के सेक्टर 47 में बनेगा। इसके पूरी तरह से तैयार होने पर इसमें 2500 से अधिक लोगों को रोजगार मिलने का अनुमान है। वर्ष 2025 तक इसके बनकर तैयार होने का अनुमान है और हर वर्ष करीब दो करोड़ लोगों के आने का अनुमान है। यह मिश्रित उपयोग वाला स्थल होगा जहां रिटेल के साथ ही वर्कस्पेस भी होगा। इसमें लैंडस्केप स्काई रूफ गार्डन, एंफिथियेटर भी होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह निर्माण देश एवं इस क्षेत्र के ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक विश्वस्तरीय रिटेल एवं लेजर गतंव्य होगा। इससे रोजगार एवं निवेश के अवसर भी बढेंगे। यह परियोजना उनकी विकास योजनाओं का एक और प्रमाण है। इंग्का सेंटर्स की प्रबंध निदेशक सिंडी एंडरसन ने कहा कि यहां आइकिया का नया स्टोर भी होगा जो 2.50 लाख वर्ग फुट में फैला होगा। उन्होंने आज के दिन को रोमाचंक सफर की शुरूआत वाला बताते हुये कहा कि हम दुनिया में जहां बहुत ज्यादा लाग रहते हैं उनके करीब जाने की अपनी रणनीति में तेजी ला रहे हैं। आइकिया और स्थानीय लोगों के साथ मिलकर एक ऐसा जीवंत सेंटर बनाने के प्रति आशान्वित हैं जहां पर लोग ज्यादा सतत तरीके से काम कर सके और विकास में अपना योगदान दे सके।

घर खोजने वालों के लिए ओनर कनेक्ट सेवा 'हाउसिंग प्रीमियम' शुरू

नयी दिल्ली। घर खरीदने और किराये पर लेने की प्रक्रिया को और भी आसान बनाने के लक्ष्य से ऑनलाइन रियल एस्टेट पोर्टल हाउसिंग डॉटकॉम ने हाउसिंग प्रीमियम को लॉन्च किया है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह सुविधा खरीदारों और किरायेदारों को घर के मालिक, विक्रेता या भूस्वामी से सीधे जुड़ने की अनुमति देती है। इस पेशकश को प्री-लॉन्ज फेज में ही उपभोक्ताओं ने हाथों-हाथ लिया है और कंपनी इस सेवा के लिये यूजर बेस को और भी बढ़ाना चाहती है। हाउसिंग प्रीमियम की पेशकश रेंट और रीसेल, दोनों सेगमेंट के लिये सभी टीयर-1 और टीयर-2 शहरों में लाइव है और घर के मालिक तथा खरीदार/किरायेदार का समय बचाने के अलावा ब्रोकरेज के खर्च में भी बड़ी बचत करती है। यह सुविधा सब्सक्राइबरों को तुरंत अलर्ट भी देती है और रिलेशनशिप मैनेजर घर खरीदने या किराये पर लेने की प्रक्रिया पूरा कराते हैं।

भारत पेट्रोलियम बना हर घर तिरंगा अभियान में भागीदार

मुंबई। देश की सबसे बड़ी तेल और गैस उत्पादक कंपनी भारत पेट्रोलियम ने भी आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान में अपने राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के साथ भागीदारी निभाई है। कंपनी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि भारत पेट्रोलियम के कर्मचारियों ने 3 रिफाइनरियों, 123 प्रतिष्ठानों और डिपो, 54 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट्स, ल्यूब ब्लेंडिंग प्लांट्स और 56 एविएशन सर्विस स्टेशन के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया और इसे सलामी देते हुए देश के 75वें स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया। कंपनी के चैनल पार्टनर और 20,000 से अधिक ईंधन स्टेशनों और 6,213 एलपीजी वितरकों के कर्मचारी भी इस अभियान में शामिल हुए, जहां उन्होंने ग्राहकों को झंडे भी वितरित किए। भारत पेट्रोलियम ने विशेष रूप से इस अवसर के लिए एक संगीत वीडियो पेश किया जिसमें उसके कर्मचारी आकर्षक संगीत पर कई स्थानों पर झंडे लहराते हुए दिखाई दे रहे हैं। इस अवसर पर कंपनी के पीआर एंड ब्रांड के मुख्य महाप्रबंधक एस. अब्बास अख्तर ने कहा, आजादी के अमृत महोत्सव के तहत 'हर घर तिरंगा' अभियान में लोगों को तिरंगा घर लाने और इसे फहराने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस तरह हम देश की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के जश्न में शामिल हो सकते हैं।

'5जी नेटवर्क शीघ्र शुरू करने पर मोदी के जोर का स्वागत '

नयी दिल्ली। कॉमविवा टेक्नोलॉजीज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, मनोरंजन महापात्र ने देश में 5जी दूरसंचार प्रौद्योगिकी को शीघ्र शुरू किए जाने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में की गयी घोषणा का स्वागत किया है कि इससे मजबूत डिजिटल भारत और मूल्यवर्धित सेवाओं का मार्ग प्रसस्त होगा। श्री महापात्र ने एक बयान में कहा, भारत में 5जी नेटवर्क सेवाओं को समय से शुरू करने के संबंध में प्रधानमंत्री ने बल दिया है। ये सेवाएं कुछ ही हफ्तों में शुरू हो जानी चाहिए। उन्होंने कहा, 5जी नेटवर्क केवल दूरसंचार प्रौद्योगिकी की अगली पीढ़ी नहीं है, यह एक मजबूत डिजिटल भारत का मार्ग भी प्रशस्त करेगा और मूल्य वर्धित सेवाएं ग्राहकों और उद्यमों के लिए ग्राहक जोड़ने और अनुभव के अगले स्तर को संचालित करने में एक बड़ी भूमिका निभाएंगी। उन्होंने कहा कि कॉमविवा सक्रिय रूप से उद्योग के साथ काम कर रही है और एआई/एमएल द्वारा संचालित अगली पीढ़ी की क्लाउड नेटिव एंटरप्राइज सॉल्यूशंस के साथ 5जी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए संचार सेवा प्रदाताओं के साथ सहयोग करने पर कंपनी को गर्व है।

कोविड-19 की नाक में डालने वाली वैक्सिन, भारत बायोटेक ने तीसरे चरण का परीक्षण किया पूरा

हैदराबाद,। स्वदेशी कोवैक्सिन निर्माता भारत की कंपनी भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) ने सोमवार को कहा कि उसकी बीबीवी 154 (इंट्रा नेज़ल वैक्सीन) नैदानिक परीक्षणों में वायरस के कोविड-19 पुरातन और नये ओमिक्रान स्वरूप के विरुद्ध सुरक्षित और प्रभावी सिद्ध हुई है। कंपनी की विज्ञप्ति के अनुसार बीबीवी 154 एक पूर्व-संलयन की स्थिति में स्थिर स्पाइक प्रोटीन के साथ एक वैक्सीन वेक्टर पर आधारित है, जिसका इसे लेने वाले के अंदर पुनर्प्रजनन नहीं होता। इस टीके का पहले चरण और दूसरे चारण का नैदानिक परीक्षण पहले ही हो चुका था और सफल रहा था। इसे विशेष रूप से नाक के अंदर से प्रविष्ट करने के लिए तैयार किया गया है।

पांच हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य 2028-29 तक ही संभव : डॉ सुब्बा राव

हैदराबाद। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर डॉ डी सुब्बा राव ने सोमवार को कहा कि भारत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित पांच हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था वाला देश 2028-29 से पहले नहीं बन सकता। उन्होंने कहा कि इसके लिए भी देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में लगातार पांच वर्ष नौ प्रतिशत की वार्षिक जीडीपी वृद्धि की जरूरत होगी। डॉ सुब्बा राव यहां फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) में आज़ादी के अमृत महोत्सव पर भारतएट75-पांच हजार अरब डालर की अर्थव्यवस्था की दिशा में प्रगति विषय पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य की राह में आठ प्रमुख चुनौतियां स्वीकार करनी होंगी। इनमें निवेश बढ़ाने, उत्पादकता में सुधार, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर परिणाम, रोजगार पैदा करने, कृषि उत्पादकता बढ़ाने, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने, वैश्विक रुझानों के आगे अपने आप को संभाले रखने तथा शासन में सुधार करने की चुनौती शामिल है। डॉ सुब्बा राव ने कहा, हालांकि पिछले 75 वर्षों में भारतीयों ने जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति की है, फिर भी हमारे पास 20 करोड़ लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं जो एक बड़ी चिंता है। हर साल 1.2 करोड़ युवा नौकरी के बाजार में प्रवेश कर रहे हैं। एकमात्र विनिर्माण क्षेत्र ही है जो इस बड़े पैमाने पर नौकरियां प्रदान कर सकता है न कि कृषि या सेवा क्षेत्र। उन्होंने कहा, अच्छा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सब्सिडी पर बहस शुरू की है। इस स्थिति के लिए सभी राजनीतिक दल दोषी हैं। उन्होंने आगाह किया कि राज्यों और केंद्र सरकार को यह महसूस करना चाहिए कि, हमारे पास अधिशेष बजट नहीं है और निश्चित रूप से नागरिकों के लिए कुछ सुरक्षा योजनाओं की आवश्यकता है, उन्हें सतर्क रहते हुए चुनिंदा निर्णय करने चाहिए।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली पर प्रयोगशाला का आईआईटी दिल्ली में गोयल ने किया उद्घाटन

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) जैसी सार्वजनिक प्रणालियों को अधिक कारगर बनाने के लिए इस क्षेत्र में नवप्रवर्तन पर बल दिया और वह आईआईटी दिल्ली में पब्लिक सिस्टम्स लैब (सार्वजनिक प्रणालियों की प्रयोगशाला) के उद्घाटन के मौके पर बोल रहे थे। उनके पास वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्रालय का प्रभार है।

श्री गोयल ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सोमवार को स्वाधीनता दिवस संबोधन में जय जवान, जय किसान और जय विज्ञान के साथ जय अनुसंधान के प्रधानमंत्री के आह्वान का उल्लेख करते हुए कहा, अमृत काल में प्रवेश करने के पहले दिन सार्वजनिक प्रणालियों संबंधी प्रयोगशाला का शुभारंभ करने का इससे अच्छा अवसर कोई और नहीं हो सकता है। सार्वजनिक प्रणाली प्रयोगशाला की स्थापना के लिए आईआईटी दिल्ली और विश्व खाद्य कार्यक्रम की सराहना करते हुए श्री गोयल ने कहा कि किए जा रहे शोध कार्य दुनिया को सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक कुशल और प्रभावी बनाने के लिए प्रौद्योगिकी

और नवाचार के उपयोग को प्रदर्शित करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, यह प्रयोगशाला सार्वजनिक खाद्य खरीद और वितरण जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक कार्यक्रमों और उनकी प्रणालियों के क्षेत्र में यह नवाचार के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक प्रणाली प्रयोगशाला नवाचार का एक आदर्श उदाहरण है जो हमारे राष्ट्र के विकास में योगदान देगा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली में दक्षता लाकर देश को भ्रष्टाचार से छुटकारा दिलाएगा।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी और कुशल बनाने के लिए नवाचार और अभिनव समाधानों के उपयोग पर सरकार के विशेष ध्यान के बारे में श्री गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) जैसी सरकारी पहलों के माध्यम से, भारत खाद्य सुरक्षा से निपटने में दुनिया के लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर रहा है। कोविड-19 की भयावह महामारी के बावजूद, सरकार ने एक राष्ट्र, एक राशन कार्ड के माध्यम से सभी के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह प्रयोगशाला संचालन अनुसंधान, एआई, डेटा विज्ञान आदि के ज्ञान का उपयोग उन महत्वपूर्ण समस्याओं को हल करने के लिए करेगी जो करोड़ों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसके कार्य खाद्य, स्वास्थ्य, परिवहन और सुशासन के क्षेत्र में सुधार की दृष्टि से महत्वपूर्ण होंगे।

हब-स्पोक माडल पर आधुनिक भंडर सुविधा के निर्माण के लिए 38 बोलियां

नयी दिल्ली। अनाज भंडारण के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की दिशा में हब एवं स्पोक मॉडल के तहत भंडार सुविधाओं के टेंडर की तकनीकी बोलियों में उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्य में 14 स्थानों पर ऐसी सुविधाओं के निर्माण और परिचालन के लिए 38 बोलियां प्राप्त हुई हैं। यह जानकारी उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति में दी गयी है।

इस निविदा में 14 स्थानों पर साइलोज -(अनाज रखने की आधुनिक बखारियां)के ठेकों को चार बंडल (समूह) में छोड़ जा रहा है। ये सुविधाएं एक बड़ी सुविधा को केंद्र में रख कर उसके इर्दगिर्द दूरस्थ क्षेत्रमें स्थापित छोटी भंडार सुविधाओं के परिचालन के मॉडल पर विकसित की जानी है। इनका निर्माण और परिचालन डीबीएफओटी व्यवस्था के तहत होगा जिसमें भडारण सुविधा के डिजाइन से लेकर ,निर्माण,वित्त पोषण और परिचालन का काम ठेकेदार करेगा। निश्चत अवधि के बाद में वह उसे सरकारी एजेंसी को हस्तांतरित करेगी विज्ञप्ति के अनुसार कुल इन राज्यों में 14 जगह सुविधा विकसित करके उनके परिचालन के अधिकार के लिए 15 संभावित पार्टियों ने बोलियां जमा की हैं।

केंद्र ने देश भर में इस मॉडल पर 249 स्थानों पर 111.125 लाख टन अनाज भंडारण क्षमता की बखारियों के विकसित करने का प्रस्ताव किया है।

बयान में कहा गया है, ''हब एंड स्पोक मॉडल के तहत डिजाइन, बिल्ड, फंड, ओन एंड ऑपरेट (डीबीएफओटी) टेंडर की तकनीकी बोलियों के लिए खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग (डीएफपीडी) को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। देश में खाद्यान्न भंडारण के बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण को ध्यान में रखते हुए, देश भर में अनाज साइलो (अनाज रखने की बखारियों) के विकास के लिए एक नया मॉडल यानी हब एंड स्पोक मॉडल इन पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मोड प्रस्तावित किया गया है। बयान के अनुसार उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, पंजाब, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों में 14 स्थानों वाले 4 बंडलों के लिए कुल 38 बोलियां प्राप्त हुई हैं। कुल 15 संभावित पार्टियों ने अपनी रुचि दिखाई है और अपनी बोलियां जमा की हैं। तकनीकी मूल्यांकन 3-4 सप्ताह में पूरा होने की उम्मीद है।

सरकार ने 26 अप्रैल 2022 को जारी निविदा के तहत डीबीएफओटी मोड पर 14 स्थानों पर (10.125 लाख टन) और 21 जून 2022 को जारी निविदा के तहत इसी तरीके से पर 66 स्थानों पर (24.75 लाख टन) क्षमता की इस तरह की भंडारण सुविधाओं के निर्माण के लिए निविदाएं मंगाई है।

पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीते कुछ दिनों से कच्चे तेल की कीमतों में जारी गिरावट के बावजूद देश में मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया।

देश में करीब दो माह से अधिक समय से ईंधन की कीमतों में स्थिरता है लेकिन पिछले कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतों में नरमी बनी हुयी है। आज लंदन में ब्रेट क्रुड 0.94 प्रतिशत गिरकर 94.21 डॉलर प्रति बैरल पर और अमेरिकी क्रुड 0.56 प्रतिशत की गिरावट लेकर 88.91 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

सार्वजनिक क्षेत्र की देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल)

के अनुसार, दिल्ली में आज पेट्रोल के दाम 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। मुंबई में पेट्रोल और डीजल के दाम क्रमशः 106.31 रुपये प्रति लीटर और 94.27 रुपये प्रति लीटर हैं।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें मूल्य वर्धित कर (वैट) और माल ढुलाई शुल्क के आधार पर सभी राज्यों में अलग-अलग हैं। पेट्रोल-डीजल के मूल्यों की प्रतिदिन समीक्षा की जाती है।

थोक मुद्रास्फीति जुलाई में घटकर 13.93 प्रतिशत पर

नयी दिल्ली। खाद्य और विनिर्मित माल के थोक भाव में नरमी के चलते जुलाई 2022 में घट कर 13.93 प्रतिशत पर आ गयी। सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा खाद्य तेल और अन्य जरूरी वस्तुओं तथा कच्चे माल की आपूर्ति में सुधार और कर्ज महंगा करने की दिशा हाल में उठाए गए कदमों के बाद मुद्रास्फीति पर अंकुश लगा है पर यह अब भी दोहरे अंक में बनी हुई है।

इससे पिछले माह थोक मुद्रास्फीति 15.18 प्रतिशत और एक साल पहले जुलाई में 11.57 प्रतिशत थी। मई, 2022 में थोक मुद्रास्फीति 15.88 प्रतिशत थी।

जुलाई, 2022 में थोक मूल्य पर खाद्य मुद्रास्फीति एक माह पहले के 14.39 प्रतिशत से घट कर 10.77 प्रतिशत रही। सब्जियों की थोक मुद्रास्फीति

सालाना आधार पर 18.25 प्रतिशत रही जो इससे पिछले महीने वार्षिक आधार पर 56.75 प्रतिशत थी।

इसी माह ईंधन और बिजली वर्ग की थोक भाव वाली महंगाई दर बढ़ कर 43.75 प्रतिशत थी जो एक माह पहले 40.38 प्रतिशत थी। यूक्रेन-रूस युद्ध के बाद कच्चे तेल और अन्य जिंसों की कीमतों में उछाल का महंगाई पर काफी असर पड़ा है।

विनिर्मित वस्तुओं की थोक महंगाई दर एक माह पहले की तुलना में नरम हो कर जुलाई में 8.16 प्रतिशत रही। इस वर्ग में थोक मूल्य सूचकांक मासिक स्तर पर 0.42 प्रतिशत नीचे रहा।

थोक मुद्रास्फीति पिछले वर्ष अप्रैल से दस प्रतिशत से ऊपर चल रही है।

जुलाई में खुदरा मुद्रास्फीति 6.71 प्रतिशत थी। यह सात माह से आरबीआई के स्वीकार्य ऊपरी सीमा छह प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए अपनी नीतिगत ब्याज दर रेपो को इस वर्ष तीन बार बढ़ाते हुए 5.40 प्रतिशत पर पहुंचा दिया है। सीआरसीएल एलएलपी के सीईओ और मैनेजिंग पार्टनर डी.आर.ई रेड्डी ने कहा, थोक मुद्रास्फीति के उच्च स्तर का प्रमुख कारण खाद्य, ईंधन और सब्जियों की कीमतें है।

मदर डेयरी ने दूध के दाम दो रुपये लीटर बढ़ाए, नई कीमतें बुधवार से लागू

नयी दिल्ली। मदर डेयरी ने दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करने का फैसला किया है। सभी प्रकार के दूध की नयी कीमतें बुधवार से लागू होंगी।

मदर डेयरी ने आज एक बयान में कहा है कि उत्पादन और अन्य लागत में वृद्धि के कारण उन्होंने दूध के दाम बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कंपनी की लागत में पिछले पांच महीनों में कई गुना वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि उक्त अवधि में कच्चे दूध की कृषि कीमतों में लगभग 10-11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

गौरतलब है कि मदर डेयरी ने इससे पहले मार्च में दिल्ली-एनसीआर (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र) में दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

मदर डेयरी के एक अधिकारी ने आज कहा कि कंपनी ने 17 अगस्त, 2022 से दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की वृद्धि करने का फैसला किया है। नई कीमतें सभी दूध के पैक पर लागू होंगी।

फुल क्रीम दूध की कीमत बुधवार से 59 रुपये प्रति लीटर से बढ़कर 61 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। इसी के साथ टोंड दुध की कीमत 51 रुपये प्रति लीटर जबकि डबल टोंड दुध की कीमत 45 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी।

गाय के दूध की कीमत बढ़ाकर 53 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है और टोकन दूध की कीमत 46 रुपये से बढ़कर 48 रिपीट 48 रुपये प्रति लीटर हो जाएगी। कंपनी ने कहा कि देश में गर्मी के मौसम में पशु चारे की लागत में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। किसानों से खरीद की लागत में हुई वृद्धि का आंशिक बोझ ही उपभोक्ताओं पर डाला जा रहा है। कंपनी बिक्री से होने वाली कमाई का लगभग 75-80 प्रतिशत किसानों से दूध खरीदने में लग जाता है।

व्यापारियों के संगठन कैट का थाईलैंड की कंपनी पर नियम तोड़ने का आरोप

नयी दिल्ली। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने थाईलैंड केचारोइन पोकफंड समूह से जुड़ी भारत में थोक कारोबार करने वाली कंपनी लॉट्स होलसेल सॉल्यूशन के खिलाफ वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के समक्ष 'एफडीआई नीति के संगीन उल्लंघन' की शिकायत दर्ज की है और उस पर जुर्माना लगाने की मांग की है।

लॉटस होलसेल केचारोइन पोकफंड समूह की कंपनी सियाम मैक्रो पब्लिक कंपनी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है।

कैट ने मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक उसने इसके खिलाफ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय को शिकायत की है जो प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के विषयों को देखता है। यह शिकायत कैश एंड कैरी ट्रेडिंग (थोक व्यापार) के लिए भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की नीति और नियमों से संबंधित है। कैट ने आरोप लगाया है कि लॉट्स द्वारा ऐसे वॉक-इन ग्राहकों को सामान बेचकर एफडीआई मानदंडों का उल्लंघन किया जा रही है जिनके पास दुकानें और प्रतिष्ठान अधिनियम के तहत व्यापार लाइसेंस नहीं है या खुदरा व्यापार करने की अनुमति नहीं है या जो वाणिज्यिक गतिविधि में संलग्न होने के लिए अधिकृत हैं।

कैट का कहना है कि यह विदेशी कंपनी कथित तौर पर कारोबारियों के साथ (बी2बी) कारोबार की आड़ में उपभोक्ताओं के साथ (बी2सी) खुदरा व्यापार कर के एफडीआई नियमों का उल्लंघन किया है और उस पर तीन हजार करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

बयान के मुताबिक कैट ने पिछले महीने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को इस संबंध में एक विस्तृत पत्र दिया है। इसमें आरोप है कि लॉट्स ने 2017 के दौरान भारत में अपना बी2बी संचालन शुरू किया था, लेकिन कंपनी खुदरा काम और मल्टी-ब्रांड रिटेल ट्रेडिंग में संलग्न होकर ग्राहकों को सीधे उनके व्यक्तिगत उपभोग के लिए सामग्री का विक्रय करती है। पत्र में कहा गया है कि लॉट्स जैसी विदेशी संस्थाओं के लिए ऐसा करना प्रतिबंधित है।

अपने पत्र में कैट ने कहा है, ''हमारा सुझाव है कि नियमों के उल्लंघन के लिए लॉट्स पर 3,000 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया जाए, जो भारत में इसके निवेश का तीन गुना है।''

परंपरागत खुदरा कारोबारियों का कहना है कि एफडीआई नीति में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिक्री थोक है या नहीं, यह निर्धारित करने का पैमाना जिस ग्राहक को बिक्री की जाती है,उस पर आधारित है।

पत्र में कहा गया है, ''लॉट्स द्वारा ग्राहकों को प्राथमिक पंजीकृत कार्ड के साथ चार पंजीकरण कार्ड/ऐड-ऑन कार्ड/ पूरक कार्ड जारी करके नियमों का उल्लंघन किया जा रहा है। थाईलैंड का यह समूह भारत में तीन थोक स्टोर चला रहाहै। यह मेट्रो कैश एंड कैरीज इंडिया बिजनेस के लिए तीन अंतिम बोलीदाताओं में से एक के रूप में भी उभरा है, जो 31 स्टोर परिचालित कर रही है।

दिल्ली हवाईअड्डे पर डिजीयात्रा ऐप के बीटा संस्करण की शुरुआत

नयी दिल्ली। भारत सरकार की 'डिजीयात्रा' पहल के तहत जीएमआर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के नेतृत्व वाले संघ दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) ने सोमवार को एंड्रॉइड प्लेटफॉर्म के लिए डिजीयात्रा ऐप के बीटा संस्करण को पेश किया।

जीएमआर ने एक बयान में कहा कि दिल्ली हवाई अड्डा देश में इस प्रणाली को शुरू करने वाले पहले कुछ हवाई अड्डों में से एक है। डायल ने दिल्ली हवाई अड्डे के टर्मिनल तीन पर आवश्यक सुविधा स्थापित की थी जिसका परीक्षण पहले ही कर लिया गया था। परीक्षण के दौरान सुविधा का उपयोग करने वाले लगभग 20,000 यात्रियों को सहज और सुरक्षित यात्रा का अनुभव हुआ। डिजीयात्रा एक बायोमेट्रिक इनेबल्ड सीमलेस ट्रैवल एक्सपीरियंस (बेस्ट) है जो चेहरा पहचाने की तकनीक पर आधारित है। इसका उद्देश्य यात्रियों को कागज रहित और निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करना है।इस तकनीक के साथ, हवाई अड्डे में प्रवेश, सुरक्षा जांच क्षेत्रों और विमान बोर्डिंग आदि सहित सभी चौकियों पर चेहरे की पहचान प्रणाली के आधार पर यात्रियों का प्रवेश स्वचलित रूप से हो जाएगा। यह प्रौद्योगिकी विमान में चढ़ने की प्रक्रिया को काफी तेज और अधिक सहज बना देगी क्योंकि प्रत्येक यात्री को हर बिंदु पर तीन सेकंड से कम समय की आवश्यकता होगी।

महिंद्रा, वोक्सवैगन ने विद्युत वाहन बाजार के लिए किया रणनीतिक गठबंधन

मुंबई। भारत के महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड (एमएंडएम) और जर्मनी के वाहन विनिर्माता वोक्सवैगन समूह ने सोमवार को भारत के विद्युत वाहन (ईवी) बाजार के तीव्र विस्तार के लिए आपस में रणनीतिक सहयोग की मंशा की घोषणा की।

कंपनी की एक विज्ञप्ति के अनुसार दोनों कंपनियों ने महिंद्रा के नये विकसित इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म 'इनग्लो' के लिए एमईबी विद्युत कल पुर्जों की आपूर्ति की शर्तों से संबंधि एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इलेक्ट्रिक एसयूवी के ये माडल नये इनग्लो प्लेटफॉर्म आर्किटेक्चर पर प्रस्तुत किए जाएंगे। अंतिम आपूर्ति समझौते पर 2022 के अंत तक हस्ताक्षर किए जाएंगे। दोनों कंपनियों ने इसी वर्ष शुरू में आपसी भागीदारी को विस्तार देने का करार किया था। नया करार 10 लाख इकाइयों के लिए कल पुर्जों की आपूर्ति के लिए है। इसमें एमईबी घटकों के साथ पांच ऑल-इलेक्ट्रिक एसयूवी के उपकरण शामिल हैं। बयान में कहा गया है कि इसके अलावा, दोनों कंपनियां भारतीय ऑटोमोटिव बाजार के विद्युतीकरण में तेजी लाने के लिए व्यापक रणनीतिक गठबंधन की दिशा में परिप्रेक्ष्य खोलते हुए सहयोग के लिए और अवसर तलाशेंगी। महिंद्रा ने सोमवार को ही ब्रिटेन में बानबरी में महिंद्रा बॉर्न ईवी विज़न अनावरण कार्यक्रम में अपने पांच नये ईवी एसयूवी माडल प्रदर्शित किए । भारत के लिए संभावित रणनीतिक गठबंधन की दिशा में अगले कदम के संबंध में, दोनों कंपनियां ई-मोबिलिटी के क्षेत्र में सहयोग के संभावित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए सहमत हैं, जिसमें वाहन परियोजनाएं, बैटरी सेल निर्माण का स्थानीयकरण और इलेक्ट्रिक इकोसिस्टम के लिए चार्जिंग और ऊर्जा समाधान शामिल हैं।

महंगाई घटने के आंकड़ों से झूमा शेयर बाजार

मुंबई। देश में अगस्त में खुदरा और थोक महंगाई घटने के आंकड़ों से उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत शेयर बाजार आज लगातार छठे दिन चढ़ता हुआ आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी पर रहा।

पिछले शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद अगस्त महीने का उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और आज थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) महंगाई के आंकड़े जारी हुए। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त में खुदरा महंगाई जुलाई के 7.01 प्रतिशत से घटकर 6.71 प्रतिशत पर आ गई। इसी तरह इस अवधि में थोक महंगाई 15.18 प्रतिशत से कम होकर 13.93 प्रतिशत पर आ गई।

इससे उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली से बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 379.43 अंक उछलकर 59842.21 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

(एनएसई) का निफ्टी 127.10 अंक चढ़कर 17825.25 अंक पर रहा। बीएसई की दिग्गज कंपनियों के मुकाबले छोटी और मझौली कंपनियों में अधिक तेजी रही। मिडकैप 1.03 प्रतिशत की छलांग लगाकर 25,020.92 अंक और स्मॉलकैप 1.03 प्रतिशत मजबूत होकर 28,194.37 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3705 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 1989 में तेजी जबकि 1553 में गिरावट रही वहीं 163 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 42 कंपनियों में लिवाली जबकि शेष आठ में बिकवाली हुई। बीएसई में धातु और दूरसंचार समूह में 0.19 प्रतिशत की गिरावट और टेक समूह में टिकाव को छोड़कर शेष 16 समूहों में तेजी रही। इस दौरान ऑटो 2.57, रियल्टी 2.03, सीडीजीएस 1.58, ऊर्जा 1.34, एफएमसीजी 1.18, इंडस्ट्रियल्स 1.43, यूटिलिटीज 1.40, तेल एवं गैस 1.76 और पावर समूह के शेयर 1.48 प्रतिशत चढ़ गए। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.51, जर्मनी का डैक्स 0.55 और चीन के शंघाई कंपोजिट में 0.05 प्रतिशत की तेजी रही वहीं जापान के निक्केई में 0.01 और हांगकांग के हैंगसेंग में 1.05 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स212 अंक की तेजी लेकर 59,675.12 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत थोड़ी देर बाद ही 59,92×.0× अंक के उ' चतम स्तर पर पहुंच गया। बिकवाली शुरू होने से यह दोपहर बाद 59,67×.96 अंक के निचले स्तर तक फिसल गया। अंत में यह संभलता हुआ पिछले दिवस के 59,462.78 अंक के मुकाबले 0.64 प्रतिशत मजबूत होकर 59,842.21 अंक पर रहा।इसी तरह एनएसई 99 अंक चढ़कर 17,797.20 अंक पर खुला। कारोबार के दौरान यह 17,8×9.10 अंक के उ' चतम जबकि 17,764.05 अंक के निचले स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 17,698.15 अंक की तुलना में 0.72 प्रतिशत मजबूत होकर 17,825.25 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान सेंसेक्स की मुनाफा कमाने वाली प्रमुख कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 2.28, मारुति, एशियन पेंट 2.09, हिंदुस्तान यूनीलीवर 1.90, एचडीएफसी बैंक 1.16, एचडीएफसी 1.12, रिलायंस 0.68, आईटीसी 0.68, एक्सिस बैंक 0.66, आईसीआईसीआई बैंक 0.56, टाटा स्टील 0.×1, एलटी 0.24, विप्रो 0.22 और इंफोसिस 0.08 प्रतिशत शामिल रही।

शार्ट न्यूज

फीफा का निलंबन का निर्णय 'आश्चर्यजनक'

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) की प्रशासनिक समिति (सीओए) ने मंगलवार को फीफा द्वारा एआईएफएफ को निलंबित करने के फैसले पर आश्चर्य और निराशा व्यक्त की। समिति ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार फीफा, एशियाई फुटबॉल महासंघ (एएफसी), एआईएफएफ, सीओए और खेल मंत्रालय के बीच बीते कुछ दिनों से गहन बातचीत चल रही थी, और ऐसे में फीफा का यह निर्णय आश्चर्यजनक है। सीओए ने कहा, जबकि सीओए माननीय उच्चतम न्यायालय के तीन अगस्त को पारित किये गये फैसले को लागू करने के लिये प्रतिबद्ध था, वह सभी हितधारकों से लगातार संपर्क में भी था।

एशिया कप के लिये शिनवारी की टीम में वापसी

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने एशिया कप 2022 के लिये मंगलवार को 17-सदस्यीय दल की घोषणा की, जिसमें अनुभवी बल्लेबाज समीउल्लाह शिनवारी की वापसी हुई है। शिनवारी ने आखिरी बार अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व मार्च 2020 में आयरलैंड के खिलाफ खेले गये टी20 मुकाबले में किया था। उन्हें शरफुद्दीन अशरफ के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। शीर्ष आयोजन के लिये टीम की कप्तानी मोहम्मद नबी के हाथों में ही रहेगी। मुख्य चयनकर्ता नूर मलिकज़ई ने टीम चयन के बारे में कहा, एशिया कप हमारे लिये बेहद महत्वपूर्ण आयोजन है, और हमने इसके लिये अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने हैं। समीउल्लाह शिनवारी को एशिया कप के लिये टीम में शामिल किया गया है। वह अच्छी फॉर्म में हैं और इब्राहीम ज़ादरान, हशमतुल्लाह शाहिदी, नजीबुल्लाह ज़ादरान और मोहम्मद नबी जैसे खिलाड़ियों से सजी बल्लेबाजी को अधिक रफ्तार दे सकते हैं। मोहम्मद नबी की टीम अपने एशिया कप अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ 27 अगस्त को करेगी।

वर्षाबाधित मैच में 27 रन से जीता अफ़गानिस्तान

बेलफ़ास्ट। अफगानिस्तान ने नजीबुल्लाह ज़ादरान (50) और राशिद खान (31) की विस्फोटक पारियों की बदौलत आयरलैंड को चौथे टी20 में 27 रन से हराकर श्रृंखला 2-2 से बराबर कर ली। अफगानिस्तान ने सोमवार को वर्षाबाधित मैच में पहले बल्लेबाज़ी करते हुए 11 ओवर में 132 रन बनाये, जिसके जवाब में आयरलैंड 105 रन ही बना सकी। आयरलैंड ने टॉस जीतकर अफगानिस्तान को पहले बल्लेबाज़ी के लिये बुलाया। रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने टीम को दमदार शुरुआत दिलाते हुए 13 गेंदों पर तीन चौके और दो छक्कों की बदौलत 24 रन की पारी खेली। हज़रतुल्लाह ज़ाज़ाई (5), इब्राहीम ज़ादरान (1) और कप्तान मोहम्मद नबी (5) के जल्दी आउट होने के बावजूद नजीबुल्लाह और राशिद की जोड़ी ने आक्रामक रवैया अपनाया। दोनों के बीच 18 गेंदों में 50 रन की साझेदारी हुई। नजीबुल्लाह ने चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए 50(24) रन की पारी खेली जबकि राशिद ने एक चौके और तीन छक्कों की बदौलत 31(10) रन बनाये। 11 ओवर में 133 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की ओर से जॉर्ज डॉकरेल ने सर्वाधिक 41(27) रन बनाये, जबकि किसी और आयरिश बल्लेबाज ने उनका साथ नहीं दिया। डॉकरेल ने अपनी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाये।

केविन ओब्रायन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा

डबलिन। आयरलैंड के दिग्गज ऑल-राउंडर केविन ओ ब्रायन ने मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। आयरलैंड में क्रिकेट की रूपरेखा बदलने वाले ओ ब्रायन ने 2006 में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। आयरलैंड के सह-सदस्य से टेस्ट मैच टीम बनने के सफर में ओ%ब्रायन का किरदार बेहद अहम रहा था। आयरिश दिग्गज ने अपने दो दशक के करियर में कई रिकॉर्ड अपने नाम किये। ओब्रायन एकदिवसीय मैचों में आयरलैंड के लिये सर्वाधिक विकेट (114) लेने वाले गेंदबाज हैं। इसके अलावा आईसीसी पुरुष विश्व कप में सबसे तेज शतक जड़ने का रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। ओ ब्रायन ने विश्व कप 2011 में इंग्लैंड के खिलाफ 327 रन का पीछा करते हुए 50 गेंदों में अपना शतक पूरा किया था। उन्होंने इस पारी में 13 चौके और छह गगनचुंबी छक्के जड़ते हुए 63 गेंदों पर 113 रन बनाये थे और अपनी टीम को ऐतिहासिक विश्व कप जीत दिलायी थी। ओ ब्रायन टेस्ट क्रिकेट में आयरलैंड के पहले और एकलौते शतकवीर भी हैं। उन्होंने 14 मई 2018 को पाकिस्तान के खिलाफ डबलिन में खेले गये टेस्ट मैच में 118 रन की पारी खेली थी। अड़तीस वर्षीय ओ%ब्रायन अपने सुसज्जित करियर को अलविदा कहते हुए पहले ही कोचिंग की ओर बढ़ गये हैं।

ज़िम्बाब्वे दौरे पर शाहबाज़ ने ली सुंदर की जगह

मुंबई। युवा ऑल-राउंडर शाहबाज़ अहमद को ज़िम्बाब्वे दौरे के लिये वाशिंगटन सुंदर के स्थान पर टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई ने मंगलवार को यह सूचना दी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बताया कि सुंदर इंग्लैंड में एक काउंटी मैच के दौरान चोटिल हो गये थे, जिसके कारण उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है। भारत को ज़िम्बाब्वे में तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला खेलनी है, जिसकी शुरुआत 18 अगस्त से होगी। गौरतलब है कि सुंदर रॉयल लंदन कप में लंकाशर और वॉर्वेस्टरशर के एक मैच के दौरान फील्डिंग करते हुए चोटिल हो गये थे। वह पिछले एक साल में चोट और कोविड-19 के कारण ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे हैं। सुंदर की जगह टीम में आये शाहबाज़ डोमेस्टिक क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेलते हैं, जबकि आईपीएल में वह रॉयल चैलेंजर बैंगलोर का हिस्सा हैं। शाहबाज़ ज़िम्बाब्वे दौरे पर भारत की ओर से पदार्पण कर सकते हैं। तीन एकदिवसीय मैचों के लिए भारतीय टीम -केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उप-कप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, शाहबाज़ अहमद।

फीफा ने भारतीय फुटबॉल महासंघ को निलंबित किया

ज़्यूरिख। अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल महासंघ (फीफा) ने भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को इस आरोप के साथ मंगलवार को निलंबित कर दिया कि वह तीसरे पक्ष के 'अनुचित प्रभाव में' काम कर रहा है। फीफा ने यहां जारी बयान में कहा कि फीफा परिषद के ब्यूरो ने सर्वसम्मति एआईएफएफ को तीसरे पक्ष के अनुचित दबाव के तहत काम करने के आरोपों के कारण तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का निर्णय लिया है। एआईएफएफ का यह कदम फीफा के नियमों का गंभीर उल्लंघन है। फीफा ने बयान में कहा है कि प्रशासनिक समिति गठित करने के आदेश को निरस्त होने और एआईएफएफ के दैनिक मामले एआईएफएफ प्रशासन के नियंत्रण में आने के बाद निलंबन हटा लिया जाएगा। गौरतलब है कि उच्चतम न्यायालय ने मई 2022 में एआईएफएफ के पूर्व अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को हटाकर एक प्रशासनिक समिति का गठन करते हुए जल्द से जल्द महासंघ के चुनाव कराने का आदेश दिया था। इस निलंबन का अर्थ है कि अक्टूबर 2022 में भारत में होने वाला फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप 2022 फिलहाल भारत में आयोजित नहीं होगा। फीफा फिलहाल टूर्नामेंट के संबंध में अगला कदम उठाने पर विचार कर रहा है और आवश्यकता पड़ने पर परिषद के ब्यूरो से परामर्श करेगा। फीफा ने यह भी कहा कि वह भारत के युवा मामले और खेल मंत्रालय से लगातार संपर्क में है और उसे उम्मीद है कि मामले का सकारात्मक परिणाम प्राप्त हो सकता है।

बीसीसीआई ने अमिताभ चौधरी के निधन पर शोक व्यक्त किया

रांची। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने अपने पूर्व अधिकारी अमिताभ चौधरी के निधन पर मंगलवार को शोक व्यक्त किया। चौधरी का मंगलवार सुबह दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था।

सूत्रों ने बताया कि 62 वर्षीय श्री चौधरी सुबह अपने निवास में टहल रहे थे जब उन्हें दिल का दौरा पड़ा। इसके बाद श्री चौधरी को रांची के एक अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा, मैं श्री अमिताभ चौधरी के निधन के बारे में जानकर स्तब्ध और दुखी हूं। मेरा उनके साथ एक पुराना जुड़ाव था। मेरी उनसे पहली मुलाकात जिम्बाब्वे दौरे पर हुई थी जब मैं भारत का नेतृत्व कर रहा था और वह टीम मैनेजर थे। समय के साथ, हमारी बातचीत बढ़ती गई और खेल के प्रति उनका जुनून स्पष्ट था। आज हमारे पास रांची में एक विश्व स्तरीय स्टेडियम और परिसर है जो उनकी दूरदृष्टि और अथक प्रयासों की बदौलत है। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं और सहानुभूति उनके दोस्तों और परिवार के साथ है।

भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के पूर्व अधिकारी श्री चौधरी 2002 में बीसीसीआई के सदस्य बने थे। उन्होंने 2005 में तत्कालीन उप-मुख्यमंत्री सुदेश महतो को हराकर झारखंड राज्य क्रिकेट एसोसियेशन के अध्यक्ष का चुनाव भी जीता था।

बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा, श्री अमिताभ चौधरी के निधन की खबर सुनकर मैं सदमे और अविश्वास की स्थिति में हूं। एक प्रशासक के रूप में, वह बहुत भावुक थे और जमीनी स्तर पर वास्तविक बदलाव लाना चाहते थे। जब उन्होंने झारखंड में पदभार संभाला था तब राज्य में क्रिकेट बहुत शुरुआती दौर में था। हमने उनके नेतृत्व में वास्तविक परिवर्तन देखा है। मेरे विचार उनके परिवार और दोस्तों के साथ हैं। ईश्वर उन्हें इस नुकसान से उबरने की शक्ति दें।

भारतीय टीम के प्रबंधक (2005-09) और बीसीसीआई के कार्यवाहक सचिव की जिम्मेदारियां निभाने के बाद उन्होंने 2013 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली और राजनीति में शामिल हो गये।

एशिया कप में विराट कोहली और रोहित शर्मा के बीच देखने को मिलेगी खास जंग

नई दिल्ली। टी20 इंटरनेशनल में सबसे पहले 3500 रन कौन पूरा करता है? इसको लेकर तीन बल्लेबाजों के बीच काफी कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज के दौरान मार्टिन गप्टिल इस आंकड़े के सबसे करीब पहुंचे, लेकिन तीन रन से चूक गए। टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन फिलहाल गप्टिल के नाम ही दर्ज हैं, लेकिन टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा और पूर्व कप्तान विराट कोहली भी उनसे ज्यादा पीछे नहीं हैं। गप्टिल के खाते में 3497 रन हैं, वहीं रोहित उनसे 10 रन पीछे 3487 के आंकड़े पर हैं। विराट कोहली के खाते में 3308 रन हैं। 27 अगस्त से एशिया कप खेला जाना है और टीम इंडिया को अपना पहला मैच इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ 28 अगस्त को खेलना है। रोहित को 3500 रनों के आंकड़े तक पहुंचने के लिए 13 रनों की जरूरत है, वहीं विराट कोहली को 192 रन बनाने होंगे। विराट की जिस तरह की फॉर्म है, उसे देखते हुए ऐसा लगता है कि रोहित ही सबसे पहले इस आंकड़े पर पहुंचेंगे क्योंकि फिलहाल न्यूजीलैंड को भी अभी कोई और टी20 इंटरनेशनल मैच नहीं खेलना है। रोहित ने 132 मैचों में 32.28 की औसत और 140.26 के स्ट्राइक रेट से ये रन बनाए हैं, वहीं विराट ने 99 मैचों में 50.12 की औसत और 137.66 के स्ट्राइक रेट से 3308 रन बनाए हैं। अब एशिया कप में देखना होगा कि टी20 इंटरनेशनल में 3500 का आंकड़ा पहले कौन छूता है और एशिया कप के अंत में रोहित और विराट में से कौन सा बल्लेबाज टी20 इंटरनेशनल का बेताज बादशाह बनता है। विराट को इंग्लैंड दौरे के बाद आराम दिया गया था, जबकि रोहित वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की टी20 इंटरनेशनल सीरीज का हिस्सा थे। रोहित इस दौरान अच्छी फॉर्म में नजर आए थे, इसलिए ऐसा माना जा सकता है कि वह विराट से पहले 3500 का आंकड़ा भी पार कर लेंगे और गप्टिल को पीछे छोड़कर टी20 इंटरनेशनल के सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बन जाएंगे।

पहले महिला अंतरराष्ट्रीय एफटीपी में खेले जाएंगे 301 मुकाबले

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को पहले महिला भविष्य टूर कार्यक्रम (एफटीपी) की घोषणा की, जिसमें 2022 से 2025 तक 301 अंतरराष्ट्रीय मैच शामिल किये गये हैं। यह महिला क्रिकेट के इतिहास का पहला एफटीपी है। इसकी शुरुआत इस साल मई में हो चुकी है, जबकि इसका समापन 2025 के महिला एकदिवसीय विश्व कप के साथ होगा। महिला क्रिकेट के लिये तैयार किये गये तीन-वर्षीय चक्र में सात टेस्ट, 159 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 135 एकदिवसीय मैच खेले जाएंगे। इस चक्र में 2025 विश्व कप की क्वालीफिकेशन के लिये 2022-25 के आईसीसी चैंपियनशिप मुकाबले भी शामिल हैं। इस चक्र में इंग्लैंड सबसे अधिक टेस्ट (पांच) खेलेगा। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया चार, दक्षिण अफ्रीका तीन और भारत दो टेस्ट खेलेगा। भारतीय महिलाओं को घर में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक-एक टेस्ट मैच खेलना है। इंग्लैंड ने आखिरी बार 2005 में, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार 1984 में भारत में टेस्ट खेला था। आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने कहा, यह महिलाओं के खेल के लिए बहुत बड़ा क्षण है। यह एफ़टीपी न केवल भविष्य के क्रिकेट दौरों की पुष्टि करता है बल्कि एक संरचना के लिए आधार भी तैयार करता है जो आने वाले वर्षों में विकसित होना निश्चित है। मार्च 2023 में महिला एफ़टीपी में एक स्पष्ट खिड़की भी है, जिसे महिला आईपीएल के उद्घाटन सत्र के लिए खाली छोड़ा गया है।

जिम्बाब्वे के रेयान बर्ल को ऋषभ पंत में दिखती है अपनी झलक

नई दिल्ली। भारत और जिम्बाब्वे के बीच तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज का आगाज 18 अगस्त को होना है। भारतीय टीम केएल राहुल की कप्तानी में खेलने उतरेगी, क्योंकि रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋषभ पंत, युजवेंद्र चहल जैसे खिलाड़ियों को इस दौरे से आराम दिया गया है। भारत को इस सीरीज के तुरंत बाद एशिया कप में भी हिस्सा लेना है। इस सीरीज में भारत को भले ही फेवरेट माना जा रहा हो, लेकिन जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर का मानना है कि उनकी टीम बड़ा उलट-फेर कर सकती है। रेयान बर्ल ने कहा कि उन्हें टीम इंडिया के धाकड़ बल्लेबाज ऋषभ पंत में खुद की झलक दिखती है।

इंटरव्यू में 28 साल के रेयान ने इस सीरीज को लेकर कुछ अहम बातें कही हैं। बर्ल बैटिंग के साथ-साथ बॉलिंग में भी कमाल कर लेते हैं और जिम्बाब्वे के लिए 3 टेस्ट, 28 वनडे और 47 टी20 इंटरनेशनल मैच खेल चुके हैं। जब रेयान से पूछा गया कि बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के बाद भारत के खिलाफ प्लान के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, पिछले कुछ महीनों में जैसा हमारा प्लान रहा है, भारत के खिलाफ भी वही रहेगा। अगर आप बैटर हैं, तो आपका प्लान है ज्यादा से ज्यादा रन बनाने का और अगर आप गेंदबाज हैं, तो आपका प्लान है कम से कम रन देने का। हमारा प्लान एकदम सिंपल है।

जिम्बाब्वे ने आजतक भारत के खिलाफ इकलौती सीरीज 1996-97 में जीती थी, इस पर बर्ल ने कहा, यह सीरीज हमारे लिए बहुत अहम है, हमें भारत के खिलाफ खेलने का ज्यादा मौका मिलता नहीं है। तो जब मौका मिले तो इसका ज्यादा से ज्यादा फायदा उठाना चाहते हैं हम।% बर्ल से पूछा गया कि ऑनपेपर भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार नजर आ रही है, क्या जिम्बाब्वे की टीम भारत को हरा सकती है? इस पर उन्होंने कहा, हां, बिल्कुल, मुझे ऐसा कोई कारण नजर नहीं आता कि हम भारत के खिलाफ जीत नहीं दर्ज कर सकते हैं। हमने हाल के दिनों में अपने मैदान पर अच्छा क्रिकेट खेला है। लोग हीथ स्ट्रीक, फ्लावर्स ब्रदर (एंडी और ग्रांट) के बारे में बात करते हैं, ये लीजेंड थे अपने समय में अब हमारे पास सिकंदर रजा, क्रेग एर्विन, सीन विलियम्स जैसे खिलाड़ी हैं। बर्ल से मौजूदा भारतीय टीम में इंस्पायर करने वाले खिलाड़ी के बारे में पूछा गया, जिस पर उन्होंने कहा, सही कहूं तो मैं ऋषभ पंत का नाम लूंगा। मैं उनमें अपनी झलक देखता हूं। छोटा कद, लेफ्ट हैंडर्स, बॉल को हिट करना ये कुछ समानताएं हैं हम लोगों में। मैं उसका दिमाग पिक करना चाहूंगा, देखते हैं आगे क्या होता है।

'चीन को सैन्य उद्देश्यों के लिए हंबनटोटा का इस्तेमाल नहीं करने देंगे', भारत की चिंताओं पर बोले श्रीलंकाई राष्ट्रपति

कोलंबो। भारत की चिंताओं के बीच एक चीनी जासूसी जहाज मंगलवार को श्रीलंका के दक्षिणी बंदरगाह (पोर्ट) हंबनटोटा पहुंचा। कुछ दिनों पहले कोलंबो ने भारत की चिंताओं को देखते हुए बीजिंग से इस जहाज का बंदरगाह पर आगमन टालने का अनुरोध किया था। हालांकि अब श्रीलंका के राष्ट्रपति ने इस मुद्दे पर बयान दिया है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने साफ शब्दों में कहा है कि श्रीलंका चीन को सैन्य उद्देश्यों के लिए हंबनटोटा का इस्तेमाल नहीं करने देगा।

श्रीलंका ने चीन के दबाव में आकर पिछले हफ्ते युआन वांग 5 नाम के जहाज की हंबनटोटा की यात्रा को स्थगित करने के फैसले को उलट दिया था। बता दें कि श्रीलंका के इस पोर्ट का कंट्रोल चीन के पास है। हंबनटोटा बंदरगाह को बीजिंग ने 2017 में श्रीलंका से कर्ज के बदले में 99 साल के पट्टे पर ले लिया था। चीन का बैलिस्टिक मिसाइल और सेटेलाइट निगरानी जहाज 'युआन वांग 5' स्थानीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 20 मिनट पर दक्षिणी बंदरगाह हंबनटोटा पहुंचा। यह जहाज 22 अगस्त तक यहां रुकेगा। इसको लेकर भारत और अमेरिका ने भी आपत्ति जताई है।

विक्रमसिंघे ने चीनी जहाज के श्रीलंका आने से दो दिन पहले रविवार को जापान के योमिउरी शिंबुन अखबार के साथ एक इंटरव्यू में कहा, हम नहीं चाहते कि हंबनटोटा का इस्तेमाल सैन्य उद्देश्यों के लिए किया जाए। विक्रमसिंघे ने अपनी सरकार के फैसले के बारे में बताते हुए कहा, मौजूदा जहाज सेना की श्रेणी में नहीं आता। [यह] एक रिसर्च जहाज की श्रेणी में आता है। इसीलिए [हमने] जहाज को हंबनटोटा आने की अनुमति दी।

इस महीने की शुरुआत में, भारतीय पक्ष ने जहाज की यात्रा से जुड़ी चिंताओं के बारे में एक कड़ा संदेश भेजा था। भारत के उच्चायुक्त ने कोलंबो में अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाया था, और इस मुद्दे को विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने भी श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी के साथ अपनी अलग-अलग बैठकों में उठाया था। मामले से परिचित लोगों ने कहा कि दोनों मंत्रियों ने कंबोडिया के नोम पेन्ह में हुई आसियान बैठक के दौरान यह मुद्दा उठाया था।

यह जहाज पहले 11 अगस्त को बंदरगाह पर पहुंचना था लेकिन भारत और अमेरिका के दबाव के बीच श्रीलंकाई प्राधिकारियों से मंजूरी न मिलने के कारण इसके आगमन में देरी हुई। भारत द्वारा सुरक्षा चिंता व्यक्त किये जाने के बाद श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने पिछले सप्ताह चीनी दूतावास से इस जहाज का आगमन टाल देने का अनुरोध किया था। कोलंबो ने शनिवार को जहाज को 16 से 22 अगस्त तक बंदरगाह पर रुकने की मंजूरी दे दी थी।

चीनी पोत किसी देश की सुरक्षा को प्रभावित नहीं करेगा : चीन

चीन ने मंगलवार को कहा कि उसके उच्च तकनीक वाले अनुंसधान पोत की गतिविधियों से किसी देश की सुरक्षा प्रभावित नहीं होगी और उसे किसी तीसरे पक्ष द्वारा "बाधित" नहीं किया जाना चाहिए। यह जहाज भारत और अमेरिका की चिंताओं के बीच श्रीलंका के हंबनटोटा बंदरगाह पहुंच गया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन कहा कि युआन वांग 5 श्रीलंका के सक्रिय सहयोग से हंबनटोटा बंदरगाह पर सफलतापूर्वक पहुंच गया है। वांग भीषण आर्थिक संकट से गुजर रहे श्रीलंका को वित्तीय सहायता देने संबंधी सवाल से बचते नजर आए। उन्होंने कहा कि जब जहाज पहुंचा तो श्रीलंका में चीनी राजदूत क्यूई जेनहोंग ने हंबनटोटा बंदरगाह पर स्वागत समारोह की मेजबानी की।

रूस में आग दुर्घटना में 60 इमारतें जलीं

मास्को। रूस के दक्षिणी रोस्तोव क्षेत्र में जंगल की आग में सात आवासीय घरों सहित 60 इमारतें जल कर खाक हो गईं। राहत की बात यह है कि इस दौरान कोई हताहत नहीं हुआ है। स्थानीय मीडिया ने मंगलवार को यह जानकारी दी। रूसी समाचार एजेंसी 'तास' की एक रिपोर्ट में रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय के हवाले से बताया गया कि रोस्तोव क्षेत्र के उत्तरपूर्वी हिस्से में उस्त-दोनेत्स्क वन क्षेत्र में सोमवार को शुरू हुई जंगल की आग मंगलवार सुबह 136 हेक्टेयर में फैल गई, जिससे तीन गांव प्रभावित हुए। रिपोर्ट के अनुसार, आग से प्रभावित हुए गांव के निवासियों को पहले ही सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया गया। आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने आग बुझाने के लिए दो विमान, एक हेलीकॉप्टर, 300 से अधिक दमकल तैनात किए हैं।

सलमान रुश्दी की हालत स्थिर, जांचकर्ताओं के सवालों के भी दिए जवाब

न्यूयॉर्क। भारतीय मूल के जानेमाने लेखक सलमान रुश्दी की हालत अब स्थिर है और वह जांचकर्ताओं के साथ ना केवल स्पष्ट रूप से बात कर रहे हैं बल्कि पूरा सहयोग भी कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट में मंगलवार को यह जानकारी दी गयी। विवादास्पद किताब 'द सैटेनिक वर्सेज' के लेखक पर पिछले शुक्रवार को न्यूयॉर्क में हमला किया गया था। फिलहाल वह गंभीर चोटों के बाद भी अस्पताल में इलाज करवा रहे हैं।

सीएनएन ने एक कानून प्रवर्तन अधिकारी के हवाले से कहा कि 75 वर्षीय बुकर पुरस्कार विजेता की स्थिति स्थिर बनी हुई है और जांचकर्ताओं के साथ अपनी बातचीत में 'स्पष्ट' जवाब दे रहे हैं। कानून प्रवर्तन अधिकारी के अनुसार, वह सोमवार को सामान्य व्यवहार कर रहे थे और जांचकर्ताओं के सवालों का जवाब देने में सक्षम थे। यह हालांकि, पता नहीं चल पाया है कि उन्होंने जांचकर्ताओं को क्या बताया।

एक 24 वर्षीय व्यक्ति ने 12 अगस्त को चौटाउक्वा इंस्टीट्यूशन कार्यक्रम के दौरान श्री रुश्दी पर चाकू से हमला किया था जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गये थे। श्री रुश्दी 1988 में प्रकाशित अपने उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' के बाद से छिपकर रह रहे थे, जिसे मुस्लिम दुनिया के कुछ हिस्सों में जमकर आलोचना की गयी थी। ईरान ने सलमान रुश्दी के हमलावर के साथ किसी भी तरह के संबंध से 'स्पष्ट रूप से' इनकार किया है और बुकर पुरस्कार विजेता को इसके लिए खुद उन्हें ही दोषी ठहराया है। रुश्दी (75) के गंभीर रूप से घायल होने के बाद उनकी सर्जरी की गई और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। रविवार को हालांकि उन्हें 'बिना किसी सहायता के सांस लेने' की जानकारी मिली।

तेहरान में एक प्रवक्ता ने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस हमले में हम सलमान रुश्दी और उनके समर्थकों के अलावा किसी और को दोष और निंदा के योग्य नहीं मानते हैं। श्री रुश्दी अपने उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' के कारण मौत की धमकी का सामना कर रहे हैं।

बंगलादेश सड़क दुर्घटना पर चीनी ठेकेदार पर मामला दर्ज

ढाका। बंगलादेश पुलिस ने एक सड़क दुर्घटना में पांच कार सवार लोगों की मौत के मामले में चीनी ठेकेदार और क्रेन ऑपरेटर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया, इस दुर्घटना में दो अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि हादसा उत्तरा इलाके के जसीमुद्दीन रोड पर सोमवार को उस वक्त हुआ, जब बस रैपिड ट्रांजिट (बीआरटी)-3 एलिवेटेड एक्सप्रेस-वे का निर्माण कार्य चल रहा था। उस दौरान क्रेन एक बड़ा गार्डर को निश्चित स्थान पर पहुंचाते समय अनियंत्रित हो गयी। जिसमें गार्डर एक कार के ऊपर गिर गया और उसमें सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी और दो अन्य लोग घायल हो गए। उन्होंने बताया कि सड़क कार्य के दौरान वाहनों की आवाजाही व्यवस्थित न होने के कारण ये हादसा हुआ। चाइना गेझोउबा (ग्रुप) कॉर्प (सीजीजीसी) इस परियोजना का ठेकेदार है। कंपनी के खिलाफ लापरवाही से मौत और दूसरों के जीवन और सुरक्षा को खतरे में डालने का मामला दर्ज किया गया। सड़क परिवहन और पुल मंत्रालय ने दुर्घटना की जांच के लिए पांच सदस्यीय जांच पैनल का गठन किया।

अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में बाढ़ से पांच की मौत

काबुल। अफगानिस्तान के पूर्वी गजनी प्रांत में सोमवार को अचानक आई बाढ़ में एक यात्री बस के फंस जाने से तीन बच्चों और दो वयस्कों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी बख्तर ने मंगलवार को प्रांतीय सरकार के एक अधिकारी मावलवी हबीबुल्लाह मुजाहिद के हवाले से बताया कि बस कल देर रात गिलान जिले की ओर जा रही थी, तभी वह अचानक बाढ़ में फंस गई, जिसके कारण पांच लोगों की मौत हो गई। पूर्वी परवन और नंगरहार प्रांतों में रविवार और सोमवार को मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने 35 से अधिक लोगों की जान ले ली और कई अन्य घायल हो गए हैं। पिछले महीनों में अफगानिस्तान के 34 प्रांतों में से 10 प्रांतों में मॉनसूनी बारिश और बाढ़ में 200 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों घर तबाह हो गये है।

इटली में महिलाओं की हत्या का बढ़ता आंकड़ा

रोम। इटली में पिछले एक साल में महिलाओं की हत्या की संख्या में करीब 16 प्रतिशत वृद्धि हुई है, जिनमें से कई घरेलू हिंसा का शिकार हुई हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, अगस्त 2021 से जुलाई 2022 के बीच 125 महिलाओं की हत्या की गई। इटली के आंतरिक मंत्रालय द्वारा सोमवार को प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल एक अगस्त से 31 जुलाई के बीच 125 महिलाओं की मौत हो चुकी है जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में 108 महिलाओं की मौत 'पारिवारिक-भावनात्मक' कारणों के चलते हुई थीं। इनमें से 68 महिलायें अपने साथियों द्वारा हत्या की शिकार हुईं। द गार्जियन के आंकड़ों के अनुसार, इटली में हर तीन दिन में औसतन एक महिला की मौत हो जाती है, जो बेहद चिंताजनक है। डिफरेंज़ा डोना की अध्यक्ष एलिसा एर्कोली ने कहा, आंतरिक मंत्रालय का आंकड़ों के अनुसार देश में अपराध कम हो रहे हैं, लेकिन नारी हत्याएं बढ़ रही हैं।

पाकिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने की गोलीबारी, दो पुलिसकर्मियों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत में अज्ञात हमलावरों की गोलीबारी से दो पुलिसकर्मियों की मौत हो गयी। ये पुलिसकर्मी पोलियो टीकाकरण टीम की सुरक्षा के लिए तैनात थे। पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी असगर खान ने समाचार एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि आज प्रांत के टैंक जिले के कोट आजम इलाके में पोलियो टीकाकरण टीम की सुरक्षा के लिए तैनात पुलिसकर्मियों पर अज्ञात मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने गोलियां बरसानी शुरू कर दी, जिसमें दो पुलिसकर्मी की मौत हो गयी। हमलावर मौके से फरार हो गए। उनकी तलाश जारी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. -DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें।

कॅरियर के लिए अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है ड्राइविंग

ड्राइविंग एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें कॅरियर बनाने के बारे में शायद ही कोई युवा सोचता हो। यकीनन यह कोई फुल टाइम प्रोफेशन नहीं है लेकिन फिर भी अगर आप इसे एक कॅरियर या व्यवसाय के रूप में देखते हैं तो इसमें भी आपके विकास की अपार संभावनाएं मौजूद है। यह उन लोगों के लिए एक अच्छा कॅरियर ऑप्शन साबित हो सकता है, जो बहुत अधिक पढ़े-लिखे नहीं है, लेकिन फिर भी अच्छी आमदनी करके एक बेहतर जिन्दगी जीना चाहते हैं। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में कॅरियर बनाकर आप किस तरह अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं-

ऐसे बनाएं कॅरियर

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि ड्राइविंग के क्षेत्र में दो तरह से कॅरियर बनाया जा सकता है। मसलन, आप स्वयं के व्यवसाय के स्वामी और चालक हो सकते हैं। इसके लिए आप ओला और उबर के तहत पंजीकृत कुछ टैक्सी प्राप्त करें और इस उद्योग के माध्यम से भी अच्छी कमाई करें। इसके अलावा अगर आपके पास पर्याप्त पैसा नहीं है तो इस स्थिति में आप कुछ ओला व उबर आदि में बतौर कार चालक अपने कॅरियर की शुरूआत कर सकते हैं।

योग्यता

यह एक ऐसा क्षेत्र नहीं है, जिसके लिए किसी खास प्रोफेशनल डिग्री की आवश्यकता हो। आपको बस एक वाणिज्यिक ड्राइविंग लाइसेंस की आवश्यकता है और फिर कई ड्राइविंग स्कूल हैं जो आपको अपने आसपास के क्षेत्र में मिलेंगे। आप वहां से ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

अगर आप सच में अपने कॅरियर को ग्रोथ देना चाहते हैं तो इसके लिए आपमें कुछ स्किल्स का होना बेहद आवश्यक है। सबसे पहले तो आपको बेहद अच्छी तरह से कार ड्राइव करनी आनी चाहिए। यह आपके कॅरियर के लिए सबसे पहली और जरूरी शर्त है। इसके अलावा आप जिस शहर में हैं, वहां की सड़कों की आपको अच्छी जानकारी होनी चाहिए। वैसे इन दिनों जीपीएस के जरिए भी रास्तों के बारे में पता लगाया जा सकता है। वहीं आपमें बेहतर कम्युनिकेशन स्किल होना भी बेहद आवश्यक है। सारा दिन आपकी गाड़ी में कई कस्टमर आएंगे, आपका उनके प्रति व्यवहार कैसा होगा, इस पर काफी कुछ निर्भर करता है।

संभावनाएं

इस क्षेत्र में कॅरियर ग्रोथ काफी अच्छी है। सबसे पहले तो आप ओला व उबर के अलावा कई ड्राइविंग कंपनियों में बतौर ड्राइवर काम कर सकते हैं। इसके अलावा अगर आप चाहें तो ड्राइविंग इंस्टीट्यूट में बतौर टेनर भी काम कर सकते हैं और दूसरे लोगों को कार चलाना सिखा सकते हैं। इसके अलावा कुछ लोगों को पर्सनल कार ड्राइवर की जरूरत होती है, आप उनके लिए भी काम कर सकते हैं। वहीं खुद भी कार या टैक्सी लेकर उसे ड्राइव कर सकते हैं। इस तरह आप खुद ही मालिक बन सकते हैं।

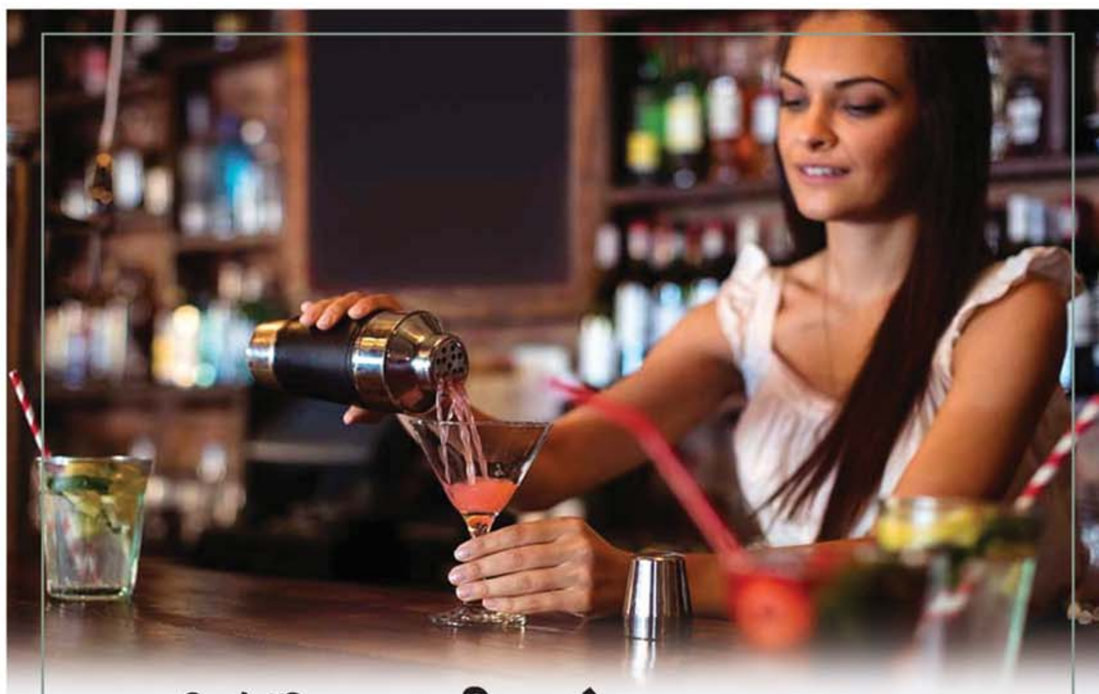

लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो मिक्सोलॉजी में देख सकते हैं अपना कॅरियर

एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

अगर आप उनमें से हैं, जिन्हें नौ से पांच की जॉब करना अच्छा नहीं लगता। आप अपनी लाइफ में लीक से हटकर कुछ करना चाहते हैं तो ऐसे में मिक्सोलॉजी के क्षेत्र में अपना कॅरियर देख सकते हैं। यह एक बेहद ही डिफरेंट कॅरियर ऑप्शन है। एक मिक्सोलॉजिस्ट एक व्यक्ति है जो कॉकटेल और मिश्रित पेय बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के मादक पेय और अन्य सामग्री को मिलाता है। आमतौर पर लोग मिक्सोलॉजिस्ट को बारटेंडर ही समझते हैं, लेकिन इनमें अंतर है। बारटेंडर केवल बार में होते हैं और केवल पहले से मौजूद डिंक्स को ही बनाते हैं। जबकि मिक्सोलॉजिस्ट कई नए तरह के कॉकटेल बनाता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको इस कॅरियर के बारे में बता रहे हैं-

क्या होता है काम

एक मिक्सोलॉजिस्ट का काम बारटेंडर की तुलना में अधिक विस्तृत होता है। वे कई तरह की डिंक्स को मिक्स करके एक नया पेय पदार्थ बनाने के अलावा, बार को आर्गेनाइज करना, कस्टमर्स को नए डिंक्स के बारे में बताना और उन्हें एंटरटेन करना, नए पेय पदार्थों का सुझाव देना और मेन्यू में कुछ नए पेय पदार्थों को शामिल करना होता है। यह एक ऐसी जॉब है, जिसमें आप हर दिन कुछ नए एक्सपेरिमेंट करते हैं और खुद को एक्सप्लोर करते हैं। हालांकि यहां पर काम के कोई निश्चित घंटे नहीं होते।

स्किल्स

कॅरियर एक्सपर्ट बताते हैं कि एक अच्छा मिक्सोलॉजिस्ट बनने के लिए अच्छा श्रोता होना व फ्रेंडली होना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा एक्यूरेसी, बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स, आर्गेनाइजेशन स्किल्स, एनर्जेटिक, फलेक्सिबिलिटी, टीमवर्क, व क्रिएटिविटी जैसे गुण आपके काम को आसान बनाते हैं।

शैक्षणिक योग्यता

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए किसी निश्चित डिग्री का होना आवश्यक नहीं है। आपके स्वाद की समझ ही आपको आगे लेकर जाती है। हालांकि, ज्यादातर कंपनियां ऐसे मिक्सोलॉजिस्ट को पसंद करती हैं जिनके पास बारटेंडिंग लाइसेंस होता है। उम्मीदवार किसी भी कंपनी में अल्पकालिक भुगतान प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लेकर प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकते हैं।

संभावनाएं

यकीनन यह एक अलग कॅरियर क्षेत्र है, लेकिन फिर भी अगर आप अपने काम में अच्छे हैं तो आपके पास काम की कोई कमी नहीं होने वाली है। आप बार या रेस्टोरेंट के अलावा, क्लब, पब, होटल, टैवर्न आदि में बेहद आसानी से काम कर सकते हैं। इसके अलावा कुछ कंपनियां फूड एंड बेवरेज शो या फिर कई मार्केटिंग इवेंट्स में अपनी सर्विसेज देने के लिए भी मिक्सोलॉजिस्ट को हायर करती हैं। इस तरह के इवेंट्स में आप अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं।

आमदनी

एक मिक्सोलॉजिस्ट की सालाना पूरी तरह से उस क्लब / रेस्तरां / बार पर निर्भर करेगा जिस पर वह काम कर रहा है। फिर भी शुरूआती दौर में आप दो से तीन लाख रूपए सालाना आसानी से कमा सकते हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, लखनऊ
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कोलकाता
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, अहमदाबाद
- नेशनल काउंसिल फॉर होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी, नोएडा
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, मुंबई
- इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमैंट कैटरिंग टैक्नोलॉजी- एप्लाईड नुट्रीसन, कोलकाता
- सेंटमेरी कॉलेज, बैंगलोर
- इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट, कैटरिंग एंड न्यूट्रिशन, शिमला

कैसे बनें लेखपाल? जानें योग्यता, एग्जाम पैटर्न, सैलरी व सभी जानकारी

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं।

आजकल अधिकतर युवा सरकारी नौकरी करना चाहते हैं। लेकिन सरकारी नौकरी पाना इतना आसान नहीं हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसी सरकारी नौकरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की जरुरी नहीं है।

आज हम आपको बताएंगे कि आप लेखपाल कैसे बन सकते हैं -

लेखपाल राजस्व विभाग यानी रेवेन्यू डिपार्टमेंट के अंतर्गत काम करते हैं। लेखपाल को कुछ राज्यों में पटवारी, पटेल, कारनाम अधिकारी, शानबोगरु आदि नाम से जाना जाता है। यह एक सरकारी नौकरी है और इसमें जॉब सिक्योरिटी, पेंशन, पीएफ जैसे लाभ मिलते हैं। आजकल युवाओं में इस पद की डिमांड बहुत ज्यादा है। लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी को लिखित परीक्षा के साथ-साथ इंटरव्यू देना होता है।

लेखपाल दो तरह के होते हैं - राजस्व लेखपाल और चकबंदी लेखपाल। राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं और राजस्व लेखपाल आवासीय और व्यावसायिक जमीन से जुड़े काम देखते हैं।

योग्यता

- आपको किसी भी स्ट्रीम से बारहवीं पास होना चाहिए। मिनिमम परसेंटेज की कोई शर्त नहीं होती।
- उम्मीदवार के पास कम्प्यूटर कोर्स का सर्टिफिकेट होना जरूरी है।

आयु सीमा

लेखपाल बनने के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 वर्ष और 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाती है।

लेखपाल बनने की परीक्षा

लेखपाल बनने के लिए लिखित परीक्षा और इंटरव्यू ये दो चरण होते हैं। लिखित परीक्षा 100 नंबर की होती है। इसके लिए 90 मिनट दिए जाते हैं। इसमें माइनस मार्किंग नहीं होती। परीक्षा में हिन्दी, सामान्य ज्ञान, गणित और ग्राम समाज और विकास के प्रश्न पूछे जाते हैं। हर सेक्शन में 25-25 प्रश्न होते हैं। लेखपाल की परीक्षा के लिए सामान्य ज्ञान, हिंदी सामान्य गणित और सामाजिक जीवन से जुड़े प्रश्न पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में पास होने वाले अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। लिखित परीक्षा और इंटरव्यू दोनों को मिलाकर जो भी मार्क्स मिलते हैं उसी के आधार पर लेखपाल को चुना जाता है।

सैलरी

एक लेखपाल की सैलरी 5200-20200 रूपए प्रतिमाह पे-ग्रेड के अनुसार होती है। लेखपाल एक क्लेरिकल पोस्ट है जो ग्रुप सी के अंतर्गत आती है।

टिफिन सर्विस का बिजनेस शुरू कर कमा सकते हैं लाखों

साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।

कोरोनावायरस अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है और इस दौर में कई जमे जमाए बिजनेस और दूसरे प्रोफेशनों की कमर टूट चुकी है। कई लोगों की इस आपदा में नौकरी गई है तो कई लोगों का बिजनेस चौपट हुआ है। सबसे अधिक असर पड़ने वाली इंडस्ट्रीज में, फूड इंडस्ट्री पर निश्चित रूप से बड़ा असर पड़ा है। होटल, ढाबे जहां पर लोग इकट्ठे होकर खाना खाते थे, वहां बिजनेस जबरदस्त ढंग से प्रभावित हुआ है। पर लोगों की खाना खाने की जरूरतें तो कम नहीं हुई हैं, ऐसे में कई जगहों पर सुरक्षित टिफिन सर्विस एक बेहतर विकल्प के रूप में सामने आ सकता है। आइए देखते हैं इसकी कहां कहां और किस प्रकार उपयोगिता है और आप इसके जरिए किस प्रकार शुरुआत कर सकते हैं और किस प्रकार कमाई कर सकते हैं।

कारोबार को समझना जरूरी

ध्यान रखने वाली बात यह है कि बिजनेस चाहे कोई भी हो, किंतु उसे समझना एवं प्रबंधित करने का ढंग आपको वास्तविक रुप से उसका फायदा दिलाता है। अगर आप किसी बिजनेस को ठीक ढंग से मैनेज कर पाते हैं तो भारी मुनाफा और अच्छी क्रेडिबिलिटी हासिल कर सकते हैं। आखिर यूं ही तो आईआईएम से बड़े संस्थानों से निकले लोग सब्जी बेचकर या कोई छोटा मोटा रोजगार करके, या फिर खेती करके लाखों नहीं कमाते हैं? उनके कमाने के उदाहरणों से प्रबंधन के गुणों को सीखना जरूरी है।

कारोबार को प्रबंधित करने से पहले कारोबार को समझना और ग्राउंड वर्क करना जरूरी है। आप जिस भी क्षेत्र में रहते हों, आस पास अगर कोई टिफिन सर्विस चलती है तो उसके पास खुद एक ग्राहक बनकर जाएँ और देखें कि वहां पर किस प्रकार से आपको टिफिन दी जाती है, उसके रेट क्या है, सब्जी इत्यादि की वैरायटी क्या है, अलग-अलग दिनों में वेज और नॉनवेज का कॉम्बिनेशन क्या है? इतना ही नहीं, खाने की क्वालिटी कैसी है, डिलीवरी की टाइमिंग इत्यादि किस प्रकार से मैनेज किया जाता है, इन सब बातों को जब एक ग्राहक के तौर पर समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको इसकी बारीकियां समझ आ जायेंगी।

कस्टमर मैनेजमेंट और मार्केटिंग

यह एक बेहद महत्वपूर्ण फैक्टर है। जब आप एक कारोबार को समझ लेते हैं और ग्राउंड वर्क कर लेते हैं तो आपके सामने बड़ी चुनौती आती है कि कस्टमर आप किस प्रकार से ढूंढें? तो इसके लिए आपको एडवर्टाइजमेंट करना पड़ेगा। इसके लिए आप खुद कैनवा जैसी ऑनलाइन सर्विस का प्रयोग करके अपनी टिफिन सर्विस का बैनर बना लें और व्हाट्सएप पर शेयर करें, खासकर उन कंटेक्ट में, जिस एरिया में आप बिजनेस करना चाहते हैं। शुरुआत में अगर आप के जानकार और आपके परिचित पहले ग्राहक बनते हैं, तो यह सबसे उत्तम होगा। एक तो ऑलरेडी वह आपको जानते हैं और दूसरे शुरू में विश्वास बनाने में आपको आसानी हो जाएगी। यह कार्य व्हाट्सएप पर आप आसानी से कर लेंगे, किंतु सिर्फ जानकारों में आप यह कार्य बढ़ा नहीं पाएंगे। कारोबार बढाने के लिए आपको पंपलेट छपवाने पड़ेंगे और आसपास के एरिया में डिस्ट्रीब्यूटर करना पड़ेगा। वह हॉस्टल हो सकता है, कंपनी हो सकती है, या कोई लोकलिटी हो सकती है। कस्टमर जब आपके बनने लगेंगे, तो उसको प्रबंधित करने में और क्वालिटी देने में आप चूक ना करें। ध्यान रखें, यह 21वीं सदी है और यहां पर जितनी बेहतरीन क्वालिटी और सर्विस आप देंगे, आपके ग्रो करने की संभावना उतनी ही अधिक होगी। कम लागत के लिए पहले एकाध कस्टमर से ही शुरू करें, और अनुभव के साथ महीने बाद कारोबार को गति दें।

ध्यान रहे कि यह बिजनेस ना केवल शहर में, बल्कि छोटे-छोटे कस्बों और यहां तक कि गांव तक में चलने लगा है। गांव में कई घरों में बुजुर्ग व्यक्ति होते हैं, जो अकेले होते हैं। उनके बच्चे दूर शहरों में रोजी रोटी के लिए गए होते हैं, तो उनके लिए भी यह बेहद उपयोगी सर्विस है। ऐसे में निश्चित रूप से आपको इससे पुण्य और पैसा दोनों मिल सकता है।

कुछ महत्वपूर्ण बातें

- साफ-सफाई का खास ध्यान रहे और खाना बनाने से लेकर टिफिन डिलीवरी करने वाला व्यक्ति भी नीट और क्लीन रहे। साथ ही टिफिन बॉक्स में बेहतर क्वालिटी का हो, ताकि थाने के संदर्भ में अच्छी राय बने। टिफिन बॉक्स में खाना पैक करते समय इधर-उधर नहीं गिरना चाहिए।
- मेन्यू अपडेट करते रहें। साथ ही ध्यान रखें कि स्वाद के चक्कर में ऐसा नहीं होना चाहिए कि कस्टमर के हेल्थ से समझौता हो जाए। कल्पना करें कि अगर कोई खाना खाने के बाद कस्टमर का पेट खराब हो जाता है या उसे अन हेल्दी फील होता है तो आप अपने ग्राहक खो देंगे। हां! स्वाद के लिए अपने मैन्यू में आप कोई मिठाई या दूसरी चीजें अपडेट करते रह सकते हैं।
- कस्टमर के फीडबैक के आधार पर किसी दिन उसकी पसंद का मैन्यू जरूर बना सकते हैं। त्यौहार इत्यादि के दिन पूरी या ऐसी दूसरी लोकल डिश कस्टमर को टेस्ट करा सकते हैं, पर यह कस्टमर के फीडबैक के आधार पर ही होना चाहिए।
- समय का पालन बहुत जरूरी है। अगर सुबह ब्रेकफास्ट 8:00 बजे पहुंचाते हैं, तो यह किसी हालत में 8 से लेट नहीं होना चाहिए, बहुत पहले भी नहीं होना चाहिए। समय पर डिलीवरी आपके बारे में एक बेहतरीन राय कायम करेगी। अगर किसी कारण वश देरी होने की सम्भावना है तो व्हाट्सअप या कॉल पर कस्टमर को अपडेट जरूर कर दें।